हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,रविवार | 15 सितम्बर 2024 | वर्ष : 02 | अंक :123 | पृष्ठ -14 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

बिहार में संभावनाएं अपार, दुनिया अबतक तलाश नहीं पायी: गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली: केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि बिहार में काफी संभावनाएं हैं और यह छिपा हुआ रत्न है, जिसे दुनिया अबतक खोज नहीं पाई। भविष्य में राज्य के बेहतर प्रदर्शन का भरोसा जताते हुए गोयल ने कहा कि कानून-व्यवस्था, लूट और आगजनी से जुड़ी छवि ने अतीत में इसकी प्रगति को रोका।गोयल ने दिसंबर में निवेशक सम्मेलन से पहले उद्योग चैंबर सीआईआई के एक कार्यक्रम में कहा कि भ्रष्टाचार का मुद्दा अब इतिहास बन चुका है और पारदर्शिता अब चर्चा का विषय है। उन्होंने जमीनी हकीकत और राज्य की छवि को पूरी तरह बदलकर बिहार की सूरत बदलने का श्रेय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को दिया।मंत्री ने कहा, बिहार उन छिपे हुए रत्नों में है, जिससे दुनिया अनजान है। उन्होंने उद्योग जगत से जल्द ही बिहार जाने और इस अवसर से न चूकने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा समर्थित नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार ने उद्योग जगत के लिए बिहार की अपार संभावनाओं को खोला है और भरोसा जताया कि मुंबई के निवेशक राज्य में निवेश करना पसंद करेंगे।

जम्मू-कश्मीर में इस बार का चुनाव तीन खानदानों और यहां के नौजवानों के बीच,

डोडा में नरेंद्र मोदी ने किया शांति, सुरक्षा और समृद्धि का वादा

साल 2014 में केंद्र में सत्ता में आने के तुरंत बाद हमने जम्मू-कश्मीर में युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया। नए नेतृत्व और कांग्रेस, पीडीपी तथा नेशनल कॉन्फ्रेंस के वंशवाद के बीच लड़ाई है; इन वंशों ने जम्मू-कश्मीर

एजेंसी

जम्मू-कश्मीर: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाजपा उम्मीदवारों के चुनाव प्रचार के तहत रैली को संबोधित करने के लिए जम्मू-कश्मीर के डोडा पहुंचे। मोदी ने डोडा में चुनावी रैली में कहा कि तिगुनी मेहनत करेंगे, जम्मू-कश्मीर को साथ मिलकर समृद्ध बनाएंगे, यह मोदी की गारंटी है। राजनीतिक वंशों ने अपने बच्चों को आगे बढ़ाया, नए नेतृत्व को उभरने नहीं दिया। साल 2014 में केंद्र में सत्ता में आने के तुरंत बाद हमने जम्मू-कश्मीर में युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया। नए नेतृत्व और कांग्रेस, पीडीपी तथा नेशनल कॉन्फ्रेंस के वंशवाद के बीच लड़ाई है; इन वंशों ने जम्मू-कश्मीर को बर्बाद कर दिया।पीएम मोदी ने कहा कि इतनी पीढ़ियां गुजरने के बाद उनको भाजपा सरकार ने आरक्षण दिया है। आज ऐसे अनेक साथी हैं, जिनको पहली बार वोट डालने का हक मिला है। भारत का संविधान हर किसी को वोट का अधिकार देता है। लेकिन संविधान को जेब में लेकर घूमने वालों ने 75 सालों तक आप में से कुछ लोगों से वोट देने का अधिकार देता है।

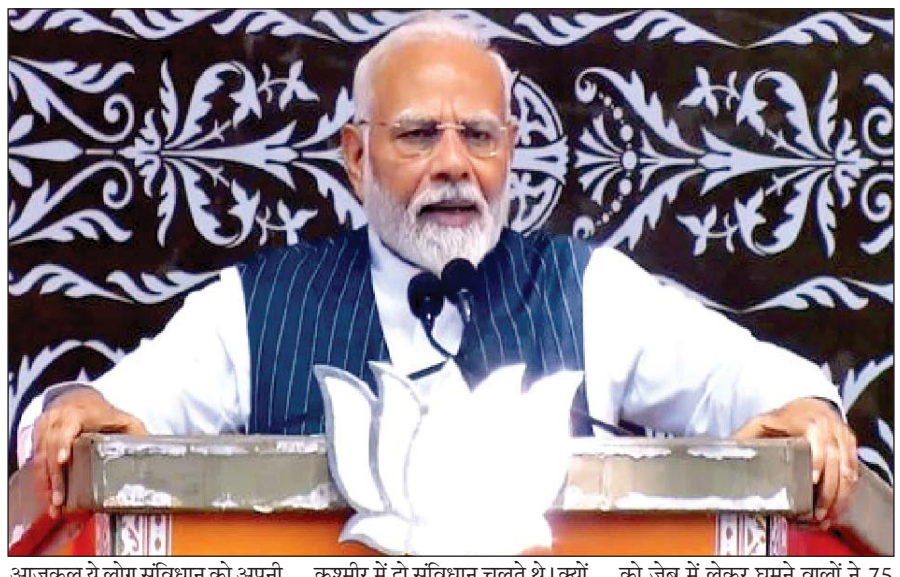

आजकल ये लोग संविधान को अपनी जेब में रखते हैं। ये दिखावा ये अपने काले कारनामों को छिपाने के लिए कर रहे हैं। हकीकत क्या है, ये जम्मू कश्मीर का बच्चा-बच्चा जानता है। इन लोगों ने बाबा साहेब के बनाए संविधान की आत्मा को नोच दिया था। वरना क्या कारण था कि हमारे जम्मू कश्मीर में दो संविधान चलते थे। क्यों यहां के लोगों को वो हक नहीं मिलता था, जो बाकी देश में मिलता था। क्या कारण है कि यहां हमारे पहाड़ी भाई-बहनों को इतने वर्षों आरक्षण नहीं मिला।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जम्मू कश्मीर में ये रउ/रळ और डइउ का नाम तक नहीं लेते थे।लेकिन संविधान को जेब में लेकर घूमने वालों ने 75 सालों तक आप में से कुछ लोगों से वोट देने का अधिकार छीन लिया था।कांग्रेस की सोच और नीयत क्या है, ये उनके अध्यक्ष की बातों से भी साफ हो जाता है। वो यहां आकर कहते हैं कि 'अगर हमें 20 सीटें ज्यादा आती, तो मोदी सहित भाजपा के सभी नेता जेल में होते'। क्या यही एक एजेंडा है इनका? जम्मू कश्मीर का इस बार का विधानसभा चुनाव... तीन खानदानों और जम्मू-कश्मीर के नौजवानों के बीच में है। एक खानदान... कांग्रेस का है... एक खानदान... नेशनल कॉन्फ्रेंस का है... एक खानदान... पीडीपी का है... जम्मू-कश्मीर में इन तीन खानदानों ने मिलकर आप लोगों के साथ जो किया है... वो किसी पाप से कम नहीं है।डोडा में चुनावी रैली में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद अंतिम सांसें ले रहा है। जम्मू-कश्मीर के बच्चों को आगे बढ़ाना चाहते हैं, भाजपा ने इसके लिए प्रेमनाथ डोगरा योजना की घोषणा की है। जम्मू-कश्मीर के बच्चों को आगे बढ़ाना चाहते हैं, भाजपा ने इसके लिए प्रेमनाथ डोगरा योजना की घोषणा की है। भाजपा जम्मू-कश्मीर को विकसित और आतंक मुक्त बनाना चाहती है। भाजपा का संकल्प और आपका साथ ही शांत, सुरक्षित और समृद्ध जम्मू-कश्मीर बनाएगा। इसलिए आपको 18 सितंबर को भाजपा के सभी उम्मीदवारों को भारी बहुमत बसे जीताकर विधानसभा भेजना है।

मोदी की रैली में बम धमाके मामले में कोर्ट ने फांसी की सजा उम्रकैद में बदली,

एजेंसी

नई दिल्ली: जवाब। कोचिंग सेंटर में मौतों के मामले में दिल्ली लउ ने उइक से जलभराव का कारण बताने को कहा। गांधी मैदान विस्फोट केस में 4 दोषियों की मौत की सजा उम्रकैद में तब्दील। केजरीवाल 177 दिन बाद जेल से बाहर, शराब नीति से जुड़े उइक केस में सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत। व्यासजी के तहखाने की छत पर नमाज रोकने से कोर्ट का इनकार। इस सप्ताह यानी 09 सितंबर से 14 सितंबर 2024 तक क्या कुछ हुआ? कोर्ट के कुछ खास ऑर्डर/जजमेंट और टिप्पणियों का विकली राउंड अप आपके सामने लेकर आए हैं। कुल मिलाकर कहें तो आपको इस सप्ताह होने वाले भारत के विभिन्न न्यायालयों की मुख्य खबरों के बारे में बताएंगे। यूपीएससी की याचिका पर पूजा खेडकर से जवाब दिल्ली हाई कोर्ट ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) की पूर्व परिवीक्षाधीन अधिकारी पूजा खेडकर से संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की उस याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें अदालत में कथित रूप से झूठा बयान और हलफनामा देने के लिए उनके खिलाफ कार्यवाही शुरू करने का अनुरोध किया गया है। न्यायमूर्ति ज्योति सिंह ने यूपीएससी की अर्जी पर खेडकर को नोटिस जारी किया और उन्हें जवाब दाखिल करने के लिए तीन सप्ताह का समय दिया।

व्यास तहखाने की छत पर नमाज रहेगी जारी

प्रदर्शनकारी डॉक्टरों से मिलने पहुंचीं ममता, कहा- मेरी रातों की नींद उड़ गई है

एजेंसी

पश्चिम बंगालः की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी साल्ट लेक में स्थित स्वास्थ्य भवन के बाहर उस स्थल पर पहुंचीं, जहां जूनियर चिकित्सक आंदोलन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रदर्शनकारी चिकित्सकों से कहा कि बारिश के बीच सड़क पर आप प्रदर्शन कर रहे हैं, इससे मेरी रातों की नींद उड़ गई है। मैं आपको आश्वासन देती हूं कि मैं आपकी मांगों पर गौर करूंगी, अगर कोई दोषी पाया गया तो कार्रवाई करूंगी।डॉक्टरों ने वर्तमान स्थिति पर अपनी निराशा और असंतोष व्यक्त करते हुए हमें न्याय

चाहिए के नारे लगाए। तनावपूर्ण माहौल के बावजूद मुख्यमंत्री ने चिकित्सा पेशेवरों से अपने कर्तव्यों पर लौटने की अपील करने के लिए किया। ममता ने रोगी की निरंतर देखभाल और संकट के समाधान की आवश्यकता पर जोर दिया गया।इससे पहले ममता बनर्जी ने बड़ा बयान देते हुए कहा था कि लोगों की खातिर इस्तीफा देने को तैयार हैं और आरजी कर बलात्कार-हत्या मामले में गतिरोध को हल करने के लिए चिकित्सकों द्वारा बातचीत करने से इनकार किये जाने पर खेद जताया था। बनर्जी ने आंदोलनकारी डॉक्टरों के बैठक के लिए आने का करीब दो घंटे तक इंतजार किया। उन्होंने इस दौरान कहा था कि वह भी चाहती हैं कि पीड़िता को न्याय मिले।

सीतारमण ने नैस्डैक के वाइस चेयरपर्सन से मुलाकात की, भारत में निवेश अवसरों पर चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली: वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को नैस्डैक के कार्यकारी वाइस चेयरपर्सन एडवर्ड नाइट से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने सरकार की प्रमुख पहलों और भारत में संभावित निवेश अवसरों के बारे में बताया।नाइट ने अमेरिकी-भारत व्यापार परिषद के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया और यहां वित्त मंत्री से मुलाकात की। वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारत सरकार की प्रमुख पहलों और भारत में

संभावित निवेश अवसरों के बारे में बात की।सीतारमण ने उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी निशा बिस्वाल के नेतृत्व में यूएस इंटरनेशनल डेवलपमेंट फाइनेंस कॉरपोरेशन के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ भी बातचीत की।

जब मदद चाहिए थी तो हम बबार्दी के लिए जिम्मेदार नहीं थे, पीएम की खानदान वाली टिप्पणी पर उमर बोले-

एजेंसी

जम्मू-कश्मीर: प्रधानमंत्री मोदी के बयान पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष और गांदरबल विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जब भाजपा को इन परिवारों में से किसी की मदद की जरूरत थी तब हम बबार्दी के ज़िम्मेदार नहीं थे। 6 साल पहले भाजपा का पीडीपी के साथ जम्मू-कश्मीर में रिश्ता था। चुनाव के दौरान उन्हें खराबी नजर आ ही जाती है। अगर भाजपा की संख्या कम पड़ी और पीडीपी ने उन्हें फिर से मदद करने का फैसला किया तो उन्हें पीडीपी में कोई कमी नजर नहीं आएगी। अब्दुल्ला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस

बारे में बात करनी चाहिए थी कि आतंकवादी हमले में लोग मारे गए हैं। बता दें कि डोडा में एक रैली के दौरान पीएम मोदी ने मुफ्ती-अब्दुल्ला-गांधी परिवार पर निशाना साधते हुए कहा कि जम्मू कश्मीर का इस बार का विधानसभा चुनाव... तीन खानदानों और जम्मू-कश्मीर के नौजवानों के बीच में है। एक खानदान... कांग्रेस का है... एक खानदान... नेशनल कॉन्फ्रेंस का है... एक खानदान... पीडीपी का है... जम्मू-कश्मीर में इन तीन खानदानों ने मिलकर आप लोगों के साथ जो किया है... वो किसी पाप से कम नहीं है।उमर अब्दुल्ला ने कहा कि अनुच्छेद 370 को हटाए हुए 5 साल हो गए हैं और हम आज भी मुठभेड़ों के बारे में खबरें रोज देख रहे हैं। बता दें कि जम्मू कश्मीर में पीएम मोदी का दौरा ऐसे वक्त में हुआ है जब लगातार आतंकियों के साथ सुरक्षाबलों की मुठभेड़ लगातार जारी है। बारामूला में

हरियाणा चुनाव में पूरी ताकत के साथ उतरी आप पार्टी, जानिए क्या कहता है इतिहास

एजेंसी

हरियाणा: विधानसभा चुनावों में सीट को लेकर बात न बन पाने पर आम आदमी पार्टी अकेले चुनाव मैदान में उतरी है। आम आदमी पार्टी ने उम्मीदवारों की पहली, दूसरी और तीसरी लिस्ट जारी कर दी है। बता दें कि हरियाणा की 90 सदस्यीय विधानसभा सीटों पर आप पार्टी ने 40 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि आम आदमी पार्टी के चुनाव मैदान में अकेले उतरने से क्या

अन्य राजनीतिक पार्टियों के लिए खतरे की घंटी है। सियासी जानकारों के मुताबिक भले ही आप पार्टी पूरी ताकत के साथ हरियाणा विधानसभा चुनावों में उतर चुकी है। लेकिन अभी भी वह कांग्रेस और भाजपा से काफी पीछे है। हरियाणा की अधिकतर सीटों पर भाजपा और कांग्रेस के बीच मुख्य मुकाबला होने की संभावना है। वहीं जननायक जनता पार्टी जैसे अन्य छोटे दल भी कुछ हद तक असर रखते हैं। लेकिन हरियाणा चुनाव में आप पार्टी की दावेदारी ने कई सीटों पर मुकाबले को दिलचस्प बना दिया है।

यही है कांग्रेस की मोहब्बत की दुकान, भारत के एक सपूत का अमेरिका में किया अपमान, पत्रकार मामले पर आया पीएम मोदी का बड़ा बयान

एजेंसी

नई दिल्ली: पत्रकार से बदसलूकी का मामला अब बढ़ता जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की तरफ से भी इसको लेकर प्रतिक्रिया सामने आ गई है। पीएम मोदी जम्मू कश्मीर के डोडा में रैली करने के लिए पहुंचे। इस दौरान उन्होंने अमेरिका में पत्रकार के साथ बदसलूकी के मुद्दे को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा है। इसके साथ ही उन्होंने भारत के बेटे का अमेरिका में अपमान बताया है। पीएम मोदी ने अमेरिका में पत्रकार के साथ हुई बदसलूकी पर सवाल उठाते हुए राहुल गांधी के मोहब्बत की दुकान के दावे पर

भी सवाल उठाए हैं। पीएम मोदी ने चुनावी रैली में कहा कि वे मोहब्बत की दुकान चलाने का दावा करते हैं। लेकिन हमारे देश के एक पत्रकार पर अमेरिका में कांग्रेस द्वारा बदसलूकी की गई। पीएम मोदी ने कहा कि भारत के एक सपूत का अमेरिका में अपमान किया गया। पीएम मोदी ने कहा कि ये लोग अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के चैंपियन होने का दावा करते हैं, वे क्रूरता में शामिल थे। दरअसल, इंडिया टुडे के वाशिंगटन स्थित संवाददाता रोहित शर्मा ने हैरतअंगेज खुलासा करते हुए जानकारी दी कि टेक्सास के डलास में राहुल गांधी की टीम द्वारा उन पर कैसे अटैक किया गया। पत्रकार ने दावा किया कि राहुल गांधी के सहयोगियों ने उनका फोन तक छीन लिया और बांग्लादेशी हिंदुओं पर हमलों के बारे में पूछे गए सवाल के फुटेज को जबरन डीलिट करने के लिए मजबूर किया।

भगवान का आशीर्वाद लेने हनुमान मंदिर जाऊंगा, केजरीवाल ने दी जानकारी, कर सकते हैं हरियाणा प्लान का खुलासा

एजेंसी

नई दिल्ली:तिहाड़ जेल से रिहा होने के एक दिन बाद, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आज हनुमान मंदिर जाएंगे। अरविंद केजरीवाल ने खुद इसकी जानकारी देते हुए कहा कि वो कनॉट प्लेस स्थित मंदिर में जाकर भगवान हनुमान का आशीर्वाद लेंगे। आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं और कार्यकताओं के साथ दोपहर 12 बजे मंदिर पहुंचने का कार्यक्रम है। केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आज दोपहर 12 बजे भगवान का शुक्रिया करने के लिए और उनका आशीर्वाद लेने के लिए कनॉट प्लेस स्थित हनुमान मंदिर जाऊँगा।जिसके बाद से अनुमान लगाया जाने लगा क दिल्ली के सीएम इस सभा के दौरान हरियाणा चुनाव और आने वाले दिनों के लिए अपनी योजनाओं का खुलासा कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट द्वारा जमानत दिए जाने के बाद बीते दिनों शाम को सीएम केजरीवाल को शुक्रवार को तिहाड़ जेल से रिहा कर दिया गया। तिहाड़ से केजरीवाल चांदगी राम अखाड़ा गए थे। गौरतलब है कि 13 सितंबर को तिहाड़ जेल से रिहा होने के बाद अरविंद केजरीवाल ने वंदे मातरम और भारत माता की जय के नारे लगाए। इसके बाद तिहाड़ जेल के बाहर से लोगों को संबोधित करते हुए लाखों करोड़ों लोगों का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा कि मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे में लोगों ने मन्नतें मांगी और दुआएं की। केजरीवाल ने कहा कि मेरे

उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने किया बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, 29 IAS अफसरों के तबादले!

सीपी सिंह लखनऊ के नए डीएम नियुक्त

एजेंसी

उत्तर प्रदेश : उत्तर प्रदेश सरकार ने शुक्रवार देर रात एक बार फिर प्रशासनिक फेरबदल करते हुए आईएएस अधिकारियों का बड़ा तबादला किया है। तबादलों का यह ताजा दौर 13 जिलों को प्रभावित करता है, जिसमें कई महत्वपूर्ण पदों का पुनर्आबंटन किया गया है। प्रशासनिक फेरबदल की प्रक्रिया में योगी सरकार इस वक्त काफी एक्टिव तरह से कार्य में जुटी हुई हैं। फेरबदल की कड़ी में एक बार फिर से बड़े परिवर्तन किए गये हैं। योगी आदित्यनाथ सरकार ने लखनऊ के जिलाधिकारी (डीएम) समेत 29 आईएएस अधिकारियों का तबादला कर दिया है। जानकारी के अनुसार कई अन्य जिलों के डीएम का भी तबादला किया गया है, जिसमें सीपी सिंह को लखनऊ का नया डीएम बनाया गया है,

जबकि निधि गुप्ता को अमरोहा का प्रभार दिया गया है।इन बदलावों में सबसे उल्लेखनीय है बुलंदशहर के जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) सीपी सिंह को लखनऊ का नया डीएम नियुक्त किया गया है। वे सूर्य पाल गंगवार की जगह लेंगे, जो पहले इस पद पर थे। इस फेरबदल में रवींद्र मंदर को प्रयागराज का डीएम बनाया गया है, जबकि दिनेश को जौनपुर का डीएम बनाया गया है। घनश्याम मीना को हमीरपुर का डीएम बनाया गया है। रवींद्र मंदर को प्रयागराज का डीएम और अरविंद बंगारी को आगरा का डीएम बनाया गया है। नवनीत चहल को आजमगढ़ का डीएम और रवींद्र सिंह को फतेहपुर का डीएम बनाया गया है।यूपी सरकार ने सभी स्थानांतरित अधिकारियों को बिना किसी देरी के अपने नए पदभार ग्रहण करने के लिए तत्काल निर्देश जारी किए हैं। यह फेरबदल राज्य में हो रहे प्रशासनिक बदलावों की व्यापक प्रवृत्ति का हिस्सा है, जिसमें हाल ही में यूपी पुलिस में भी तबादले और पोस्टिंग देखी गई है। मंगलवार को दस आईपीएस अधिकारियों को नई जिम्मेदारी मिली।

तेजस्वी यादव का प्रेस कॉन्फ्रेंस में मधुबनी सर्किट हाउस में: कहा बीजेपी वोट लेने में आगे जनता के कामों में पीछे

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव जनसंवाद यात्रा को लेकर मधुबनी पहुँचे

तेजस्वी यादव ने मधुबनी सर्किट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया से रूबरू होते हुए उन्होंने कहा कि अब बिहार के विशेष राज के दर्जा के लिए क्यों नहीं बात करतें है बिहार को केंद्र वेशष राज का दर्जा दे बजेपी जनता का वोट लेने के लिए है

बिहार में शराब बंदी नशा मुक्ति के लिए तो ठीक है

लेकिन शराब की होम डिलीवरी हो रही है कागजों पर तो शराब बंदी है लेकिन धरातल पर कोई शराबबंदी नहीं यह कैसी शराब बंदी शराब की होम डिलीवरी हो रही है

प्रेस कॉन्फ्रेंस में किए गए एक सवाल के जवाब में उन्होंने

प्रशांत किशोर पर टंस करते हुए उन्होंने कहा कि हर समय में इलेक्शन के दौर में कोई ना कोई पार्टी के लिए कोई काम करने वाला रखता है बस वही काम कर रहे हैं जन स्वराज

उन्होंने कहा कि पहले फेज में मधुबनी जनसंवाद यात्रा में आए है यहां पार्टी कार्यकताओं के साथ एक बैठक कि गई है '

कई मुद्दे पर बता की गई है

हमलोग सभी समुदाय और सभी लोगो को लेकर चलते हैं

राष्ट्रीय जनता दल के राज्यसभा सांसद डाङ्ग फैयाज अहमद

पूर्व मंत्री समीर कुमार महासेठ, रजद के मोहम्मद आसिफ संगठन मंत्री का

*मधुबनी सर्किट हाउस में: तेजस्वी के आभार यात्रा में

आयोजित प्रेस वार्ता में आज सर्किट हाउस मधुबनी में आयोजित की गई इस अवसर पर राज्यसभा सांसद डॉक्टर फैयाज अहमद, पुर्व मंत्री समीर कुमार महासेठ,

बुद्ध जीवी प्रकोष्ठ के मधुबनी जिला के जिला अध्यक्ष विष्णु देव यादव, मोङ्ग मेराज आलम, प्रवक्ताइंद्रजीत यादव, मोहम्मद महताब आलम, पूर्व जिला परिषद अजीत नाथ यादव, अब्दुल ह्दई, आलोक यादव, मोहम्मद असलम, मोहम्मद दानिश,

प्रवक्ता, एवं विधायक के वह बड़ी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता एवं उपस्थित थे '

बिहार के कार्यकताओं में सदस्यता अभियान को लेकर दिख रहा जोश और जुनून : बी एल वर्मा

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना, 14 सितंबर। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण केंद्रीय राज्य मंत्री बी एल वर्मा ने आज यहां कहा कि जिस तरह बिहार में सदस्यता अभियान को लेकर कार्यकताओं में जोश और जुनून दिख रहा है, उससे तय है कि सदस्य बनाने के मामले में न केवल हम लक्ष्य से आगे जाएंगे बल्कि पिछला रिकॉर्ड भी टूटेगा। वर्मा तीन दिनों तक बिहार के विभिन्न जिलों का दौरा करने के बाद आज पटना पहुँचे। उन्होंने भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि इस बार 10 करोड़ सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है लेकिन जिस तरह कार्यकताओं में उत्साह है उससे यह तय है कि हम लक्ष्य से बहुत आगे निकलेंगे।उन्होंने कहा कि 2014 में जब नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने थे तब उनके सामने कई चुनौतियां थी। उनके प्रधानमंत्री बनने के पहले देश की क्या हालत थी, किसी से छिपी नहीं थी। सभी ओर भ्रष्टाचार का बोलबाला था। प्रधानमंत्री ने उन चुनौतियों का मुकाबला किया और देश को विकास की पटरी पर ले आये। उन्होंने कहा कि सरकार ने गरीबों, महिलाओं, युवाओं, किसानों के लिए काम किए। नीति आयोग की रिपोर्ट बताती है कि देश मे 25 करोड़ लोग गरीबी के दलदल से बाहर निकल आये। उन्होंने कहा कि इसके साथ जनधन खाते खोले गए। उन्होंने कहा कि सदस्यता अभियान के तहत सभी वर्ग, सभी धर्म के लोग भाजपा से जुड़ रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी वह राजनीतिक दल है जो अपनी स्थापना के पहले दिन से ही प्रत्येक भारतीय के सशक्तिकरण और उत्थान के लिए समर्पित है। उन्होंने लोगों से राष्ट्रीय नवनिर्माण अभियान में सक्रिय भागीदार बनने और विकसित भारत के निर्माण में अपना अमूल्य योगदान देने के लिए भारतीय जनता पार्टी के सदस्य बनने की अपील की।आज के इस प्रेस वार्ता में बिहार के प्रदेश मीडिया संयोजक दानिश इकबाल, प्रवक्ता अरविंद कुमार, बिहार सदस्यता अभियान के सह प्रभारी लाजवंती झा, ओम प्रकाश भुवन, सह मीडिया प्रभारी रणवीर कुमार उपस्थित थे।

अवैध बालू के खनन के विरुद्ध चलाया गया विशेष समकालीन अभियान

पासिंग गैंग के 05 सदस्य को किया गया गिरफ्तार

ारिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

दिनांक- 12.09.24 को रात्रि में अवैध बालू के खनन/परिवहन/संग्रहण पर विशेष समकालीन अभियान पुलिस अधीक्षक, सारण के आदेश पर चलाया गया, जिसमे 12 ट्रक , 04 ट्रेक्टर जप्त करके कुल 06 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया एवं इस सम्बन्ध में विभिन्न थानों में कुल झ 13 प्राथमिकियां दर्ज की गई

छापेमारी के क्रम में यह आसूचना प्राप्त हुई थी कि कुछ पासिंग गैंग के द्वारा ट्रकों को पास करवाया जा रहा है प्राप्त आसूचना पर पुनः दिनांक -13.09.24 की रात्रि में पुलिस अधीक्षक सारण के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर-कके नेतृत्व में जिला एस० आई० टी० के साथ टीम गठित करके अवैध बालू परिवहन में संलिप्त पासिंग गैंग के विरूद्ध छापेमारी की गई जिसमें पासिंग गैंग के 05 सदस्य 1. राजकुमार सिंह पे० विजय सिंह सा० मेहरौली 2. मुकेश कुमार पे० जयकृष्ण राय सा० लोदीपुर 3 नीरज कुमार पे० लालदेव राय सा० लोदीपुर 4. निलेश कुमार पे० कामेश्वर प्रसाद सा० लोदीपुर 5. नीरज मांझी पे० स्व० लगन मांझी सा० चिरांद सभी थाना डोरीगंज जिला सारण को गिरफ्तार किया गया

गिरफ्तार उपरोक्त व्यक्तियों के पास से 04 मोबाईल बरामद हुए जिसके वाट्सएप्प चैट देखने से पता चलता है कि वाहन का रजिस्ट्रेशन नम्बर और फोटो प्राप्त करके इनके द्वारा अवैध बालू वाहनों को पास कराया जाता था और इसके लिए वाहन मालिको से रुपये लिए जाते थे

?जप्ती सूची का विवरण :-
ट्रक झ 12 , 2. ट्रेक्टर झ 04, 3.मोबाईल झ 04

?गिरफ्तार अभियुक्त का नाम एवं पता :-
1. राजकुमार सिंह पे० विजय सिंह सा० मेहरौली थाना-डोरीगंज जिला-सारण
2. मुकेश कुमार पे० जयकृष्ण राय सा० लोदीपुर थाना-डोरीगंज जिला-सारण
3 नीरज कुमार पे० लालदेव राय सा० लोदीपुर थाना-डोरीगंज जिला- सारण
`4. निलेश कुमार पे० कामेश्वर प्रसाद सा० लोदीपुर थाना-डोरीगंज जिला-सारण
5. नीरज मांझी पे० स्व० लगन मांझी सा०-चिरांद थाना-डोरीगंज जिला- सारण

मोदी 3.0 ने शुरूआती 100 दिनों में ही फिर से बिहार की प्रगति और विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता साबित की : डॉ. दिलीप जायसवाल

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पेश किए गए भारत के बजट में बिहार को 58,900 करोड़ रुपए की राशि आवंटित की गई है: डॉ. दिलीप जायसवाल

बिहार को संघ करों और शुल्कों की नेट प्रोसीड्स में कु ल लगभग 1,25,444 करोड़ मिले हैं : डॉ. दिलीप जायसवाल

बिहार की आधारभूत संरचनाओं को दुरुस्त करने के लिए मोदी 3.0 ने खोला खजाना : डॉ. दिलीप जायसवाल

सरकार के पहले 100 दिनों में बिहार को विशेष 'इनायत' देने पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जताया आभार

पटना, 14 सितंबर। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच शुरू से रही है कि सभी राज्यों के विकास के बिना विकसित भारत का सपना पूरा नहीं किया जा सकता है। इसी सोच का परिणाम है कि केंद्र की मोदी सरकार ने बिहार के लिए खजाना खोल दिया है। मोदी 1.0 और मोदी 2.0 की तरह ही मोदी 3.0 के शुरूआती 100 दिनों में ही एनडीए के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने बिहार की प्रगति और विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता साबित कर दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 9 जून को तीसरी ब प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी।मोदी 3.0 सरकार के 100 दिन पूरा होने पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पेश किए गए भारत के बजट में बिहार को 58,900 करोड़ रुपए की राशि आवंटित कर यह पुष्टि कर दी कि बिहार का विकास केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता का एक हिस्सा है। इसी तरह बिहार को संघ करों और शुल्कों की नेट प्रोसीड्स में कुल लगभग 1,25,444 करोड़ रुपये मिले है।यही नहीं आँकड़ो पर गौर करें तो बिहार को पूंजीगत व्यय/निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता के अंतर्गत 2023-24 में 8,814 करोड़, 2022-23 में 8,455 करोड़, 2021-22 में 1,246 करोड़, 2020-21 में 843 करोड़ जारी किया गया था, जो बिहार के विकास में मील का पत्थर साबित हो रहा है।उन्होंने कहा कि माना जाता है कि किसी भी प्रदेश का विकास वहां की सड़कों से मापा जा सकता है। आम बजट में बिहार को विकास की मार्ग पर तीव्र गति से अग्रसर करने के लिए तीन एक्सप्रेस-वे को मंजूरी दी गई है। सड़क परियोजनाओं के लिए 26 हजार 710 करोड़ रुपए की स्वीकृति केंद्र द्वारा की गई है, जो अब तक की सर्वाधिक राशि है। पटना में 2007 करोड़ रुपये लागत की 13 किलोमीटर एलिवेटेड सड़क को स्वीकृति दी है। भागलपुर में गंगा पर 2549 करोड़ रुपये की लागत से 26 किमी लंबी विक्रमशिला- कटरिया न्यू डबल लाइन के साथ ब्रिज की मंजूरी मिली है।इसके अलावा अंतर्गत पटना-पूर्णिया एक्सप्रेस-वे, बक्सर-भागलपुर एक्सप्रेस-वे, बोधगया- राजगीर-वैशाली- दरभंगा एक्सप्रेस-वे के साथ साथ बक्सर में गंगा पर एक और दो लेन पुल का निर्माण होगा। बजट में इंफ्रास्ट्रक्कर पर खास ध्यान दिया गया है जिसके तहत नए हवाई अड्डों, नए अस्पतालों (कम से कम दो नए मेडिकल कॉलेज), नई खेल संरचनाओं के विकास के लिए पैसा मिलेगा।यही नहीं बिहार को स्वावलम्बी बनाने तथा रोजगार व स्व-रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए गया, भागलपुर और पटना में टेक्सटाइल इंडस्ट्री को कैबिनेट द्वारा मंजूरी दी गई।

महामहिम महावाणिज्यदूत श्री सतीश कुमार सीवन ने प्राइवेट स्कूल्स एंड चिल्ड्रन वेलफेयर एसोसिएशन के प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन दुबई में किया।

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

छपरा: महामहिम महावाणिज्यदूत श्री सतीश कुमार सीवन ने डॉन बोस्को एकेडमी पटना की प्रचार्या मैरी अल्फोंसा को सर्वश्रेष्ठ अंतराष्ट्रीय प्राचार्या के पुरुस्कार से सम्मानित किया।

प्राइवेट स्कूल्स एंड चिल्ड्रन वेलफेयर एसोसिएशन के 4 दिवसीय प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन दुबई के पांच सितारा होटल हयात पैलेस में 14 सितंबर को दुबई और उत्तरी अमीरात में भारत के महामहिम महावाणिज्यदूत श्री सतीश कुमार सीवन, एवम सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सैयद शमायल अहमद ने संयुक्त रूप से किया।इस मौके पर डॉन बॉस अकादमी, पटना की प्रचार्या मैरी अल्फोंसा को सर्वश्रेष्ठ अंतराष्ट्रीय प्राचार्या के पुरुस्कार से महामहिम के हाथो सम्मानित किया गया।

इस 4 दिवसीय प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में दुबई समेत देश भर के 100 निदेशको एवम प्राचार्यो ने भाग लिया साथ ही न्यू एजुकेशन पॉलिसी के अंतर्गत गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रणाली पर महावपूर्ण जानकारी सांझा करते हुए विभिन्न देशों की शिक्षा व्यवस्था, तकनीक एवम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर विस्तार से चर्चा हुई।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महावाणिज्यदूत श्री सतीश कुमार सीवन ने देश भर से आए हुए निदेशकों एवम संचालकों को प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने एवम राष्ट्रीय अध्यक्ष को इस भव्य सम्मेलन को आयोजित करने के लिए बहुत बहुत बधाई दी।महामहिम ने दोनो देशों के बीच शिक्षा व्यवस्था को और भी सुचारू ढंग से चलाने हेतु कई गंभीर बातें कही जिसमे उन्होंने सभा में उपस्थित देश भर के विद्यालय संचालकों को एजुकेशन एक्सचेंज प्रोग्राम के बारे में बताते हुए कहा के इस प्रकार के एजुकेशनल कांफ्रेंस के माध्यम से दोनो देशों के बीच एक मजबूत रिश्ता बनेगा जिससे शिक्षा जगत में काफी बदलाव एवम सुधार होगा।एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सैयद शमायल अहमद एवम कीर्ति के निदेशक श्री हिमांशु सिंह ने महामहिम को शॉल, बुके एवम भारतीय स्मृति चिन्ह देकर अपना बहुमूल्य समय देने हेतु स्वागत करते हुए धन्यवाद किया। और दुबई समेत देश भर से आए हुए 100 निदेशको एवम प्राचार्यो को प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की सफलता के लिए बधाई देते हुए प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के द्वारा नई शिक्षा नीति को पूर्ण रूप से लागू करने के लिए सभी को सहयोग करने का आग्रह किया एवम इस सम्मेलन में यह भी निर्णय लिया गया के प्रतिवर्ष विभिन्न देशों में इस प्रकार का एजुकेशनल कांफ्रेंस कर विभिन्न देशों की शिक्षा व्यवस्था।

बहाई उपासना मंदिर (कमल मंदिर) से संबंधित कुछ तथ्य,

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

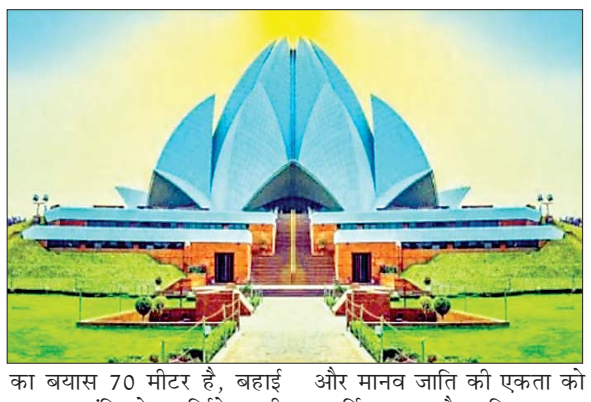

कालकाजी दिल्ली, बहाई उपासना मंदिर से संबंधित कुछ तथ्य इस प्रकार से है कि बहाई उपासना मंदिर के लिए जमीन 1953 में खरीदी गई थी, बहाई उपासना मंदिर की जमीन का क्षेत्रफल 26.6 एकड़ है, जमीन से बहाई उपासना मंदिर की ऊंचाई 34.27 मीटर है, बहाई उपासना मंदिर में 1300 लोगों के बैठने की व्यवस्था है, बहाई उपासना मंदिर की पंखुड़ियो की संख्या 27 है, बहाई उपासना मंदिर की पंखुड़ियां सफेद कंक्रीट से बनी है पंखुड़ियां के बाहर की तरफ सफेद ग्रीक संगमरमर जड़े हुए हैं, बहाई उपासना मंदिर में कुल तालाबों की संख्या 9 है, बहाई उपासना मंदिर का बयास 70 मीटर है, बहाई उपासना मंदिर के आर्किटेक्ट श्री फरिबुर्ज साहब जी थे, बहाई उपासना मंदिर 21 अप्रैल 1980 को इसका निर्माण शुरू किया गया था और 24 दिसंबर 1986 को ईश्वर की एकता ,धर्म की एकता और मानव जाति की एकता को समर्पित इसका औपचारिक उद्घाटन हुआ, बहाई उपासना मंदिर का निर्माण भारत के बहाई समुदाय और साथ ही दुनिया भर से बहाईयों के मिले स्वैच्छिक योगदान से किया गया है,

माँ और मातृभाषा के लिये कोई एक दिवस नहीं, हर दिन उत्सव के समान समाहरणालय सभागार में हिंदी दिवस समारोह का आयोजन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

सारण, छपरा 14 सितंबर, 2024 हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी दिवस समारोह-2024 का आयोजन समाहरणालय सभागार में किया गया। समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर अपर समाहार्त्ता शम्भू शरण पांडे ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदी विश्व में तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। उन्होंने कहा कि 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा हिंदी को राजभाषा के रूप में अंगीकृत किया गया। इस लिये इस दिन को हम हिंदी दिवस के रूप में मनाते हैं। देश विदेश के कई विश्वविद्यालयों में हिंदी भाषा की पढ़ाई होती है। आने वाले दिनों में मेडिकल एवं इंजीनियरिंग की पढ़ाई भी हिंदी भाषा में शुरू हो जायेगी। अनुमंडल पदाधिकारी सदर ने अपने संबोधन में कहा कि आमलोगों से संवाद एवं उनकी भावना को समझने में हिंदी भाषा की महत्वपूर्ण भूमिका है।

उपनिर्वाचन पदाधिकारी जावेद एकबाल, जिला शिक्षा पदाधिकारी विद्यानन्द ठाकुर, निदेशक डीआरडीए (एन इ पी) सुमिता कुमारी, जिला कला संस्कृति पदाधिकारी विभा भारती सहित अन्य पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन सामान्य शाखा प्रभारी जेबा अर्शी ने किया।

रोजगारपरक शिक्षा पर विशेष ध्यान दें बेटियां: मधुबनी जिलाधिकारी

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

रोजगारपरक शिक्षा पर विशेष ध्यान दें बेटियां: मधुबनी जिलाधिकारी

ङ्ग विश्व साक्षरता दिवस पर महिला एवं बाल विकास निगम के तत्वाधान में एकदिवसीय कार्यशाला का डीआरडीए सभागार में हुआ आयोजन.

ङ्ग कार्यशाला में पेंटिंग व भाषण प्रतियोगिता का हुआ आयोजन.

ङ्ग कार्यक्रम में जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने उपस्थित छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि छात्राएं इंटरनेट और मोबाइल का सदुपयोग करें. पढ़ाई से ब्रेक के दौरान शारीरिक अभ्यास करें तथा पाठ्यक्रम का नियमित रिवीजन करें.

जिले के डीआरडीए सभागार में महिला एवं बाल विकास निगम के तत्वाधान में एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने जिले की छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि बेटियां नियमित शिक्षा के साथ-साथ रोजगारपरक शिक्षा पर विशेष ध्यान दें. बेटियों का शिक्षित और आर्थिक रूप से स्वावलंबी होना समाज को मजबूती प्रदान करता है. जिले की बेटियों ने हर क्षेत्र में अपना परचम लहराया है. शिक्षा विभाग बेटियों की पढ़ाई, रोजगार, शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को विशेष ध्यान में रखते हुए अपनी आधारभूत संरचना को निरंतर सुदृढ़ कर रहा है. छात्राएं भी पढ़ाई की उम्र में इंटरनेट और मोबाइल का सदुपयोग करें. मोबाइल का इस्तेमाल अपनी शिक्षा को रोजगारपरक बनाने में करें. इंटरनेट के माध्यम से नई भाषा सीखें, टाइपिंग, इंग्लिश स्पीकिंग, विभिन्न तरह की कलाओं को सीखने का प्रयास करें. छात्राएं पढ़ाई से ब्रेक के दौरान शारीरिक अभ्यास करें तथा पाठ्यक्रम का नियमित रिवीजन करें. कितना भी कठिन पाठयक्रम हो, नियमित अभ्यास से उसको आसान बनाया जा सकता है. बच्चियां अपने मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखें.

हिन्दी दिवस के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

ताजपुर / समस्तीपुर जले के ताजपुर नगर परिषद क्षेत्र के डॉ0 एल0 के0 वी0 डी0 कॉलेज में हिंदी दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया । जिसकी अध्यक्षता माननीय प्राचार्य डॉ. प्रभात रंजन कर्ण ने किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ.विनीता कुमारी एवं सह-संयोजक डॉ. मनोज कुमार सिंह ने किया। मुख्य वक्तव्य डॉ. अखिलेश कुमार ने दिया।

इस मौके पर डॉ. प्रभात रंजन कर्ण ने कहा कि हिंदी को व्यापक स्तर पर व्यवहार में लाना चाहिए। जिससे हिंदी का प्रचार प्रसार हो सके। हिंदी तेजी से संपर्क भाषा के रूप में विश्व स्तर पर अपनी पहचान बना रही है।

डॉ. विनीता कुमारी ने कहा कि हिंदी स्वतंत्रता की लड़ाई की भाषा है जो राजनीतिक वैमनस्य के कारण स्वयं परतंत्रत हो गई है।

मुख्य वक्ता डॉ. अखिलेश कुमार ने कहा कि हिंदी देश की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक है। हिंदी आत्मा की भाषा है, संवेदना की भाषा है, हृदय की भाषा है, प्रेम की भाषा है। हिंदी भाषा को व्यवहार में लाकर समृद्ध करने में अपना योगदान दिया जा सकता है। प्रत्येक क्षेत्र में हिंदी में कार्य करके हम हिंदी को व्यापक स्तर पर समृद्ध कर सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मनोज कुमार ने किया।इस कार्यक्रम में सम्मानित शिक्षक डॉ. जगदीश प्रसाद वैश्यंत्री डॉ. विनीता कुमारी, श्री निशिकांत जायसवाल, श्री रजत दास, ,,डॉ. मनोज कुमार, डॉ.मुकुंद कुमार, डॉ. सुप्रिया रंजन, डॉ प्रियंका रंजन, डॉ. राशदा अमजदी,डॉ.हरिमोहन प्रसाद सिंह,डॉ. , डॉ.कुमारी सुषमा सरोज, ,डॉ. दुर्गा पटवा, डॉ. शहनाज आरा, डॉ. अनिल शर्मा, मौजूद रहें। साथ ही बड़ी संख्या में शिक्षकेत्तर कर्मी एवं विद्यार्थी भी मौजूद रहे।

अंतजार्तीय विवाह योजना के तहत 4 को एक एक लाख दिए गए

मो. सदरे आलम नोमानी

सीतामढ़ी: डीएम रिची पाण्डेय ने अपने कार्यालय कक्ष में जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग सीतामढ़ी अंतर्गत संचालित मुख्यमंत्री अंतजार्तीय विवाह योजना के तहत कुल चार विवाहित दम्पति को प्रोत्साहन राशि दिया। -1.रूबी कुमारी ६/ङ्ग राजेश साह 2. ज्योति कुमारी ६/ङ्ग रणधीर कुमार 3. स्वीटी कुमारी ६/ङ्ग अमृत कुमार 4. चांदनी कुमारी ६/ङ्ग राहुल कुमार गौरतलब हो कि बिहार सरकार द्वारा अंतरजातीय विवाह करने वाली महिला को आर्थिक दृष्टि से सम्बल बनाने के लिए एक लाख रुपये मात्र का अनुदान के रूप में प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दिया जाता है । स्वीकृत अनुदान राशि विवाह सम्पन्न होने के बाद तीन महीने के भीतर सम्बंधित वधू को अधिकतम परिपक्वता राशि देने वाले राष्ट्रीयकृत बैंक में सावधि जमा प्रमाण पत्र के माध्यम से भुगतान किया जाता है। ।

जनता से किया हर वादा पूरा करती है भाजपा : सम्राट चौधरी

18 से 25 वर्ष के पौने दो करोड़ नवमतदाता का बढ़ रहा भाजपा की ओर रूझान : डॉ रणवीर नंदन

विशेष संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना/14 सितंबर 2024।। उपमुख्यमंत्री सह भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा कि भाजपा एक कमिटेड पार्टी है और वह जनता से जो वादा करती है उसे पूरा करती है। भाजपा ने धारा 370 हटाने व राममंदिर बनाने का वादा किया जिसे ससमय पूरा किया। सम्राट चौधरी शनिवार को मतदाता जागरण मंच की ओर से कुम्हार विधानसभा स्थित, बाजार समिति ,में सदस्यता अभियान की शुरूआत कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा , एनडीए की सरकार में बिहार में विकास तेज हुआ है। अभी पटना एयरपोर्ट से 34 लाख लोग साल भर में यात्रा करते हैं, मगर अब एयरपोर्ट के विकास बाद यह आकड़ा एक करोड़ के पार हो जायेगा। अब राजधानी में सगुना मोड़ से बैरिया तक

जल्द ही मेट्रो की सुविधा आरंभ होने वाली है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कारण भारत का मान बढ़ा है और अब भारत यूक्रेन व रूस की लड़ाई के बीच मध्यस्थता कर रहा है। उन्होंने कहा कि सबका साथ सबका विकास के साथ भाजपा काम कर रही है सबलोग भाजपा का सदस्य बनकर देश को ताकतवर बनायें। इस मौके पर भाजपा के वरीष्ठ नेता पूर्व विधान पार्षद डॉ रणवीर नंदन ने कहा कि भाजपा के सदस्यता अभियान को लेकर युवा, छात्र महिला, किसान सहित समाज के सभी वर्गों में उत्साह है,और लोग बहुत बड़ी संख्या में भाजपा से जुड़कर देश सेवा में योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 18 से 25 वर्ष के युवा की आबादी लगभग पौने दो करोड़ है, और इस आयुवर्ग के लोगों का पीएम प्रति विश्वास है। काफी संख्या में कॉलेज,विश्वविद्यालय का यह छात्र,युवा वर्ग भाजपा के सदस्य बन रहें हैं। उन्होंने कहा कि राजधानी पटना में सदस्यता अभियान ऐतिहासिक होगा। इस मौके पर कार्यक्रम की अध्यक्षता पटना महानगर के अध्यक्ष अभिषेक कुमार, संचालन विक्की निषाद, ने किया। इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष संजय खंडेलिया, प्रदेश मंत्री रत्नेश कुशवाहा, पूर्व उपमहापौर रूप नारायण मेहता, वार्ड पार्षद संजीव गुप्ता, राजेश कुमार,अनिल कुमार, रॉकी कुमार, मौजूद थे । सदस्यता अभियान में हिमांशु कुमार,अमर सिंह रीता देवी, रीना देवी कमलेश कुमार, नंदन कुमार, मनीष कुमार शाह सहित बड़ी संख में महिला, एवं युवा वर्ग के लोग शामिल हुए।

अंतजार्तीय विवाह योजना के तहत 4 को एक एक लाख दिए गए

मो. सदरे आलम नोमानी

सीतामढ़ी: डीएम रिची पाण्डेय ने अपने कार्यालय कक्ष में जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग सीतामढ़ी अंतर्गत संचालित मुख्यमंत्री अंतजार्तीय विवाह योजना के तहत कुल चार विवाहित दम्पति को प्रोत्साहन राशि दिया। -1.रूबी कुमारी ६/ङ्ग राजेश साह 2. ज्योति कुमारी ६/ङ्ग रणधीर कुमार 3. स्वीटी कुमारी ६/ङ्ग अमृत कुमार 4. चांदनी कुमारी ६/ङ्ग राहुल कुमार गौरतलब हो कि बिहार सरकार द्वारा अंतरजातीय विवाह करने वाली महिला को आर्थिक दृष्टि से सम्बल बनाने के लिए एक लाख रुपये मात्र का अनुदान के रूप में प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दिया जाता है ।स्वीकृत अनुदान राशि विवाह सम्पन्न होने के बाद तीन महीने के भीतर सम्बंधित वधू को अधिकतम परिपक्वता राशि देने वाले राष्ट्रीयकृत बैंक में सावधि जमा प्रमाण पत्र के माध्यम से भुगतान किया जाता है।। जिसकी अवरुद्धता अवधि तीन वर्ष की होती है । उक्त अवसर पर सहायक निदेशक लाल कृष्णा राय, उपस्थित थे

बिहार में दूध, अंडा, मांस और मछली का बढ़ा उत्पादन, रोजगार के साथ बढ़ी कमाई; कृषि मंत्री ने दी जानकारी

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बिहार के स्वास्थ्य व कृषि मंत्री मंगल पांडेय ने कहा है कि राज्य में पिछले 10 साल में दूध, अंडा, मांस व मछली का उत्पादन बढ़ा है। दूध में 160, अंडा में 207, मांस में 120 और मछली उत्पादन में 193 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। इससे रोजगार के साथ ही लोगों की आय बढ़ी है। शनिवार को वे ज्ञान भवन में तीन दिवसीय पॉल्ट्री व एक्वा एक्सपो के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 2023-24 में राज्य में मछली उत्पादन 8.73 लाख टन हुआ। 2005 के पहले उत्पादन बहुत ही कम था। लोगों को ताजा मछली खाने मिल रही है। मछली खाने से शारीरिक स्वास्थ्य के साथ ही बुद्धि भी बढ़ती है।पशु व मत्स्य संसाधन मंत्री रेणु देवी ने कहा कि चौथे कृषि रोडमैप के तहत वर्ष 2023 से 28 तक पशु व मत्स्य संसाधन विकास के लिए 3 हजार करोड़ का प्रावधान है।

राज्य में 207 हैचरी से जरूरत का 70 फीसदी मछली बीज उत्पादन हो रहा है। मछली उत्पादन में हम आत्मनिर्भर हो गए हैं। अब सालाना 38 हजार टन मछली दूसरे राज्यों को भेजी जा रही है। विभाग की प्रधान सचिव डॉ. एन. विजयलक्ष्मी ने कहा कि दूध, मांस, मछली और अंडा उत्पादन से 85 से 90 हजार करोड़ मिलता है। इसे बढ़ा कर सालाना 2 लाख करोड़ किया जा सकता है।मौके पर मछली पालन योजना के लिए लाभार्थियों को चेक दिए गए। आइस कंटेनर युक्त 25 साइकिल भी लाभुकों को दी गई। मौके पर मत्स्य निदेशक अभिषेक कुमार, बीएयू के कुलपति डॉ. डीआर सिंह और संयुक्त मत्स्य निदेशक दिलीप कुमार सिंह मौजूद थे।

पूर्वी चंपारण के कटहा निवासी डाक्टर शंभू शरण प्रसाद नही रहे,

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मोतिहारी,14 सितंबर कटहा गांव के मूल निवासी तथा सुगौली के जाने माने चिकित्सक डॉङ्ग कौशल्या केसरी के पति डॉङ्ग शम्भू शरण प्रसाद अब इस दुनिया मे नही रहे, हृदय रोग से उनकी मृत्यु हुई। उनका निधन सुगौली वासियों के लिए एक अपूरणीय क्षति है।गौरतलब है कि डाक्टर शंभू अति संवेदनशील और व्यवहारकुशल चिकित्सक थे।गरीब मरीजो के लिए वे मसीहा थे।पत्नी कौशल्या केसरी के साथ सुगौली मे अपना नर्सिंग होम चलाते थे।मृत्यु की खबर से सुगौली और मझौलिया के साथ मूल गांव कटहा मे शोक की लहर दौड गई।काफी लोगो ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि दी।चंपारण के महान स्वतंत्रता सेनानी स्व, कमलाकांत गुप्ता जी व स्वतंत्रता सेनानी आश्रित श्रीमती माया देवी के इकलौता दामाद डाक्टर

शंभू शरण को श्रद्धांजलि देते हुए स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी परिवार संगठन के संयोजक अशोक वर्मा ने कहा कि डॉक्टर शंभू प्रसाद को मैं बाल्यकाल से जानता हूं वे अति गंभीर एवं समाज के दर्द को सीने में लेकर चलने वाले व्यक्ति थे उनकी मृत्यु खासकर गरीब मरीजों को लिए एक बड़ी नुकशान है यद्यपि उनकी पत्नी श्रीमती डॉक्टर केसरी अपने पति के नक्शे कदम पर चलती हैं फिर भी डॉक्टर शंभू प्रसाद की कमी हमेशा खेलेगी। स्वतंत्रता सेनानी संगठन के जिला अध्यक्ष श्रीकिशोर पांडे ने कहा कि डॉक्टर शंभू जी बड़े ही नेक दिल इंसान थे अचानक उनका जाना हमें बहुत ही दुख दे गया। शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में पूर्व मंत्री ब्रजकिशोर सिह, शिवकुमार यादव ,गामा सिंह,सेनानी उत्तराधिकारी परिवार के वरिष्ठ सदस्य एव सेनानी संगठन के जिला उपाध्यक्ष कौशल किशोर पाठक ,सचिव राजकिशोर प्रसाद,राजकुमारी गुप्ता, पूर्व प्राचार्य शशि कला, इंजीनियर रत्नेश, चंचल कुमार ,किशोरी प्रसाद ,डॉक्टर आरएन सिह,आदि है , सुगौली के वरिष्ठ पत्रकार हीरा लाल,श्याम किशोर सर्राफ ने कहा कि शंभू जी का सबसे हंसता, मुस्कुराता चेहरा से मिलते थे।वे अति व्यवहार कुशल, व्यक्ति थे। अखिल भारतीय स्वतंत्रता सेनानी संगठन व अखिल भारतीय स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकार संगठन पूर्वी चंपारण के काफी सदस्यो ने उनको श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

बिहार राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग का गठन, कौन बना अध्यक्ष; भाजपा के यह नेता बने सदस्य

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बिहार सरकार ने शनिवार को अध्यक्ष समेत सात सदस्यीय बिहार राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग गठित कर दिया है। वरिष्ठ जदयू नेता डॉ. अमरदीप इस आयोग के अध्यक्ष बनाये बनाए गए हैं। जबकि, आयोग के सदस्य के रूप में छह लोगों का मनोनयन किया गया है इनमें पटना के डॉ. हुलेश मांझी, मधुबनी की संगीता ठाकुर, समस्तीपुर की ज्योति कुमारी, पटना की शीला पंडित प्रजापति, बांका के डॉ. सुग्रीव दास एवं वैशाली के राकेश सिंह शामिल हैं। शनिवार को समाज कल्याण विभाग ने अध्यक्ष एवं सदस्यों के मनोनयन की अलग-अलग अधिसूचना जारी की है।जानकारी के अनुसार बिहार राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष डॉ. अमरदीप के अलावा तीन सदस्य डॉ. हुलेश मांझी, संगीता ठाकुर एवं ज्योति कुमारी जदयू से संबद्ध रहे हैं। जबकि, भाजपा कोटे से शीला पंडित प्रजापति, डॉ. सुग्रीव दास एवं राकेश सिंह को आयोग का सदस्य मनोनीत किया गया है।

ब्रीफ न्यूज

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सिवान सिसवन ढाला पर आर ओ बी निर्माण कराने के लिए सांसद विजयलक्ष्मी देवी ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर डीपीआर (डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट) को बिहार स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन को फॉरवर्ड कराने का पत्र सौंपा ताकि आगे की कार्यवाही हो सके साथ में जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा भी मौजूद रहें

मधुबनी हिंदी दिवस के अवसर पर हिन्दी विकास परिषद एवं जिला राज भाषा कोषांग के तत्वधान में हिन्दी दिवस सामारोह का हुआ आयोजन।

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

हिंदी दिवस के अवसर पर हिन्दी विकास परिषद एवं जिला राज भाषा कोषांग के तत्वधान में हिन्दी दिवस सामारोह का हुआ आयोजन।

राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने में हिन्दी की अपनी महत्वपूर्ण भूमिका--जिलाधिकारीहिन्दी दिवस के अवसर पर हिन्दी विकास परिषद एवं जिला राज भाषा कोषांग के तत्वधान में विकास भवन के सभागार में हिन्दी दिवस सामारोह का आयोजन किया गया सामारोह के मुख्य अतिथि जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने दीप प्रज्जवलित कर सामारोह का विधिवत शुभारंभ किया। जिलाधिकारी ने हिन्दी दिवस की शुभकामनाए देते हुए कहा कि आज हिन्दी विश्व की तीसरी सबसे बडी भाषा के रूप में स्थापित है। उन्होने कहा कि राष्टीय एकता को बढ़ावा देने में हिन्दी की अपनी महत्वपूर्ण भुमिका है। हिन्दी राष्ट्र भाषा ही नहीं बल्कि राष्ट्र के संस्कृति का सम्वाहक भी है। भाषा के औचित्य आधुनिक समय में भी बना रहे, इस दिशा में हमें लगातार कार्य करने कि अवाश्यकता है। उन्होने कहा कि आज हिन्दी दिवस पर हिन्दी को सरोकार, रोजगार एवं ज्ञान की भाषा बनाने का संकल्प हमें लेना चाहिए।

उप विकास आयुक्त दीपेश कुमार ने कहा कि आज का दिन भारत की आधिकारीक भाषा के रूप में हिन्दी को अपनाने का प्रतिक है जो 14 सितम्बर आज ही के दिन को संविधान सभा द्वारा लिया गया निर्णय था। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राजेश कुमार पाण्डेय ने सभी आगत अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि आज का दिन भाषा का विकास एवं प्रगति का संकल्प का दिन है। उन्होने कहा कि हिन्दी हिन्दुस्तान का संस्कार है। जिलाधिकारी द्वारा प्रसिद्ध साहित्यकार श्री ज्योति रंजन झा एवं श्री मिथलेश सिंह को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में डॉ नरेन्द्र नारायण सिंह निराला, सुरेश जी, आनन्द मोहन झा, संजीव कुमार आदी ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन उदय जयसवाल ने किया। उक्त कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त दीपेश कुमार, अपर समाहर्ता आपदा संतोष कुमार , अपर समाहर्ता विभागीय जाच नीरज कुमार, उप निदेशक जनसम्पर्क परिमल कुमार , वरीय उप समाहर्ता शशी कुमार, निदेशक, डी0आर0डी0ए0 सहित कई अधिकारी एवं जिले के कई सम्मानित साहित्यकार आदी उपस्थित थे।

संजीव हंस और गुलाब यादव पर कसा शिकंजा, रश्व दर्ज कर सकती है एफआईआर, करोड़ों की संपति हुई जब्त

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

राज्य सरकार ने आय से अधिक संपत्ति (डीए) और पद का दुरुपयोग कर अवैध कमाई करने के मामले में आईएएस अधिकारी संजीव हंस, पूर्व विधायक गुलाब यादव समेत अन्य पर शिकंजा कस दिया है। इनके खिलाफ विशेष निगरानी इकाई (एसवीयू) मंगलवार को एफआईआर दर्ज कर सकती है। इसके लिए राज्य सरकार ने हरी झंडी दे दी है।जांच एजेंसी सूत्रों के अनुसार एफआईआर में संजीव हंस एवं उनकी पत्नी, संजीव हंस के पिता, पूर्व विधायक गुलाब यादव, उनकी पत्नी विधान पार्षद अंबिका गुलाब यादव, बेटी बिन्दु गुलाब यादव तथा सुनील सिन्हा समेत 14 से अधिक लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया जा रहा है। इन सभी पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम (पीसी एक्ट), भारत न्याय संहिता समेत अन्य सुसंगत धाराओं के तहत आरोप गठित किया गया है। बताया जा रहा है कि एफआईआर में उस वकील महिला का भी नाम है, जिनके बयान पर संजीव हंस और गुलाब यादव के खिलाफ यौन शोषण का मामला दर्ज हुआ था। इस महिला के खाते से भी आईएएस अधिकारी समेत अन्य के साथ लेनदेन की बात सामने आई है।1997 बैच के आईएएस अधिकारी संजीव हंस समेत एक दर्जन से अधिक नामजद अभियुक्तों पर मामला दर्ज करने से पहले गृह विभाग ने राज्य के महाधिवक्ता से मंतव्य मांगा था। महाधिवक्ता और विधि विभाग से अनुमोदन प्राप्त होने पर एफआईआर की प्रक्रिया शुरू की गई है। गौरतलब है कि एसवीयू के एडीजी नैयर हसनैन खान केंद्र प्रतिनियुक्ति पर चले गए और उन्हें शनिवार को विरमित कर दिया गया। उनके स्थान पर नए एडीजी पंकज कुमार दारद ने पदभार संभाल लिया है। पदभार संभालते ही यह पहला बड़ा केस उनके महकमा में दर्ज होने जा रहा है।ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धारा-66(2) का प्रयोग करते हुए आईएएस अधिकारी संजीव हंस और पूर्व विधायक गुलाब यादव समेत अन्य के खिलाफ डीए समेत अन्य सुसंगत मामलों में मुकदमा दर्ज करने की सिफारिश राज्य सरकार से की थी। इसे लेकर ईडी मुख्यालय ने बिहार के डीजीपी और एसवीयू के एडीजी को 28 अगस्त को पत्र लिखा था। करीब 13 पेज के इस पत्र में आईएएस अधिकारी और जन प्रतिनिधि समेत इनसे जुड़े अन्य सभी लोगों के खिलाफ अवैध संपत्ति से संबंधित पूरा ब्योरा प्रस्तुत किया है। इस पत्र के साथ इनकी काली कमाई और अवैध संपत्ति से जुड़े साक्ष्य दिए गए हैं। इसके बाद राज्य सरकार ने एफआईआर की कवायद शुरू की है।पीएमएलए की धारा 66(2) के अंतर्गत भेजे गए सभी साक्ष्य ईडी ने अपनी सघन जांच के बाद पाया है। इसके आधार पर राज्य की एजेंसी को इन दोनों के साथ ही इनसे जुड़े अन्य लोगों के बारे में डीए की धाराओं के अंतर्गत मुकदमा दर्ज करना अनिवार्य हो जाता है। क्योंकि धारा-66(2) को लेकर कुछ वर्ष पहले सुप्रीम कोर्ट ने विजय मदन लाल चौधरी के एक मामले की सुनवाई में पारित आदेश में कहा था कि ईडी के स्तर से ऐसे साक्ष्य प्रस्तुत करने पर जांच एजेंसी को मुकदमा कर कार्रवाई करनी अनिवार्य होगी।

गया में आत्म श्राद्ध की परंपरा

बिहार। के गया में आत्म श्राद्ध यानी कि खुद का पिंडदान किया जाता है। आत्म श्राद्ध के लिए गया जी धाम में एक विशेष स्थान और मन्दिर है। इस मंदिर में भगवान विष्णु जनार्दन स्वामी के रूप में पिंड का ग्रहण करते हैं। इसके अलावा आत्म पिंडदान का प्रावधान कहीं भी नहीं है। आत्म श्राद्ध के बारे में पूरी जानकारी गया जी धाम तीर्थ के पंडा छोटू लाल बारीक ने दी। उन्होंने जिंदा रहते हुए पिंडदान करने की पूरी विधि के बारे में बताया। इसके अलावा उस मंदिर और उसकी विशेषताओं की भी जानकारी दी जहां कोई व्यक्ति जीते जी करें खुद का पिंडदान कर सकता है। गया जी धाम तीर्थ के पंडा छोटू लाल बारीक का कहना है कि माना जाता है कि आत्म पिंडदान करने वाले को परलोक में जने के बाद उसे मोक्ष की प्राप्ति हो जाती है। गया स्थित मां मंगला-गौरी मंदिर के परिसर स्थित भगवान जनार्दन मंदिर वह स्थान है, जहां कोई भी जीवित व्यक्ति स्वयं का पिंडदान और श्राद्ध कर सकता है। बताया कि जिस व्यक्ति के पास मृत्यु संस्कार करने वाला कोई नहीं है। वो यहां जीवित रहकर अनुष्ठान कर सकता है। भगवान जनार्दन मंदिर गया के भस्म कूट पर्वत के ऊपर मां मंगला गौरी मंदिर के उत्तर में स्थित है। कहा जाता है कि यहां भगवान विष्णु जनार्दन स्वामी के रूप में पिंड ग्रहण करते हैं। आत्म पिंडदान करने वाले को परलोक में जाने के बाद उसे मोक्ष की प्राप्ति हो जाती है। गया जी में वर्तमान में 45 पिंड वेदी और 10 से अधिक तर्पण स्थल है। जहां पर पितरों का पिंडदान किया जाता है। पण्डा छोटूलाल बारीक का कहना है कि, पूरे विश्व में जनार्दन मंदिर वेदी एक मात्र ऐसा स्थल है, जहां आत्म श्राद्ध यानी जीते जी खुद का पिंडदान किया जा सकता है। इस मंदिर में वैसे लोग अपना पिंडदान करने पहुंचते हैं, जिनको संतान नहीं हैं। जिनका घर से मन विमुख हो गया हो या उन्हें लगता हो कि उनके मरने के बाद कोई पिंडदान नहीं करेगा। उन्होंने बताया कि आत्म श्राद्ध के लिए तीन दिवसीय श्राद्ध का प्रावधान है।छोटू लाल बारीक का कहना है कि गया क्षेत्र अत्यंत प्राचीन जगह है। यहां मरणोपरांत श्राद्ध किया जाता है और जीवित अवस्था में भी पिंडदान करके स्वयं को मरने के बाद मुक्त किया जाता है। यहां एक विशेष प्रकार का श्राद्ध है। वो है आत्म श्राद्ध। जिसमें जीवित व्यक्ति खुद का श्राद्ध कर सकता है। आत्म श्राद्ध वही करता है, जिसके पुत्र-पुत्री जीवित हैं, लेकिन संस्कार विहीन हैं। इसके अलावा नास्तिक हैं, विदेशों में जाकर बस गए हैं या फिर किसी की कोई संतान नहीं है। वो अपना आत्म श्राद्ध करते हैं। वैसे तो गया जी में महिलाएं भी पिंडदान करती हैं, लेकिन शास्त्रों के अनुसार यह अधिकार पुरूष और ब्राह्मणों को दिया गया है। ऐसी अवस्था में जब मरणोपरांत कोई श्राद्ध नहीं करेगा तो वायु पुराण के अनुसार गया जी में आत्म श्राद्ध के लिए मंगला गौरी मंदिर के समीप स्थित भगवान जनार्दन मंदिर में तीन दिवसीय श्राद्ध कर सकते हैं। पहले दिन प्रायश्चित संकल्प होगा। दूसरे दिन भगवान जनार्दन का अभिषेक और महा पूजा करने के बाद दही, चावल मिश्रित पिंड भगवान जनार्दन के हाथ में अर्पित किया जाता है। तीसरे दिन हवन और भगवान गदाधर का पंचामृत महापूजा अभिषेक करके तीन दिवसीय आत्म श्राद्ध प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। इसे करने से जीवित अवस्था में सुख-शांति से मरणोपरांत मोक्ष की प्राप्ति होती है। छोटू लाल बारीक का कहना है कि विधिवत आत्म श्राद्ध करने वाले बहुत कम लोग होते हैं। दो चार वर्ष में एक दो लोग आते हैं और चुपके से पंडा की मदद से आत्म श्राद्ध करके निकल जाते हैं। इस पिंडदान के वक्त दूसरे व्यक्ति को मन्दिर में प्रवेश नहीं दिया जाता है। सब कुछ गोपनीय तरीके से होता है। इस तरह के पिंडदानियों की डिटेल तो होती है पर उसे उजागर नहीं किया जा सकता। मृत आत्माओं के पिंडदान का प्रचलन है।

जीवित पिंडदान करने वाला भी एक तरह से मृत आत्मा माना जाता है। इसलिए उनका खुलासा नहीं किया जाता है।

राज्यस्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में धोखाधड़ी रोकने के उठाए कदम, आवेदन की होगी जांच

बिहार। राज्य खेल प्राधिकरण ने राज्यस्तरीय विद्यालय खेल प्रतियोगिताओं में आयु संबंधी धोखाधड़ी रोकने के लिए कड़े कदम उठाने का फैसला किया है। नालंदा जिला खेल कार्यालय की ओर से जारी एक आदेश में कहा गया है कि आगामी 2024-25 सत्र की प्रतियोगिताओं के लिए चयनित खिलाड़ियों का आयु और आधार सत्यापन किया जाएगा। यह कदम अपर पुलिस महानिदेशक, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के एक पत्र के जवाब में उठाया गया है, जिसमें उम्र संबंधी धोखाधड़ी के मामलों पर चिंता व्यक्त की गई थी। पत्र में कहा गया था कि कुछ खिलाड़ी, जो विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, विद्यालय खेलों में भी भाग ले रहे हैं, जो नियमों का उल्लंघन है। नालंदा के जिला खेल पदाधिकारी ने इस संबंध में एक विस्तृत आदेश जारी किया है। आदेश में कहा गया है कि खिलाड़ियों के आवेदनों की गहन जांच की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर संबंधित विद्यालयों से सीधे संपर्क कर या विद्यालय भ्रमण कर जांच सुनिश्चित की जाएगी। आदेश की प्रतिलिपि सभी संबंधित खिलाड़ियों, निजी और सरकारी विद्यालयों के प्राचार्यों, जिला समन्वयक, स्थायी आधार केंद्र, और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के अधिकारियों को भेजी गई है। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि इस आदेश का कड़ाई से पालन हो। खेल जगत से जुड़े लोगों का मानना है

कि यह कदम राज्य के खेल परिदृश्य में एक नए युग की शुरूआत हो सकती है, जहां प्रतिभा और मेहनत को उचित सम्मान मिलेगा।

नालंदा के व्यक्ति ने यूट्यूब से उद्योग की सीखी बारीकियां

नालंदा। युवाओं में रोजगार पाने की होड़ लगी रहती है। लेकिन नालंदा के एक युवा ने इस परिपाटी को तोड़ते हुए न केवल खुद के लिए रोजगार सृजित किया। बल्कि अन्य लोगों को भी रोजगार देने का बीड़ा उठाया है। रहुई प्रखंड के भागन बिगहा निवासी रवि रंजन पांडे ने अपने इस साहसिक कदम से यह साबित कर दिया है कि, जहां चाह है, वहां राह है। 2 साल पहले, रविरंजन ने अपने घर से ही एक लघु उद्योग की शुरूआत की। आज, उनका यह उद्यम न केवल फल-फूल रहा है, बल्कि 10 अन्य व्यक्तियों को भी रोजगार प्रदान कर रहा है। रवि के अनुसार, मैंने यूट्यूब से इस उद्योग की बारीकियां सीखीं। हमारा फोकस पेपर प्लेट, पेपर ग्लास, गुपचुप प्लेट और दोना जैसे उत्पादों पर है। उद्यम की शुरूआत के बारे में रवि बताते हैं कि मुझे हमेशा से ही अपना मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट बेचने में रुचि थी। मैंने शुरू से ही दूसरों को रोजगार देने का लक्ष्य रखा था। उनका मानना है कि थोड़े से प्रशिक्षण और लगभग 50 हजार रुपए की प्रारंभिक पूंजी से कोई भी इस तरह का उद्यम शुरू कर सकता है। आर्थिक पहलू पर बात करते हुए रवि ने बताया कि वे प्रति माह लगभग 50,000 रुपए की बचत कर पा रहे हैं। लेकिन उनके लिए सबसे बड़ी खुशी यह है कि वे अब दूसरों को रोजगार दे पा रहे हैं। उद्योग में काम करने वाले कर्मचारी भी अपनी स्थिति से संतुष्ट हैं। एक कर्मचारी ने बताया कि घर के पास ही रोजगार मिलने से हम अपने घरेलू कामों के साथ-साथ यहां भी काम कर पैसे कमा पा रहे हैं। रवि के मुस्कान लघु उद्योग में हाइड्रोलिक मशीन, सिंगल डाय, डबल डाय, लेमिनेशन मशीन और कॉफी कप मशीन जैसे आधुनिक उपकरण लगे हुए हैं। इन मशीनों की मदद से पत्तल, कटोरी, कॉफी कप और प्लेट जैसे उत्पाद बनाए जाते हैं। स्थानीय बाजार में इन उत्पादों की अच्छी मांग है। थोक व्यापारी सीधे प्लांट से ही माल खरीदते हैं। हरनौत, चंडी, बिहारशरीफ, रहुई और नूरसराय जैसे आसपास के बाजारों में भी इन उत्पादों की आपूर्ति की जाती है। रवि रंजन पांडे की यह सफलता गाथा नालंदा के अन्य युवाओं के लिए एक प्रेरणास्रोत बन गई है। यह कहानी दशार्ती है कि कैसे एक व्यक्ति की पहल न केवल उसके जीवन को बदल सकती है, बल्कि समाज के लिए भी लाभदायक हो सकती है। ऐसे में उम्मीद की जा सकती है कि आने वाले समय में और भी युवा इस तरह के नवाचारी उद्यमों की ओर रुख करेंगे। इससे न केवल उनका व्यक्तिगत विकास होगा, बल्कि क्षेत्र का समग्र आर्थिक विकास भी सुनिश्चित होगा।

साइकिल चोरी के आरोप में चोर को बांधकर पीटा

अररिया। के पलासी थाना क्षेत्र के पलासी बजार में एक युवक को चोरी के आरोप में पकड़ कर स्थानीय दुकानदारों ने उसे बिजली के खंभे से बांधकर पिटाई कर दी। जिसका विडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने पर पलासी थाना पुलिस ने बंधक बनाकर चोर के साथ मारपीट करने वाले आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज कर मुख्य आरोपी मो निसार को गिरफ्तार कर लिया है। इसके साथ ही अन्य आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी को लेकर जांच की जा रही है। मामले को लेकर अररिया एसपी कार्यालय से प्रेस रिलीज जारी की गई। जिसमें बताया गया कि 11 सितंबर को रात करीब- 9 बजे पलासी थाना क्षेत्र के पलासी बाजार मे एक युवक को चोरी के आरोप में कुछ लोगों एक युवक को पकड़ लिया। जिसके बाद उसे खंभे से बांधकर जमकर मारपीट की गई। इस मामले में वीडियो सामने आने के बाद मामला पलासी थाने केस दर्ज किया गया। मामले में कार्रवाई करते हुए पलासी थाना के पुलिस पेट्रोलिंग टीम ने मौके पर पहुंची और बंधक बनाए गए युवक मो० नौसर, को मुक्त कराया। वहीं उससे पूछताछ में पता चला की मोहम्मद नौसर ने 10 सितंबर को एक कपड़ा दुकान के स्टाफ की कुछ दिन पहले साइकिल चोरी की थी। जिसका सीसीटीवी फुटेज देख उसकी पहचान कर लिया गया। 11 सितंबर को आरोपी नौसर फिर वहां पहुंचा जहां उसे देखकर दुकानदारों ने पकड़ कर लिया और मारपीट करते हुए बिजली के खंभे से बांधकर अमानवीय कृत किया गया। जिसके बाद अमानवीय कृत करने वाले आरोपियों के विरुद्ध पलासी थाना अंतर्गत कांड दर्ज कर मुख्य आरोपी मो निसार को गिरफ्तार कर लिया गया है।

दर्जनों महिलाओं से 40 लाख से अधिक की ठगी

किशनगंज। सदर प्रखंड के बेलवा में दर्जनों महिलाओं से लगभग 40 से 50 लाख रुपए तक की ठगी का मामला सामने आया है। जहां एक महिला सभी से ठगी कर फरार हो गई। घटना सामने आने के बाद से शहर में चर्चा का विषय बन गया। सभी महिलाएं मामले को लेकर गुरुवार को पूर्व जेडीयू विधायक मुजाहिद आलम के आवास पर पहुंची और घटना के बारे में बताया। पीड़ित महिलाओं ने बताया कि गांव की ही एक महिला शमसा बेगम ने उनसे प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के मरम्मती का रूपया मिलने के नाम पर उनका आधार कार्ड लिया था, जिसे बाद में लौटा दिया गया। कुछ दिन बाद ही बैंक के रिकवरी एजेंट का फोन आने लगा कि आपके लोन का रुपया बकाया है। महिलाओं ने जब पता किया तो उनके ऊपर लाखों रुपए का कर्ज जो की उन्होंने लिया ही नहीं है। उक्त महिलाएं काफी गरीब है और अब बैंक एजेंट के जरिए महिलाओं को बताया गया कि किसी के ऊपर 40 हजार का तो किसी के ऊपर एक लाख का कर्ज है। ये सुनकर सभी महिलाएं काफी परेशान हैं और उनका रो रोकर बुरा हाल है. वार्ड सदस्य गुलाब साह ने बताया कि एजेंट की मिलीभगत से सारे खेल को अंजाम दिया गया है। उन्होंने कहा कि थाना में आवेदन दिया गया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

पत्नी को दिल्ली से 1300किमी दूर पूर्णिया लाया, मार डाला

पूर्णिया। में 13 सितंबर को मरंगा थाना इलाके में एक महिला की लाश मिली थी। महिला के गले पर धारदार हथियार से वार किया गया था और गले में गोली मारी गई थी। वारदात की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है। मृत महिला की पहचान प्रियंका(31) के रूप में हुई है। वो सुपौल की रहने वाली थी। 15 दिन पहले वो अपने देवर के साथ दिल्ली भागी थी। पति और परिवार उसे खोजने में लगा था। इस बीच उसके दिल्ली में होने की जानकारी मिली। वो अपने भाई और बहनोई के साथ स्कॉर्पियो से दिल्ली पहुंचा। वहां से पत्नी को सुपौल ले जाने की बात कही। सभी साथ में लौट रहे थे, लेकिन दिल्ली से 1300 किलोमीटर दूर पूर्णिया लाकर उसकी हत्या कर दी। लाश को वही छोड़ पति और बाकी रिश्तेदार सुपौल चले गए। प्रियंका और सुरेंद्र यादव की शादी 6 साल पहले हुई थी। उनके दो बच्चे भी हैं। बताया जाता है कि चेचरे देवर का सुरेंद्र यादव के घर आना-जाना था। इस बीच प्रियंका और उसके देवर में नजदीकियां बढ़ी और एक दूसरे को चाहने लगे। वारदात से 15 दिन पहले प्रियंका अपने चचेरे देवर के साथ भाग निकली। पति सुरेन्द्र यादव ने खोजबीन की तो पता चला कि प्रियंका अपने प्रेमी के साथ दिल्ली में है। सुरेन्द्र यादव, भाई रमंत कुमार यादव, बहनोई बबू साहेब यादव के साथ स्कॉर्पियो से दिल्ली पहुंचे। प्रियंका को समझाया और उसे अपने साथ लाने को राजी कर लिया। दिल्ली से 1368 किलोमीटर दूर पूर्णिया लाकर हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक गले पर धारदार हथियार से हमला करने के बाद नजदीक से गले में गोली मार कर उसकी हत्या की गई। महिला का शव मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की थी। इस बीच पुलिस को जानकारी मिली कि सुपौल की एक शादीशुदा महिला कुछ दिन से लापता है। पुलिस ने उसकी तस्वीर मंगवाई। झाड़ियों में मिली लाश से तस्वीर मैच करने के बाद पुलिस सीधे सुपौल पहुंची। पूछताछ में पता चला कि प्रियंका के सभी घर वाले फरार हैं।

मुजफ्फरपुर में वज्रपात से पिता-बेटे की मौत

मुजफ्फरपुर। में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से पिता-पुत्र की मौके पर ही मौत हो गई। गुरुवार शाम दोनों मवेशी का चारा लाने के लिए निकले थे। इसी दौरान तेज आंधी और बारिश शुरू हो गई। ठनका गिर गया। घटना की जानकारी के बाद परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए skmch भेज दिया। मृतकों की पहचान सुरेंद्र सहनी (45) और बेटे पप्पू सहनी (18) के रूप में हुई है। घटना के बाद गांव के लोगो के मातम पसरा हुआ है।मृतक के परिजनो का रो रो कर बुरा हाल है।घटना जिले के कटरा थाना क्षेत्र टेकवारा गांव का है।मृतक को व्यक्ति की पहचान सुरेंद्र सहनी 45 वर्षीय और उसके पुत्र पप्पू सहनी 18 वर्षीय के रूप में हुई है।रिजन ने बताया कि घास लाने गए हुए थे। मौके पर पहुंचे तो देखा गांव के कुछ लोग खटिया पर उठाकर ला रहे थे। जिसके बाद पुलिस वाले शव लेकर अस्पताल गए हैं।

तीर्थ यात्रियों को 200 एमएल गंगाजल मुफ्त देगा जिला प्रशासन

गया। में 17 सितंबर से पितृपक्ष मेला शुरू होने जा रहा है। शासन-प्रशासन की ओर से तैयारी की जा रही है। देश-विदेश से आने वाले तीर्थ यात्रियों को पिंडदान करने के बाद जब वह वापस लौटेंगे तो उन्हें उपहार स्वरूप गंगाजल का दिया जाएगा। ताकि वे तीर्थ यात्री अपने घर गंगाजल ले जाएं और उसे पूजा पाठ से जुड़े विधि विधान में प्रयोग कर सकें। गौरतलब है कि पितृपक्ष मेला शुरू होने से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मेला क्षेत्र में तैयारी का जायजा लेने के लिए पहुंचे थे। मेला क्षेत्र के जायजा लेने के बाद गया समाहरणालय के सभागार में सभी विभागों के अधिकारी, अन्य समाज सेवियों व गयापाल पण्डा के साथ बैठक की थी। नीतीश कुमार ने बैठक में कहा था कि इस बार तीर्थ के लिए गंगाजल का पैकेट उपहार स्वरूप दिया जाए। यह एक अच्छा संदेश भी जाएगा। पैकेजिंग होने के बाद 17 सितंबर से मेला क्षेत्र में सरकारी स्टॉल लगाया जाएगा जहां से गंगाजल तीर्थ यात्रियों के बीच वितरण किया जाएगा। आदेश में कहा गया है कि एक दिन में कम से कम 10 हजार तीर्थ यात्रियों को गंगाजल उपहार स्वरूप दिया जाएगा। हालांकि इसको लेकर मगध दूध उत्पादक सुधा डेयरी के अधिकारियों ने अपने कर्मचारियों के साथ बैठक की है। इसकी तैयारी में भी वे जुट गए है। लेकिन गंगा का जल शीशी में या फिर जार में या फिर पालीथिन में पैकड होगा। इस बात पर अभी मुहर नहीं लगी है। जल संसाधन विभाग के अभियंता ने बताया कि डीएम का आदेश आया है। इस मसले पर फाइनल निर्णय होना है। एमडी इसे कल तक फाइनल कर देंगे। गंगाजल पैकेजिंग मगध दूध उत्पादक सुधा डेयरी में किया जाएगा। सुधा डेयरी को जल संसाधन विभाग मुहैया कराएगा। जिला प्रशासन ने इस बाबत एक लेटर जारी कर दिया है। जल संसाधन विभाग और सुधा डेयरी प्रबंधन को आपस में समन्वय स्थापित कर जल्द से जल्द कार्य को पूरा करने का भी निर्देश दिया गया है। जल संसाधन विभाग के ट्रीटमेंट प्लांट में सुधा डेयरी के टैंकर जाएंगे और वे वहां से अपने संस्थान में लेकर आएंगे। यहां गंगाजल की पैकिंग होगी। डीएम डॉ. त्याग राजन ने बताया कि 200 एमल के प्लास्टिक पाउच में गंगा जल पैक किया जाएगा। उसके बाद उसे एक बैग में पैक किया जाएगा। जिस पर गंगा जल की डिटेल जानकारी होगी। इसकी तैयारी के बाबत आदेश दिया गया है। सुधा डेयरी प्रबंधन को इसे युद्ध स्तर पर पूरा करने को कहा गया है।

गया में 3 युवकों की दम घुटने से मौत

गया। में शुक्रवार को 3 युवकों की कुएं में दम घुटने से मौत हो गई। सफाई करने वक्त तीनों की जहरीली गैस की वजह से जान चली गई। घटना गया के वजीरगंज प्रखण्ड के चकसेव गांव की है। मरने वालों की पहचान ललन कुमार, टिंकू पांडे, स्वास कुमार के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि एक युवक पहले कुएं में सफाई करने के लिए उतरा था। उसकी हालत खराब होता देख, बचे अन्य दो लड़के कुएं में उतरे। तीनों की दम घुटने से मौत हो गई। घटना के बारे में बताया जा रहा है कि शुक्रवार 13 सितंबर को खेत का पटवन करने के लिए 3 युवक कुएं के पास पहुंचे थे। वहां, एक युवक कुएं में पहले सफाई करने के लिए उतरा। इस दौरान उसकी हालत खराब होने लगी। उसका दम घुटने लगा। हालत गंभीर देख कुएं के बाहर मौजूद दो अन्य युवक उसे बचाने के लिए कुएं में उतर गए। इसके बाद जहरीली गैस के कारण इन दोनों का भी दम घुटने लगा। ऐसे में तीनों की कुएं में दम घुटने से मौत हो गई। हादसे के बाद गांव के लोगों को घटना की जानकारी मिली। उन्होंने डायल 112 की पुलिस टीम को घटना की जानकारी दी। इसके बाद शवों को बाहर निकाला गया। तीनों को वजीरगंज उल्हउ लाया गया। जहां डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। DSP सुनील कुमार पांडे ने बताया कि इस मामले में वजीरगंज पुलिस कार्रवाई कर रही है। पोस्टमॉर्टम के लिए शवों को भेजा गया है। संबंधित मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक तीनों लड़कों की मौत कुएं की सफाई के लिए उतरने की वजह से हो गई है। घटना की सूचना प्रखण्ड कार्यालय और आपदा विभाग को भी दी गई है।

योगी का हाथ 30 सेकेंड में ठीक कर दिया

खर्च के नाम पर सिर्फ सेल्फी ली, लखनऊ में सीएम ने डॉक्टरों को सुनाई कहानी

लखनऊ। सीएम योगी ने कहा- पिछले हफ्ते गोरखपुर गया था। एक परिचित डॉक्टर मुझसे मिलने आए। मेरे हाथ में एक पट्टी बंधी देखकर उन्होंने मुझसे पूछा- क्या हो गया? मैंने कहा कि बड़े-बड़े डॉक्टरों को इसे दिखाया है, लेकिन आराम नहीं मिला। उन्होंने कहा- मैं इसे ठीक कर दूंगा। हमने खर्च पूछा तो बोले सही होने के बदले एक सेल्फी लूंगा। वो जेब में इंजेक्शन भी लेकर आए थे। मैंने कहा- इंजेक्शन नहीं लगवाऊंगा। फिर उन्होंने बिना इंजेक्शन लगाए आधे मिनट में मेरा हाथ ठीक कर दिया। उन्होंने कहा- बेवजह ऑपरेशन के चक्कर में पड़ते तो 6 महीने बाद फिर समस्या हो जाती। वो एलोपैथी के डॉक्टर थे, लेकिन उन्होंने अपने अनुभव से हाथ को दबाकर ठीक कर दिया। सीएम योगी ने शुक्रवार को लखनऊ में राम मनोहर लोहिया संस्थान के चौथे स्थापना दिवस समारोह में ये बातें कही। सीएम ने 10 डॉक्टरों को सम्मानित भी किया। इस दौरान योगी ने कहा- डॉक्टरों को संवेदनशील होना बेहद जरूरी है। यह संभव नहीं है कि एक ही मर्ज पर एक ही दवा फायदा करे। इसके लिए रिसर्च और स्टडी की जरूरत है। लखनऊ में 70 लाख की आबादी है। लोहिया संस्थान पूर्वी यूपी का गेटवे है। बिहार और नेपाल से भी लोग यहां आते हैं। यूपी की 25 करोड़ की आबादी है। जब यहां की आबादी के बारे में कोई सुनता है तो चौंक जाता है। फिर पूछता है कि 25 करोड़ या 25 लाख? हम बताते हैं कि नगर निकाय की आबादी 25 लाख है। विदेशी राजनयिक चौंकते हैं। यह चुनौती है और अवसर भी। जीवन में सफलता के दो रास्ते होते हैं। एक समस्या, दूसरा समाधान। समस्या पर ध्यान केंद्रित करेंगे तो समस्या ही नजर आएगी। जब मैं समस्या की बात करता हूं तो लोग नई समस्या खड़ी करते हैं। समस्या बहाना बनाने का कारण होती है। समाधान तलाश करेंगे तो वह मिलेगा। केंद्र सरकार ने 70 साल के हर व्यक्ति को 5 लाख की सुविधा मेडिकल के लिए दी है। सीएम राहत कोष में जो भी आता है, हम चेहरा नहीं देखते हैं। सीधे 3 दिन में अस्पताल तक पैसा पहुंच जाता है। जनप्रतिनिधि के स्तर पर भी इस तरह की सुविधा है। समस्या पैसे की नहीं, प्रबंधन की है। अगर सिस्टम से काम किया जाए तो बेहतरीन परिणाम आ सकते हैं। अच्छा करेंगे तो अच्छे परिणाम आएंगे, गलत करेंगे तो उसके दुष्परिणाम भी आपके सामने आएंगे। 2017 के पहले इंसेफ्लाइटिस से मौतें होती थीं, सरकारें सोई रहती थीं। गोरखपुर सांसद रहते मैंने सड़क से लेकर सदन तक आवाज उठाई। 2017 में जब मुख्यमंत्री बना तो इससे निपटने की जिम्मेदारी मेरी हो गई थी। डॉक्टर्स को मरीजों को सही समय पर सोने और उठने की आदत डलवानी चाहिए। दवा से कब तक जिएंगे। अक्सर देखा जाता है कि हमें खुद पर विश्वास नहीं होता है। हम दुनिया की तरफ भागते हैं। एक डॉक्टर के बारे में कहा जाता था कि जितना अनुभवी होगा, उसका लाभ हमें मिलता है। फ्री के नाम पर दवा नहीं लेनी चाहिए, क्योंकि वह फायदे की जगह नुकसान कर सकती है। हम पेशेंट्स को यह बता सकते हैं। 11 बजे सो कर उठेगा। रात को 3 बजे सोएगा। हमें उसे समय पर सोने की आदत डलवानी होगी। दवा से कब तक जिएंगे। इसके लिए भी प्रेरित करना चाहिए। हॉस्पिटल के साथ सीएचसी, पीएचसी के साथ इंस्टीट्यूट का समन्वय हो।

संक्षिप्त डायरी

पॉक्सो एक्ट के अभियुक्त को तीन साल की सख्त सजा के साथ ही दस हजार का हुआ जुमार्ना

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में 2014 में हुई नाबालिग के साथ छेडखानी के मामले में हमीरपुर की पाक्सो अदालत की स्पेशल विद्वान जज कीर्ति माला सिंह ने अभियुक्त को तीन साल की सख्त सजा सुनाने के साथ ही दस हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया गया है। गौरतलब है कि 16 दिसम्बर 2014 को राठ थाने में अ०सं०- 1943/2014 धाराझ376ज, आईपीसी सहित 4 पॉक्सो एक्ट के तहत थाना क्षेत्र के ग्राम परा निवासी अभियुक्त बाबू पुत्र प्रेमचन्द्र कुशवाहा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। जबकि हमीरपुर के आपरेशन कन्विक्शन के तहत इस मामले में अभियोजन विभाग से तालमेल के बाद वख्त पर गवाहों की गवाही कराकर दमदार पैरवी करने के बाद विद्वान स्पेशल जज पाक्सो हमीरपुर कीर्ति माला सिंह की अदालत ने अभियुक्त बाबू पुत्र प्रेमचन्द्र को धारा-354ए आईपीसी सहित धारा-8 पॉक्सो एक्ट के तहत गुनाहगार मानते हुये 3 साल की सख्त सजा सुनाने के साथ ही दस हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया गया है। जबकि मामले की सुनवाई के दौरान अभियुक्त के खिलाफ दर्ज धारा 376ज आईपीसी सहित 4 पॉक्सो एक्ट साबित नहीं हो पाया। जिसके बाद स्पेशल जज पाक्सो अदालत की विद्वान जज कीर्ति माला सिंह ने इन धाराओं में अभियुक्त को बरी कर दिया, मामले की दमदार पैरवी एडीजीसी- अवधनरेश सिंह चन्देल ने की।

लखनऊ में 15 मीटर से ऊंची बिल्डिंग का सेफ्टी ऑडिट

लखनऊ। शहर में 15 मीटर या उससे ऊपर की सभी बिल्डिंग का सेफ्टी ऑडिट किया जाएगा। इसमें पांच साल पुरानी सभी बिल्डिंग को शामिल किया जाएगा। हर 5 साल पर इन बिल्डिंग्स को ऑडिट किया जाएगा। लखनऊ विकास प्राधिकरण बोर्ड बैठक में इसका फैसला लिया गया। कमिश्नर रोशन जैकब, वीसी प्रथमेश कुमार समेत तमाम अधिकारियों इस प्रस्ताव पर मुहर लगाया। एलडीए सचिव विवेक श्रीवास्तव ने बताया कि इसका पैसा भी बिल्डिंग मालिक से लिया जाएगा। आवासीय बिल्डिंग में इसका पैसा स्थानीय रैजीडेंस वेलफेयर सोसायटी देगी। अगर कोई पैसा नहीं देता है तो उसका भुगतान एलडीए खुद करेगा और उसके बाद संबंधित बिल्डर या आरडब्लयू को नोटिस जारी किया जाएगा। एलडीए ने सेफ्टी ऑडिट का काम निजी कंपनी से कराने का फैसला लिया है। अक्टूबर तक इसक प्रॉसेस पूरा कर लिया जाएगा। शहर में 15 मीटर या उससे ज्यादा की करीब - करीब 5000 से ज्यादा आवास हैं। हालांकि इसमें हजरतगंज और शहर के अंदर आने वाले कई बड़े शोरूम छूट जाएंगे। जिसमें ट्रांसपोर्ट नगर, अमीनाबाद, यहियागंज, नाका, भूतनाथ, पत्रकापुरम, महानगर, तेलीबाग को जोड़ दिया जाए तो एक लाख से ज्यादा कमर्शियल बिल्डिंग छूट जाएगी। क्योंकि इसकी हाइट 15 मीटर से कम है। इनका ऑडिट नहीं हो पाएगा। जबकि इसमें कई बाजार 50 साल से भी ज्यादा बाजार है। शहर में अब ऊंची इमारत बनाना आसान होगा। मेट्रो, शहीद पथ, किसान और ग्रीन कॉरिडोर के दोनों तरफ 500 मीटर के दायरे में टीओडी क्षेत्र घोषित होगा। इसमें अब फ्लोर एरिया रेसियो (एफएआर) को ढ़ाई से बढ़ाकर चार कर दिया जाएगा। एलडीए इंजीनियरों कहना है कि इससे दोनों तरफ बहुमंजिला इमारत बनाने का रास्ता साफ हो जाएगा। उदाहरण के लिए अगर इसमें मौजूदा समय अगर 4 मंजिल इमारत की अनुमति है तो इस नियम के बाद यह अनुमति करीब मंजिल तक हो जाएगा। एफएआर बनने के बाद एलडीए का अपना मुनाफ भी बढ़ेगा। इसमें विभाग सुख- सुविधा शुल्क भी लेगा। वेल्नेस सिटी का प्रस्ताव भी पास हो गया है।

मार्क्सवादियों ने कामरेड सीताराम येचुरी को दी श्रद्धांजलि

कसया, कुशीनगर। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) की जिला इकाई द्वारा नगर स्थित कार्यालय पर एक शोक सभा आयोजित कर दिवंगत कम्युनिस्ट नेता कामरेड सीताराम येचुरी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। शोक सभा को संबोधित करते हुए माकपा के जिला सचिव कामरेड अयोध्या लाल श्रीवास्तव ने स्व. येचुरी के छात्र जीवन व राजनैतिक जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि का. येचुरी ने राष्ट्रीय राजनीति में अहम योगदान दिया। अपनी सूझ बूझ और राजनैतिक क्षमता के बल पर देश को वैश्विक फलक पर प्रसिद्धि दिलाई। उनका निधन बामपंथी, लोकतांत्रिक और धर्म निरपेक्ष ताकतों के लिए अपूरणीय क्षति है। शोषण मुक्त समाज के लिए एकजुट संघर्ष का हमें संकल्प लेकर शोषण मुक्त समाज बनाने का संकल्प लेना होगा। हम उन्हें सम्मान जनक

श्रद्धांजलि लाल सलाम के साथ देते हैं। अध्यक्षता का. गेंदा सिंह ने किया। इस दौरान का. वीपी गुप्ता, का. इदरीश, का. कैलाश गोंड़, का. जवाहर शर्मा, का. कैलाश गोंड़, का. राजेन्द्र सिंह, का. कैलाश गिरी, का. त्रिवेंद्रम, का. अशोक जायसवाल आदि पार्टी जनों ने शोक व्यक्त किया।

मुफ्ती सईद अहमद को चौथी बार जमीयत उलेमा कुशीनगर का अध्यक्ष चुना गया

कुशीनगर। मदरसा जामिया अल मुमिनात अल इस्लामिया की मस्जिद में जमीयत उलेमा कुशीनगर की चुनावी बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता जमीयत के सरपरस्त मौलाना रहमतुल्लाह अल कासमी ने की। इस मौके पर जमीयत उलेमा कुशीनगर के सभी अधिकारी और सदस्य उपस्थित थे। बैठक की शुरूआत हाफिज शमीम अहमद की तिलावत- ए- कुरान और मौलाना कुतुबुद्दीन की नात-ए-पाक से हुई।

जमीयत उलेमा कुशीनगर के अध्यक्ष मुफ्ती सईद अहमद ने बैठक का एजेंडा पेश करते हुए सभी उपस्थित लोगों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात में जमीयत की अहमियत और भी बढ़ गई है और पूरे जिले के उलेमा का एक ही आवाज पर एकत्रित होना जमीयत से उनके गहरे लगाव और प्रेम का प्रमाण है।

उन्होंने कहा कि जमीयत ने हर कठिन समय में हमारी रहनुमाई की है और भविष्य में भी करती रहेगी। इसके बाद चुनावी प्रक्रिया मौलाना रहमतुल्लाह अल कासमी और प्रबंधन समिति की निगरानी में शुरू की गई। मौलाना रहमतुल्लाह अल कासमी ने जमीयत की सेवाओं और कार्यों को ध्यान में रखते हुए मौजूदा समिति को अगले कार्यकाल के लिए बढ़ाने का प्रस्ताव रखा, जिसे सभी उपस्थित सदस्य और अधिकारी सहमति से मंजूर करते हुए हाथ उठाकर इसका समर्थन किया। मुफ्ती सईद अहमद को चौथी बार जमीयत उलेमा कुशीनगर का अध्यक्ष चुना गया, जबकि मौलाना मोहम्मद आबिद को दूसरी बार महासचिव चुना गया। इसके साथ ही सभी तहसीलों के अध्यक्ष और सचिव की नियुक्तियों को भी अगले कार्यकाल तक के लिए बढ़ा दिया गया।पडरौना तहसील में मौलाना अब्दुल कुद्दूस और कप्तानगंज तहसील में मौलाना जावेद अहमद कासमी को अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस मौके पर उपस्थित अन्य प्रमुख उलेमा और शख्सियतों में शामिल थेः मौलाना शब्बीर अहमद कासमी, मौलाना रियाज अहमद कासमी, मौलाना अरशद (मौलाना जलालुद्दीन के पुत्र), मौलाना तौफीक अहमद, मौलाना रियाज अहमद ठेकेदार, मौलाना अलाउद्दीन, मौलाना जावेद अख्तर, मौलाना वहीदुज्जमान कासमी, मौलाना मुजाहिद अली, मौलाना कुतुबुद्दीन, मौलाना अब्दुल कयूम, मौलाना सईदुज्जमान, मौलाना मुनीर अहमद, मौलाना मुस्तफा, मौलाना आफताब आलम, मौलाना मोहम्मद आरिफ, मौलाना जमीअल अख्तर और हाफिज अबू हुजैफा। इस प्रकार मौजूदा समिति को अगले कार्यकाल के लिए सर्वसम्मति से बहाल कर दिया गया और जमीयत की अगुवाई को एक बार फिर सबका समर्थन प्राप्त हुआ।

सदस्यता अभियानः सशक्त भाजपा से ही विकसित भारत का संकल्प पूरा होगा पूराः पीएन पाठक

कसया, कुशीनगर। कुशीनगर विधानसभा क्षेत्र में शुक्रवार को कुशीनगर विधायक पीएन पाठक के नेतृत्व में पार्टी के द्वारा चलाए जा रहे सदस्यता अभियान के तहत घर-घर संपर्क अभियान शुरू किया । इसके जरिए हर घर तक पहुंच कर अधिक से अधिक सदस्य बनाया गया । कुशीनगर विधायक पीएन पाठक विधानसभा क्षेत्र के सखवनिया शिवपुर पिपरा जटामपुर कुवेरस्थान हरैया होरलापुर सहित दर्जनों गांवों में जाकर डोर टू डोर भारी संख्या में कार्यकताओं के साथ घर घर सम्पर्क करते हुए लोगों को भाजपा की सदस्यता ग्रहण कराया इस दौरान लोगों को सम्बोधित करते हुए भाजपा विधायक पीएन पाठक ने कहा कि भाजपा ने अपने सभी संकल्पों को पूरा किया है। इसलिए जनमानस का अटूट विश्वास

भाजपा के साथ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की सरकारों की प्रत्येक योजना गरीब, किसान, महिलाओं तथा युवाओं की आर्थिक व सामाजिक उन्नति के लिए समर्पित है। इसलिए देश के गरीब, किसान, महिलाएं तथा युवा भाजपा के साथ है और भाजपा परिवार के साथ जुड़ना चाहते है। उन्होंने कहा कि भाजपा देश का एकमात्र विचारधारा आधारित राजनीतिक संगठन है। कर्तव्यनिष्ठ कार्यकताओं के परिश्रम से संगठन लगातार मजबूत हो रहा है और अपने संकल्पों को पूरा करने का काम कर रहा है। अभी संगठन पर्व चल रहा है। संगठन के विस्तार से ही संगठन की विचारधारा, संगठन के संकल्प और लक्ष्य पूर्ण होते हैं। इसलिए पूरी ऊर्जा और परिश्रम के साथ सभी को सदस्यता अभियान में जुटना है। सशक्त भाजपा से ही विकसित भारत का संकल्प पूरा होगा। मण्डल अध्यक्ष बच्चा सिंह ने बताया सदस्यता अभियान के माध्यम से जनमानस को भाजपा से जोड़ने के लिए संगठन हर दहलीज तक पहुंच रहा है। इस दौरान दिनेश तिवारी, अजय पटेल, कृष्णा मोहन पांडेय, राजकुमार शर्मा, कृष्णा पांडेय, आद्या पांडेय, नितिश यादव, शैलेन्द्र सिंह, विधायक प्रतिनिधि रूद्र प्रकाश सिंह, शुभम दीक्षित, राजू सिंह आदि मौजूद रहे।

गणेश उत्सव की धूमः महाराष्ट्र जैसा भव्य नजारा

गोरखपुर । इस साल गणेश चतुर्थी की धूम महाराष्ट्र जैसी नजर आ रही है। पूरे शहर में गणपति बप्पा के स्वागत के लिए भव्य पंडाल सजाए गए हैं, जहां गणेश प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं।

घासीकटरा, मिजार्पुर चैक, कच्चीबाग, पांडेयहाता, धर्मशाला बाजार, गोरखनाथ और राजेंद्रनगर जैसे प्रमुख इलाकों में पंडालों की भव्य सजावट देखने लायक है। गणपति उत्सव के इन 10 दिनों में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जा रहा है, जो श्रद्धालुओं का मुख्य आकर्षण बने हुए हैं।

पंडालों के अलावा, कई घरों में भी छोटी गणेश प्रतिमाओं की स्थापना कर भक्तगण भगवान गणेश की पूजा-अर्चना में लीन हैं। गणपति बप्पा मोरया, मंगल मूर्ति मोरया के जयकारों से शहर गूंज रहा है, और भगवान गणेश के दर्शन के लिए भारी संख्या में श्रद्धालु पंडालों में उमड़ रहे हैं। गोरखपुर में इस बार गणेश चतुर्थी का उत्साह और भव्यता अद्वितीय है, जो हर किसी के दिल को छू रही है।

गोरखपुर के गीता वाटिका में राधा अष्टमी की धूम

गोरखपुर । गीता वाटिका में आज राधा अष्टमी के अवसर पर भक्तों ने हर्षोल्लास के साथ दही की होली खेली। हर ओर राधे-राधे के जयकारों की गूंज सुनाई दे रही थी, और भक्त झूमते-गाते हुए इस पावन पर्व को मनाने में मग्न नजर आए। कृष्ण जन्मोत्सव के बाद गीता वाटिका में लगातार कार्यक्रमों की कड़ी में आज का आयोजन खास रहा। भक्तों ने हल्दी, केसर और दही से सजी होली खेलते हुए राधा रानी के प्रति अपनी भक्ति और समर्पण व्यक्त किया। पूरा वातावरण भक्तिमय और आनंदमय हो उठा, और श्रद्धालुओं ने राधा अष्टमी के इस पवित्र पर्व को उत्साह और उल्लास के साथ मनाया।

मधुमिता हत्याकांड के दोषी प्रकाश पांडे की मौत, अमरमणि के कहने पर हत्या की

गोरखपुर। 2003 के चर्चित मधुमिता शुक्ला हत्याकांड के दोषी और उम्रकैद की सजा काट रहे शूटर प्रकाश पांडे की मौत हो गई। कैंसर से जूझ रहे पांडे का इलाज लखनऊ के एक प्राइवेट अस्पताल में चल रहा था, जहां गुरुवार सुबह उसने अंतिम सांस ली। गोरखपुर के राजघाट पर गुरुवार रात उसका अंतिम संस्कार किया गया। प्रकाश पांडे को इस हत्याकांड में पूर्व कैबिनेट मंत्री अमरमणि त्रिपाठी और उनकी पत्नी मधु त्रिपाठी के साथ आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। प्रकाश पांडे ने हत्या के लिए पिस्टल मुहैया कराई थी और हत्या में संतोष राय के साथ था। शूटर प्रकाश पांडे 2003 में गिरफ्तार हुआ था, इसके बाद 5 साल जेल में रहा। सेशन कोर्ट ने उसे बरी कर दिया था। फिर हाईकोर्ट ने दोषी ठहरा दिया। इसके बाद 2012 से 2013 तक जेल में

रहा। केस सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, तो जज ने सेशन कोर्ट के जजमेंट के आधार पर जमानत दे दी। तब से प्रकाश पांडे बाहर था। कैंसर की वजह से अभी वह जमानत पर रिहा होकर, अपना इलाज करा रहा था। 9 मई 2003... लखीमपुर खीरी की उभरती कवयित्री मधुमिता शुक्ला की लखनऊ के पेपर मिल कॉलोनी स्थित उनके घर में सरेआम गोली मारकर हत्या कर दी गई। उस समय मधुमिता 7 महीने की गर्भवती थीं। इस तथ्य ने मामले को और भी संगीन बना दिया। जांच में यह खुलासा हुआ कि हत्या के पीछे की वजह मधुमिता और अमरमणि त्रिपाठी के बीच का रिश्ता था।

वृद्धा आश्रम में लगा स्वास्थ्य कैम्प

वृद्धजनों की हुई टीबी स्क्रीनिंग

कसया, कुशीनगर। जनपद में चल रहे सघन टीबी खोज अभियान के तहत शुक्रवार को क्लोज सेटिंग कार्यक्रम के लिये सीएचसी अधीक्षक डॉ मार्कण्डेय चतुर्वेदी के निर्देश पर आरबीएसके टीम एवं टीबी यूनिट की टीम द्वारा सँयुक्त रूप से स्थानीय नगरपालिका परिषद में स्थित बृद्धा आश्रम में स्वास्थ्य कैम्प लगाकर वहाँ रह रहे सभी बृद्धजनों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं टीबी स्क्रीनिंग किया गया। सीएचसी से टीम में डॉ संजय सिंह,डॉ सावित्री सिंह,डॉ नाजरीन फातिमा द्वारा सभी बृद्धजनों का स्वास्थ्य परीक्षण करते हुये बीपी, सुगर की जाँच किया गया तथा बिरेन्द्र शर्मा, अमजद अली एवं मीरा दुबे द्वारा दवाओं का वितरण किया गया। बृद्धा आश्रम में चार बृद्ध महिलाओं

को डॉ संजय सिंह एवं उनकी टीम द्वारा उनके कमरे में पहुँचकर स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें दवा उपलब्ध करायी गयी तो वही वरिष्ठ क्षयरोग पर्यवेक्षक आशुतोष मिश्र एवं शाहिद अंसारी द्वारा 83 बृद्धजनों की टीबी के लक्षणों की स्क्रीनिंग की गयीं एवं टीबी के संभावित लक्षण वाले 5 व्यक्तियों के बलगम के नमूने भी एकत्र कर जाँच हेतु सीएचसी लाये गये।

वहाँ उपस्थित बृद्धजनों को सम्बोधित करते हुई डॉ संजय सिंह एवं आशुतोष मिश्र ने कहा कि जिनको भी दो हफ्ते से ज्यादा की खाँसी,बलगम आना, बलगम में खून आ रहा हो, रात में पसीना, वजन कम होना, भूख न लगना, गांठ होना, बाझपन आदि लक्षण दिखे तो संकोच न करे तत्काल सरकारी अस्पताल पर सम्पर्क कर अपनी जाँच कराये। जाँच एवं उपचार की व्यवस्था निःशुल्क है। टीबी रोगियों को उपचार के साथ ही प्रतिमाह पांच सौ रुपये पोषण भत्ता भी दिया जाता है।

बृद्धा आश्रम की प्रबन्धक रज्जो राजा द्वारा स्वास्थ्य टीम के प्रति आभार प्रकट किया। इस दौरान मनोज पांडेय, सुजीत कुमार दास, रमा प्रजापति, नक्षत्र, अरुण कुमार राव, रुचि मल्होत्रा, कृष्ण, सुमन्त, विकास आदि उपस्थित रहे।

मांगों को लेकर बीएसए ऑफिस पर अनुदेशकों का प्रदर्शन

बस्ती । पूर्व माध्यमिक अनुदेशक कल्याण समिति के बैनर तले अनुदेशकों ने बीएसए ऑफिस पर प्रदर्शन किया। इसके बाद बेसिक शिक्षा मंत्री के नाम आठ सूत्रीय ज्ञापन बीएसए को सौंपा, जिसमें मनादेय बढ़ाए जाने, आयुष्मान योजना का लाभ दिए जाने, महिला अनुदेशकों को सीसीएल की सुविधा सहित अन्य मांगें शामिल हैं। जिला अध्यक्ष अमित कुमार सिंह ने कहा कि 11 वर्ष पूरे हो जाने के बाद भी अनुदेशक आज भूखा और बेहाल है।

9,000 रुपए के अल्प मानदेय में वह अपने परिवार का भरण पोषण कैसे करें। उन्होंने आगे कहा कि अनुदेशकों को न्यूनतम वेतनमान, स्थानान्तरण, शिक्षकों की भांति चिकित्सीय अवकाश, महिलाओं को सीसीएल और समस्त अनुदेशकों को आयुष्मान योजना का लाभ दिया जाए। चेतावनी देते हुए कहते हैं कि यदि हमारी मांगें 29 सितंबर 2024 तक पूर्ण नहीं होती हैं तो 30 सितंबर को लखनऊ में प्रदेशव्यापी धरना प्रर्दशन के लिए बाध्य होंगे। जिला मंत्री उमेश यादव ने प्रदेश सरकार से जल्द से जल्द 8 सूत्रीय मांगों को पूर्ण करने का निवेदन किया। इस दौरान प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष चंद्रिका प्रसाद सिंह, शिक्षामित्र संघ अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार शुक्ल ने सभा को संबोधित करन हुए अनुदेशकों की समस्त मांगों का समर्थन किया।

इन आंकड़ों को प्रस्तुत करने से तात्पर्य है कि खाद्यान्न में यह वृद्धि से अधिक रही है जो कि संतोषजनक स्थिति है और अभी तो भोजन पेट भर मिल रहा है लेकिन प्रश्न यह उठता है कि क्या 2025 में हमें पेट भर भोजन प्राप्त होगा? अगर नहीं तो हम आगे क्या करेंगे?

टिकाऊ खेती आज की आवश्यकता

जनसंख्या एवं खाद्यान्न उत्पादन

भारत की जनसंख्या 2001 की जनगणना के अनुसार 102.7 करोड़ को छू चुकी है जो 1991-2000 तक 1.9 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि में रही, जबकि खाद्यान्न उत्पादन 2003-04 में 213.5 मिलियन टन तक पहुंचा अर्थात् 2.1 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर से.

इन आंकड़ों को प्रस्तुत करने से तात्पर्य है कि खाद्यान्न में यह वृद्धि से अधिक रही है जो कि संतोषजनक स्थिति है और अभी तो भोजन पेट भर मिल रहा है लेकिन प्रश्न यह उठता है कि क्या 2025 में हमें पेट भर भोजन प्राप्त होगा? अगर नहीं तो हम आगे क्या करेंगे?

हमें आगे भी 21वीं सदी के बाद से खाद्यान्न में लगभग 25-30 प्रतिशत की वृद्धि कायम रखनी होगी अन्यथा पूरा देश हमारा सूखा घोषित हो जायेगा जिससे की लगभग 14 प्रतिशत उत्पादन में गिरावट होगी जो भविष्य के लिए प्रगति के उत्तम संकेत नहीं हैं.

भूमि-जल पर्यावरण

खेती में उर्वरकों, कीटनाशकों शाकनाशियों अर्थात् रसायनों के अत्यधिक प्रयोग में भूमि की दशा निश्चय ही खराब हुई है. जिससे की भूमि के लाभदायक कीट, केंचुए, जीवाणु इत्यादि नष्ट हुए हैं, साथ ही साथ सूक्ष्म तत्वों में भी भारी कमी हुई. अतः जीवांश खादों के प्रयोग से हम रोक सकते हैं फसल चक्र अपना सकते हैं उर्वरकों का संतुलित प्रयोग कर सकते हैं कई जंगल भी नष्ट किये गये सघन पद्धतियों के प्रयोग के कारण जिससे पर्यावरण संतुलन बिगड़ा है अर्थात् इसका दोहन कम किया जाए एवं इन्हें संरक्षित किया जाने का प्रयास करना नितांत आवश्यक है.

लाभ/खर्च अनुपात

हमारी बढ़ती हुई जनसंख्या के लिए खाद्यान्न की उपलब्धि बनाये रखने के लिए सस्य रसायनों का प्रयोग निरंतर बढ़ता ही जा रहा है. जिससे की हमारी भूमि में मृदा में तथा मृदा के गुणों पर हानिकारक प्रभाव पड़ रहा है. यदि यह प्रक्रिया लंबी अवधि तक चलती रही तो भूमि एवं जल की उपादेयता समाप्त हो जायेगी और नई पीढ़ी का जीवन ही असुरक्षित हो जायेगा वर्तमान में हमारे देश की जनसंख्या दिनों-दिन बढ़ रही है और कृषि क्षेत्र बराबर कम होता जा रहा है. ऐसी परिस्थिति में हम टिकाऊ खेती का प्रयोग करना अत्यंत आवश्यक है तथा जिसके अंतर्गत प्राकृतिक संसाधनों का इसका इस प्रकार से प्रयोग किया जाए कि वर्तमान व भविष्य दोनों में संतुलन हो. इस प्रकार की खेती का प्रयोग करके हम अपने भविष्य की पीढ़ी को सुरक्षित तो कर रही है बल्कि हमें प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा एवं सुरक्षा करके या उन्हें सुरक्षित बनाये रखने का कर्त्तव्य भी पूरी तरह निभा रहे हैं. अर्थात् हमें टिकाऊ खेती का प्रयोग किया जाना चाहिए. जिसके द्वारा हमें आर्थिक लाभ एवं भारत सरकार को पूर्णतः उत्पादन से लाभ प्राप्त हो सके.

कृषि क्षेत्र में सम्पन्नता लाने के लिए उत्पादकता टिकाऊपन तथा समानता की बहुत जरूरत है हमें भारत में भी बदलते पर्यावरण में कृषि निर्वाह की प्राथमिकता देनी अनिवार्य आवश्यकता है. इसका मुख्य उद्देश्य भविष्य में हम आर्थिक दृष्टि से कारगर, पर्यावरण की दृष्टि त्रुटीहीन सामयिक दृष्टि से सुसंगत प्रौद्योगिकी जो कम लागत पर अधिक से अधिक कृषि उत्पाद दे सकें.

कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि टिकाऊ खेती मानव जाति को निरंतर खुशहाली प्रदान का वचन देती है.

टिकाऊ खेती का महत्व

टिकाऊ खेती का महत्व सबसे अधिक वर्तमान खेती की प्रणालियों, तरीकों एवं समस्याओं को सुधारने में है. टिकाऊ खेती मुख्य रूप से प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा से जुड़ी हुई हैं मृदा, जल, ऊर्जा, वन-विकास एवं जंगली पशुओं की सुरक्षा या इन्हें सुरक्षित रखने से है. टिकाऊ खेती में इनके प्रबंधन पर विशेष प्रकार से ध्यान दिया जाता है. कई प्रकार की उत्पन्न समस्याओं जैसे- सौर ऊर्जा का उचित प्रयोग, वातावरण प्रदूषण की रोकथाम पर्यावरण का संतुलन डगमगाना इत्यादि समस्याओं पर विशेष रूप से ध्यान देना ही इसमें निम्न विषय है अर्थात् भविष्य में टिकाऊ खेती के माध्यम से इन समस्याओं को सुधारने का प्रयास किया जा रहा है.

टिकाऊ खेती का लाभः

- पारिस्थितिकी तंत्र में संतुलन बनाये रखने में टिकाऊ खेती का प्रमुख कार्य है.
- वातावरणीय प्रदूषण कम होता है.
- लगाई फसलों की उत्पादन लागत कम आती है.
- प्राकृतिक संसाधनों का दोहन उचित प्रकार से करते हैं.
- टिकाऊ खेती में भूमि, जल, ऊर्जा इत्यादि प्राकृतिक संसाधनों का प्रयोग हम इस प्रकार से करते हैं कि भविष्य में आने वाली पीढ़ियां इसका प्रयोग एवं दोहन ध्यान रखकर कर सकें.

धनिया की उन्नत खेती

धनिया हमारे दैनिक उपयोग के मसालों में महत्वपूर्ण स्थान रखता है जो पूरे वर्ष सम्पूर्ण देश में उगाया जाता है इसलिए पूरे वर्ष आय का साधन हो सकता है, हरी पत्तियां सब्जियों में उपयोग की जाती हैं। धनिया में मधुर सुगंध कोरोमिन्डाल, लिनाकोल, एल्कोहल पदार्थ उपस्थिति के कारण होता है। सूखे धनिया के बीजों को रबी में बोया जाता है। मध्यप्रदेश का 70 प्रतिशत धनिया गुना, अशोक नगर, शिवपुरी, दतिया जिले में उगाया जाता है इसके अलावा शाजापुर, मंदसौर, राजगढ़ जिलों में भी बोया जाता है। अधिक एवं गुणवत्तापूर्ण उपज के लिये उन्नत तकनीक अपनाना आवश्यक है।

भूमि

असिंचित धनिया के लिये काली मिट्टी जिसकी जलधारण क्षमता एवं जल निकास वाली अच्छी भूमि हो और सिंचित धनिया बोने के लिए दोमट एवं बलुई दोमट मिट्टी सर्वोत्तम होती है जिसमें जीवांश की मात्रा पर्याप्त हो।

खेत की तैयारी

असिंचित क्षेत्र में अंतिम वर्षा जल की नमी को संरक्षित करते हुए 2-3 जुताई कर यथाशीघ्र बुवाई करें तथा सिंचित खेत में खरीफ फसल की कटाई के बाद 2-3 जुताई करें।

बुवाई का समय

रबी में बुवाई के लिये 15 अक्टूबर से 30 नवम्बर तक उपयुक्त समय है। देरी बुवाई करने पर भभूतिया रोग की संभावना बढ़ जाती है।

उन्नत जातियां

साधना,पंत हरितिमा, गुजरात धनिया, सिंधु,स्वाति, उदयपुर धनियां-20

खाद एवं उर्वरक प्रबंधन

खेत की तैयारी के समय 15-20 टन अच्छी सड़ी हुई गोबर खाद खेत में मिला दें। सिंचित अवस्था में प्रति हेक्टर 60 किलोग्राम नत्रजन, 40 किलोग्राम फास्फोरस एवं 30 किलोग्राम पोटाश पर्याप्त होता है। जिसमें नत्रजन की आधी मात्रा फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा आधार खाद के रूप में बुवाई के समय बीज के नीचे ऊर कर दें तथा शेष नत्रजन की मात्रा प्रथम एवं द्वितीय सिंचाई के समय दें उस समय खेत में पर्याप्त नमी होना आवश्यक है।

बीज की मात्रा एवं बुवाई विधि

सिंचित अवस्था में बीज दर 12-15 किलो ग्राम तथा असिंचित अवस्था में 25-30 किलोग्राम प्रति हेक्टर बीज की आवश्यकता होती है। जिसे बुवाई पूर्व बीज को 24 घंटे पानी में भिगो कर रखें जिससे अंकुरण शीघ्र और अच्छा होता है। इसके बाद थाइरम या डाइथेम -एम 45 की 3 ग्राम दवा से प्रति किलो बीज उपचारित कर बोयें। बुवाई कतारों में की जाती है जिसमें कतार से कतार की दूरी 25-30 सेमी, पौधे से पौधे की दूरी 5-7 सेमी रखें और बीज को 3-5 सेमी गहराई पर बुवाई करें।

निंदाई एवं गुड़ाई

धनिये की फसल में प्रथम निराई गुड़ाई बुवाई के 25-30 दिन पर करना चाहिये जिसमें जहां अधिक पौधे उगे हों वहां से पौधे उखाड़ दें।

सिंचाई

अच्छी पैदावार के लिये फसल की क्रान्तिक अवस्थायें - जैसे शाखायें फूटते समय, फूल आते समय, बीज बनते समय खेत में पर्याप्त नमी होना चाहिए। सिंचाई 10-15 दिन के अंतराल पर करें जो मिट्टी की किस्म और मौसम पर निर्भर करता है।

फसल उत्पादन

धनिया की फसल बीज के लिये 140-150 दिन में तैयार हो जाती है। बीज के रूप में 15 से 20 क्विं. प्रति हेक्टर उत्पादन प्राप्त होता है। पत्तियों के रूप में बोने के 45 दिन पश्चात से पत्तियों की कटाई कर विक्रय किया जा सकता है।

धनिया कटाई के बाद प्रबंधन

- फसल अवधि पूर्ण होने के पश्चात जब दाने परिपक्व हो जाये एवं दाने हरे रहें तब उसे काटकर छायादार स्थान में सुखाना चाहिए। दाने हरे रंग के रहने से बाजार में अधिक कीमत मिलती

अडानी के बाद अब रूस ने बांग्लादेश से मांगे 63 करोड़ डॉलर

- वर्तमान ब्याज के रूप में 630 मिलियन डॉलर का भुगतान की मांग

ढाका ।

भारतीय कारोबारी समूह अडानी ग्रुप के बाद अब रूस ने भी बांग्लादेश से रूपपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के लिए कर्ज पर बकाया और वर्तमान ब्याज के रूप में 630 मिलियन डॉलर का भुगतान करने की मांग की है। रूसी अधिकारियों ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को भेजे पत्र में कहा है कि इस राशि को 15 सितंबर से पहले चुकाया जाए। यह पत्र बांग्लादेश द्वारा जून में रूसी बैंकों पर अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण बकाया ब्याज, प्रतिबद्धता शुल्क और विलंबित जुर्माने के निपटान के लिए वैकल्पिक लेनदेन विधियों के लिए किए गए अनुरोध के बाद आया है। 12.65 बिलियन डॉलर के ऋण पर अधिकतम ब्याज दर 4 फीसदी है, जिसमें बकाया भुगतान के लिए 2.4 फीसदी की अतिरिक्त दंडात्मक ब्याज दर है। 21 अगस्त को इकॉनमिक रिलेशन डिवीजन को लिखे गए पत्र में रूसी सरकार के एक प्रमुख वित्तीय संस्थान की प्रतिनिधि एजेंसी वीईबीडॉटआरएफ ने अनुरोध किया है कि बकाया भुगतान या तो अमेरिकी डॉलर या चीनी युआन में किया जाए और बैंक ऑफ चाइना की शंघाई शाखा में जमा किया जाए। हालांकि, चूंकि 15 सितंबर की भुगतान की अंतिम तिथि रविवार को है और 16 और 17 सितंबर चीन में गैर-व्यावसायिक दिन हैं, इसलिए भुगतान की सबसे प्रारंभिक संभावित तिथि 18 सितंबर होगी।

वित्त मंत्रालय के सूत्रों ने कहा कि इस समय सीमा को चूकने से अतिरिक्त दंड और अन्य जटिलताएं हो सकती हैं, जिसमें कर्ज चुकाने की अवधि के दो साल के विस्तार पर बातचीत में संभावित देरी शामिल है। वर्तमान में यह अवधि इस साल दिसंबर में समाप्त होने वाली है, जिसे बांग्लादेश वर्तमान में आगे बढ़ा रहा है। इससे पहले, बांग्लादेश ने प्रस्ताव दिया था कि बकाया राशि एकत्र करने के बजाय, रूस नई परियोजनाओं, शेयर बाजार में धन का निवेश कर सकता है या बांग्लादेश से सामान खरीद सकता है। हालांकि, रूसी पत्र से संकेत मिलता है कि यह विकल्प संभव नहीं है।

नई ईवी योजना में घटी सब्सिडी, लेकिन फेम योजना के मुकाबले कम प्रावधान

- सब्सिडी 85 प्रतिशत से घट कर 30 प्रतिशत हो गई

नई दिल्ली ।

इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए पेश नई योजना में सब्सिडी कम कर दी गई है। नई पीएम इलेक्ट्रिक ड्राइव रिवॉल्यूशन इन इनोवेटिव व्हीकल एन्हांसमेंट (पीएम ई-ड्राइव) योजना से इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग को राहत जरूर मिली है मगर फेम योजना के मुकाबले इसमें सब्सिडी का प्रावधान कम कर दिया गया है। विभिन्न इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए प्रोत्साहन राशि या सब्सिडी 85 प्रतिशत से घट कर 30 प्रतिशत रह गई है। इलेक्ट्रिक कार खंड नई योजना की जद से पूरी तरह बाहर कर दिया गया है। इस खंड में पहले 1.5 लाख रुपये तक की सब्सिडी दी जाती थी। केंद्र सरकार इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग को दी जाने वाली सब्सिडी धीरे-धीरे कम करना चाहती है। नई पीएम ई-ड्राइव उसी नीति का हिस्सा है। सरकार का मानना है कि इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग में अब पहले से अधिक गहराई आ गई है और लोगों के बीच इनका इस्तेमाल अब बढ़ रहा है। अधिकारियों ने कहा कि सब्सिडी में कमी जरूर एक बड़ा मुद्दा है मगर यह इलेक्ट्रिक वाहन प्रवर्द्धन योजना में दी जाने वाली सब्सिडी के लगभग बराबर ही है। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के लिए अधिकतम सब्सिडी में लगभग 85 प्रतिशत कमी कर दी गई है। फेम-2 में 66,000 रुपये सब्सिडी मिलती थी मगर अब यह कम होकर 10,000 रुपये रह गई है। इलेक्ट्रिक तिपहिया (ई3डब्ल्यू) के लिए सब्सिडी घटाकर लगभग 55 प्रतिशत कर दी गई है। पहले इन वाहनों पर 1,11,505 रुपये सब्सिडी मिलती थी जिसे घटाकर अब 50,000 रुपये कर दिया गया है। इलेक्ट्रिक बसों के मामले में भी सब्सिडी सीमा 50 लाख रुपये से घटाकर 35 लाख रुपये कर दी गई है। योजना के दूसरे वर्ष में अधिकतम प्रोत्साहन में और कमी आएगी यानी इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के लिए यह घटकर 5,000 रुपये और तिपहिया वाहनों के लिए 25,000 रुपये रह जाएगी। सब्सिडी के संबंध में इस नई घोषणा से पहले केंद्र सरकार पिछले तीन वर्षों से प्रोत्साहन में कमी करती आ रही है। पहले फेम-2 के अंतर्गत अधिकतम सब्सिडी 1 जून 2023 से 66,000 रुपये से घटाकर 22,500 रुपये कर दी गई थी। फेम-2 समाप्त होने के बाद सरकार ने ईएमपीएस की शुरुआत की जिसके तहत 500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया। इस योजना के आने से इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के लिए सब्सिडी घटकर 10,000 रुपये और तिपहिया वाहनों के लिए 50,000 रुपये रह गई।

ऐपल ने लांच किया आईफोन 16, चाइनीज मोबाइल से मिलेगी टक्कर

नई दिल्ली ।

लंबे इंतजार के बाद ऐपल ने अपने आईफोन 16 को लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने अपने डेवलपर कॉन्फ्रेंस में किए वादे के मुताबिक नए आईफोन को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सपोर्ट के साथ पेश किया है। कहा जा रहा है कि आईफोन जैसे प्रीमियम रेंज के फोन में भी एआई फीचर आने के बाद ये मार्केट में मौजूद कई एआई फोन को कड़ी टक्कर दे सकता है। इससे ये हिंट तो मिलता है कि हुवावे, चीन में ऐपल के खिलाफ अपनी स्थिति को मजबूत कर रहा है, जहां यूज़र्स एआई फीचर्स के लिए उत्सुक हैं और उनके लिए पैसे खर्च करने के लिए भी तैयार हैं। क्रिएटिव स्ट्रैटेजीज़ के सीईओ और प्रमुख विश्लेषक बेन बजारिन ने कहा, चीनी बाजार अमेरिकी बाजार के मुकाबले एआई फीचर्स के लिए ज्यादा दीवाना है। ऐपल के लिए, उन्होंने भविष्यवाणी करते हुए ये भी कहा, 'इसे तुरंत चीन में लाना बहुत मुश्किल होगा, इसलिए वे हार्डवेयर की खूबियों से पीछे रह जाएंगे।' बता दें कि ऐपल के जून में हुए डेवलपर कॉन्फ्रेंस में, ऐपल ने एप्पल एआई की पेशकश की। ये जेनरेटिव एआई पर बेस्ड है जो कमांड पर टेक्स्ट, इमेज और दूसरे कंटेंट को जोड़ सकता है। ऐपल इंटेलिजेंस में कई भाषाओं का सपोर्ट मिलेगा। हालांकि शुरुआती तौर पर अमेरिकी इंग्लिश का सपोर्ट मिलेगा। ऐपल के इंटेलिजेंस फीचर्स को लेकर उम्मीद की जा रही है कि इसे अक्टूबर में आने वाले नए ऑपरेटिंग सिस्टम के साथ आईफोन और आईपेड में अपडेट के जरिए दिया जाएगा। इसके अलावा रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऐपल के वॉयस असिस्टेंट सिरी का फुल अपग्रेड अगले साल की शुरुआत में होने की उम्मीद है। बता दें कि पिछले हफ्ते हुवावे ने दुनिया के पहले ट्रिपल फोल्डिंग फोन एमएटीई एक्सटी की कुछ फोटो शेयर कर इसका ऐलान किया था। हैरान करने वाली बात ये है कि आईफोन 16 के लॉन्च के ठीक पहले इस स्मार्टफोन के लिए 30 लाख से ज्यादा प्री-ऑर्डर मिले हैं। ये जानकारी कंपनी के ऑफिशियल वेबसाइट पर देखी गई। इस फोन को पहली बार सेल में 20 सितंबर को उपलब्ध कराया जाएगा।

असम से बिहार तक बढ़े पेट्रोल-डीजल के भाव

नई दिल्ली ।

कच्चे तेल में लगातार गिरावट के बाद अब हल्की तेजी दिखाई दे रही है। वैश्विक बाजार में क्रूड 69.34 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 72.33 डॉलर प्रति बैरल बिक रहा है। कच्चे तेल के भावों का पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर असर दिखता है। हालांकि, भारत में ईंधन की कीमतों में ज्यादा असर नहीं पड़ा है लेकिन कुछ राज्यों में कीमतों में उतार-चढ़ाव हुआ है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने सुबह 6 बजे पेट्रोल-डीजल के दाम अपडेट कर दिए हैं। शुक्रवार को देश के 4 महानगरों में से सिर्फ चेन्नई में पेट्रोल और डीजल क्रमशः 0.23 और 0.22 पैसे महंगा हुआ है। वहीं राज्यों में असम, बिहार, छत्तीसगढ़ और दमन-द्वीप में पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ गए हैं। उधर आंध्र प्रदेश और गोवा समेत कुछ राज्यों में ईंधन की कीमतें कम हुई हैं। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल

103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.98 रुपये और डीजल 92.56 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर है। गौतमबुद्ध नगर में पेट्रोल 94.66 रुपये और डीजल 87.85 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

गाजियाबाद में पेट्रोल 94.53 रुपये और डीजल 87.70 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 94.65 रुपये और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

देश की मजबूत बुनियाद बताता है आर्थिक वृद्धि परिदृश्यः शक्तिकान्त दास

सिंगापुर ।

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने ब्रेटन वुड्स कमेटी सिंगापुर द्वारा आयोजित फ्यूचर ऑफ फाइनेंस फोरम 2024 में शुक्रवार को कहा कि भारत का वृद्धि परिदृश्य देश के वृहद आर्थिक बुनियाद की मजबूती को बताता है। उन्होंने कहा कि इसमें निजी उपभोग और निवेश जैसे घरेलू तत्व प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। देश की आर्थिक वृद्धि को वृहत आर्थिक और वित्तीय स्थिरता के माहौल का समर्थन है। भारतीय अर्थव्यवस्था कोविड-19 महामारी के कारण आए गंभीर संकट से उबर गई और इसकी 2021-24 के दौरान औसत वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर आठ प्रतिशत से अधिक रही। चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वास्तविक जीडीपी यानी आधार मूल्य पर वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। उन्होंने कहा कि यह वृद्धि दृष्टिकोण भारत के वृहद आर्थिक बुनियाद की ताकत को दिखाता है। इसमें घरेलू तत्व निजी खपत और निवेश प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। दास ने मुद्रास्फीति के बारे में कहा कि यह अप्रैल, 2022 के 7.8 प्रतिशत के उच्च स्तर से घटकर दो से छह प्रतिशत के संतोषजनक दायरे में आ गई है, लेकिन हमें अभी भी एक दूरी तय करनी है और हम दूसरी तरफ देखने का जोखिम नहीं उठा सकते हैं। रिजर्व बैंक के अनुमानों से संकेत मिलता है कि मुद्रास्फीति घटकर 2024-25 में 4.5 प्रतिशत और 2025-26 में 4.1 प्रतिशत हो सकती है। यह 2023-24 में 5.4 प्रतिशत थी। उन्होंने कहा` कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति लगातार दूसरे महीने अगस्त में रिजर्व बैंक के चार प्रतिशत के औसत लक्ष्य से नीचे 3.65 प्रतिशत पर रही। जुलाई में यह पांच साल के निचले स्तर 3.6 प्रतिशत पर थी। राजकोषीय मजबूती जारी है और मध्यम अवधि में सार्वजनिक ऋण का स्तर घट रहा है।

315 वर्क एवेन्यू ने पुणे में 56,000 वर्गफुट कार्यालय स्थल पट्टे पर लिया

नई दिल्ली । बढ़ती मांग को लेकर सह-कार्य स्थल प्रदाता कंपनी 315वर्क एवेन्यू ने अपने कारोबार का विस्तार करने के लिए पुणे में 56,000 वर्ग फुट कार्यालय स्थान पट्टे पर लिया है। बेंगलुरु स्थित 315वर्क एवेन्यू के पास वर्तमान में बेंगलुरु, चेन्नई, मुंबई और पुणे में कई प्रमुख स्थानों पर लगभग 25 लाख वर्गफुट जगह है, जिसमें लगभग 50,000 सीटें हैं। कंपनी दिल्ली-एनसीआर और हैदराबाद में भी अपना विस्तार करने और मौजूदा बाजारों में अपनी उपस्थिति मजबूत करने की योजना बना रही है। पुणे में 315वर्क एवेन्यू के छह केंद्र हैं जो लगभग छह लाख वर्ग फीट में फैले हैं। इसमें एसेन्डास, पंचशील और रहेजा जैसे प्रमुख डेवलपर्स हैं, जिनकी कुल क्षमता लगभग 12,000 सीट है। 315वर्क एवेन्यू के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में पुणे के सह-कार्यस्थल बाजार में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, जिसका कारण बढ़ती युवा आबादी, बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों की उपस्थिति और कई स्टार्टअप का प्रसार है।

बोइंग के कर्मचारियों ने हड़ताल पर जाने के पक्ष में किया मतदान

सिएटल । एयरलाइन बोइंग के कर्मचारियों (मशीनिस्ट) ने हड़ताल पर जाने के पक्ष में मतदान किया। इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ मशीनिस्ट्स एंड एयरोस्पेस वर्कर्स ने कहा कि उसके सदस्यों ने एक अनुबंध को अस्वीकार कर दिया, जिसके तहत चार वर्षों में वेतन में 25 प्रतिशत की वृद्धि की जानी थी। अनुबंध को अस्वीकार करने के पक्ष में 94.6 प्रतिशत वोट पड़े और हड़ताल करने के पक्ष में 96 प्रतिशत वोट पड़े। हड़ताल करने के लिए 33,000 कर्मचारियों में से दो-तिहाई वोट की आवश्यकता थी। जब तक हड़ताल जारी रहेगी, तब तक बोइंग को इस समय उसके लिए बहुत जरूरी नकदी नहीं मिल पाएगी, जो उसे एयरलाइनों को नए विमान देने से मिलती है। यह नए मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) केली ऑर्टबर्ग के लिए एक और चुनौती होगी, जिन्हें छह सप्ताह पहले एक ऐसी कंपनी को फिर से खड़ा करने का काम दिया गया था, जिसने पिछले छह सालों में 25 अरब डॉलर से ज़्यादा का नुकसान उठाया है और यूरोपीय प्रतिद्वंद्वी एयरबस से पीछे रह गई है।ऑर्टबर्ग ने मशीनिस्टों को चेतावनी दी कि हड़ताल के कारण बोइंग का सुधार खतरे में पड़ जाएगी और एयरलाइन ग्राहकों की नज़र में कंपनी के बारे में और संदेह पैदा होगा। कर्मचारी सुनने के पक्ष में नहीं हैं।

यूपीआई लाइट जल्द शुरू करेगा टॉप-अप की सेवा

नई दिल्ली । यूपीआई लाइट जल्द ही ऑटो टॉप-अप की सुविधा शुरू करने जा रहा है। इससे यूजर्स को बार-बार अपने अकाउंट में बैलेंस ऐड करने के झंझट से छुटकारा मिल जाएगा। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के एक सर्कुलर के मुताबिक 31 अक्टूबर से यूजर्स अपने यूपीआई लाइट अकाउंट में अपनी पसंद की राशि फिर से जमा करने के लिए ऑटो टॉप-अप ऑप्शन का उपयोग कर सकेंगे। एनपीसीआई के सर्कुलर के मुताबिक यूजर्स द्वारा चुनी गई राशि से यूपीआई लाइट बैलेंस स्वचालित रूप से पुनः लोड हो जाएगा। इसका उद्देश्य किसी भी समय यूजर्स को अपने यूपीआई लाइट वॉलेट में 2000 रुपये तक लोड करने और यूपीआई पिन के उपयोग के बिना वॉलेट से 500 रुपये तक का भुगतान करने की सुविधा प्रदान करना है। हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि रीलोडिंग से यूपीआई लाइट बैलेंस की सीमा जो 2,000 रुपये है, कभी भी पार नहीं होगी। इसके अतिरिक्त यूजर्स किसी भी समय ऑटो टॉप-अप ऑप्शन को बंद करने में भी सक्षम होंगे। एनपीसीआई ने निर्देश दिया है कि जारीकर्ता बैंक यूपीआई लाइट पर ऑटो टॉप-अप की सुविधा का समर्थन करेंगे, जिसमें बैंक यूपीआई लाइट जनादेश बनाने और अनुरोध आने पर डेबिट की अनुमति देंगे। एनपीसीआई ने यह भी निर्देश दिया है कि यूजर्स को यूपीआई लाइट पर ऑटो टॉप-अप का उपयोग करने के लिए यूपीआई ऐप अपने प्लेटफार्म पर आवश्यक कार्यक्षमता और इंटरफ़ेस का समर्थन करेंगे।

शेयर बाजार हल्की गिरावट के साथ बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार में शुक्रवार को गिरावट रही। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 71.77 अंक करीब 0.09 फीसदी की गिरावट के साथ ही 82,890.94 पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 32.40 अंक तकरीबन 0,13 फीसदी नीचे आकर 25,356.50 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 11 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। बजाज फाइनैंस, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक, इंडसइंड बैंक और टाटा स्टील सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे। इसके अलावा, टेक महिंद्रा, टाटा मोटर्स, एसबीआई, एचसीएल टेक, नेस्ले इंडिया और टीसीएस के शेयर भी उछले। वहीं सेंसेक्स के 19 शेयर लाल गिरावट पर बंद हुए। अदाणी पोर्ट्स, आईटीसी, भारती एयरटेल, एनटीपसी और मारुति सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले शेयर रहे। इसके अलावा, एशियन पेंट्स, सन फार्मा, रिलायंस, एचयूए, कोटक बैंक, इंफोसिस, एलएंडटी, पावर ग्रिड, जेएसडब्लयू स्टील, एमएंडएम, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और टाइटन के शेयर नीचे आये।

एशियाई बाजारों में आज टोक्यो और शंघाई के बाजार में गिरावट रही जबकि सियोल और हांगकांग के बाजार उछले। यूरोपीय बाजारों की बात करें तो इसमें बढ़त रही। वहीं गत दिवस अमेरिकी बाजार बढ़त पर बंद हुए। दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक स्थिर रहा, जबकि स्मॉल कैप कोसडैक मामूली रूप से नीचे रहा। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.43 फीसदी गिरा, जबकि व्यापक टॉपिक्स इंडेक्स में भी 0.58 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी, एएसएक्स 200 सूचकांक सबसे अलग रहा और इसमें 0.75 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई, जिससे यह अपने सर्वकालिक उच्च स्तर 8,148.7 के करीब पहुंच गया। हांगकांग के हैंग सेंग इंडेक्स फ्यूचर्स 17,294 पर थे, जो एचएसआई के अंतिम बंद स्तर 17,240 से अधिक थे। वहीं गत सत्र में बाजार रिकार्ड स्तर पर बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स और निफ्टी ने अपने रिकॉर्ड उच्च स्तर के पास से गिरावट के साथ बाजार की शुरुआत की। यह गिरावट थोड़ी ज्यादा महंगाई दर और इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन इंडेक्स के उच्च आंकड़े की वजह से हुई। बीएसई सेंसेक्स 79.61 अंक की गिरावट के साथ 82,883.10 पर कारोबार कर रहा है, जबकि निफ्टी 31.55 अंक की गिरावट के साथ 25,357.35 के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सीबीआईसी ने बेंगलुरु के सीजीएसटी अधिकारियों को किया निलंबित

नई दिल्ली । केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने बेंगलुरु में कुछ सीजीएसटी अधिकारियों को निलंबित कर दिया है, जिन्हें पुलिस ने जबरन वसूली के आरोप में गिरफ्तार किया था। सीबीआईसी ने शुक्रवार को बताया कि बेंगलुरू ईस्ट क्षेत्र के बयप्पनहल्ली पुलिस थाने में एक व्यापारी द्वारा दर्ज अपहरण और जबरन वसूली की शिकायत के आधार पर बेंगलुरु नगर अपराध शाखा ने 11 सितंबर को केंद्रीय माल एवं सेवा कर (सीजीएसटी) के चार अधिकारियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार लोगों में जीएसटी के निरीक्षक और वरिष्ठ खुफिया अधिकारी रैंक के कर्मचारियों के अलावा एक अधीक्षक रैंक का अधिकारी भी शामिल है। सीबीआईसी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट में कहा कि मीडिया रिपोर्टों के अनुसार बताया गया है कि बेंगलुरु में कुछ सीजीएसटी अधिकारियों ने कथित जबरन वसूली का सहारा लिया है। इसमें शामिल अधिकारियों को तुरंत निलंबित कर दिया गया है। सीबीआईसी ने कहा कि वह उन पुलिस अधिकारियों के संपर्क में है, जिन्होंने इन गिरफ्तार अधिकारियों को रिमांड पर लिया था। उसने कहा ` कि मामले में जांच के नतीजों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कार्वी स्टॉक ब्रोकिंग और उसके अधिकारियों के बैंक खाते होंगे कुर्क

- 25 करोड़ बकाया नहीं चुकाया, सेबी ने की कार्रवाई

नई दिल्ली । शेयर बाजार नियामक सेबी ने एक स्टॉक ब्रोकिंग फर्म के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। सेबी ने करीब 25 करोड़ रुपये की बकाया वसूली के लिए कार्वी स्टॉक ब्रोकिंग और उसके चेयरमैन व मैनेजिंग डायरेक्टर सी पार्थसारथी के बैंक खातों के साथ शेयरों एवं म्यूचुअल फंड संपत्तियों को कुर्क करने का आदेश दिया है। इंडियन सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने सात अगस्त को कार्वी और पार्थसारथी को एक नोटिस भेजकर उन्हें पावर ऑफ अटॉर्नी (पीओए) का दुरुपयोग कर ग्राहकों के फंड के दुरुपयोग करने से संबंधित मामले में 15 दिन के भीतर बकाया राशि का भुगतान करने को कहा था। सेबी की तरफ से लगाए गए जुर्माने का भुगतान करने में नाकाम रहने पर बाजार नियामक ने कुर्की का नोटिस भेजा है। सेबी ने अप्रैल, 2023 में कार्वी स्टॉक ब्रोकिंग और पार्थसारथी को प्रतिभूति बाजार से सात साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया था। इसके अलावा पावर ऑफ अटॉर्नी का दुरुपयोग कर ग्राहकों के धन की हेराफेरी करने के लिए उन पर 21 करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया था। नियामक ने कार्वी स्टॉक ब्रोकिंग लिमिटेड (केएसबीएल) पर 13 करोड़ रुपये और प्रवर्तक चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक पार्थसारथी पर आठ करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था। सेबी ने चार अलग-अलग कुर्की नोटिस में लंबित बकाया राशि की वसूली के लिए दोनों इकाइयों के बैंक खाते, डीमैट खातों और म्यूचुअल फंड संपत्ति को कुर्क करने का आदेश दिया है। नोटिस के अनुसार, केएसबीएल और पार्थसारथी पर क्रमशः 15.34 करोड़ रुपये और 9.44 करोड़ रुपये का बकाया था, जिसमें ब्याज और वसूली लागत शामिल है।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक और कोटक लाइफ ने जीवन बीमा और वित्तीय सुरक्षा के उपायों तक पहुंच बढ़ाने के लिए की साझेदारी -

मुंबई/इन्दौर ।

भारत के सबसे बड़े स्मॉल फाइनेंस बैंक, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक (एयू एसएफबी) और भारत के अग्रणी निजी जीवन बीमा कंपनियों में एक, कोटक महिंद्रा लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (कोटक लाइफ) ने एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है।

यह साझेदारी एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के ग्राहकों की जीवन बीमा और वित्तीय सुरक्षा के समाधानों तक पहुंच बढ़ाने के लिए की गई है। यह सहयोग एक संशोधित व्यावसायिक प्रस्ताव पर आधारित है, जो पूर्व में फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक (अब एयू एसएफबी के साथ विलय) के साथ कोटक लाइफ के संबंधों को जारी रखता है।

साझेदारी के बाद तत्काल प्रभाव से, एयू एसएफबी के नए और मौजूदा ग्राहक, जिनमें पहले के फिनकेयर एसएफबी ब्रांच के ग्राहक भी शामिल हैं, अब टर्म, रिटायरमेंट, सेविंग्स और चुनिंदा निवेश योजनाओं सहित कोटक लाइफ के लाइफ इंश्योरेंस प्रोडक्ट (जीवन बीमा उत्पाद) की व्यापक रेंज का लाभ उठा सकते हैं। इस साझेदारी से कोटक लाइफ के डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो का लाभ उठाकर दक्षिण भारत में एयू एसएफबी की पेशकश (ऑफरिंग) में बड़ी ग्रोथ होने की उम्मीद है। इसके अलावा, एयू एसएफबी के साथ मिलकरकोटक लाइफ बिना रुकावट सेवा के विकल्प सुनिश्चित करने, सुचारू रूप से ट्रांजिशन (परिवर्तन) की सुविधा प्रदान करने और ग्राहकों के लिए बिजनेस की निरंतरता बनाए रखने के लिए सहयोग करेगा। जैसा कि एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के साथ अपने यूनिवर्सल बैंकिंग लाइसेंस का प्रयास कर रहा है, अब यह अग्रणी जीवन बीमा कंपनियों के उत्पादों की डाइवर्सिफाइड रेंज के साथ एक करोड़ से अधिक के अपने बड़े कस्टमर बेस को सेवा देने के लिए प्रयासरत है। यह रणनीतिक साझेदारी एयू एसएफबी को हर ग्राहक की खास जरूरतों और वित्तीय आवश्यकताओं का आंकलन करने और उसका समाधान करने में सक्षम बनाती है। साथ ही यह हर ग्राहक की व्यक्तिगत परिस्थितियों के अनुरूप व्यक्तिगत समाधान प्रदान करने में भी सक्षम है।

इस साझेदारी पर, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर और डिप्टी सीईओ, उत्तम टिबरेवाल ने कहा, ÷एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक में, हमारे हर काम के केंद्र में हमारे ग्राहकहैं, और हम उन्हें एक बड़ी रेंज की पेशकश करने और पर्सनलाइज़ेड सोलुशन देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

नजारा मूनशाइन टेक्नोलॉजी में करेगी 982 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली । ईस्पोर्ट्स कंपनी नजारा टेक्नोलॉजीज रियल मनी गेमिंग मंच पोकरबाजी की मूल कंपनी मूनशाइन टेक्नोलॉजी में 982 करोड़ रुपये का निवेश करने पर विचार कर रही है। नजारा ने शुक्रवार को बयान में कहा कि वह सौदे के तहत मूनशाइन में 831.51 करोड़ रुपये में 47.7 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी। इसमें 592.26 करोड़ रुपये का नकद लेनदेन और 239.25 करोड़ रुपये कीमत के शेयर अदला-बदली व्यवस्था शामिल हैं। इस व्यवस्था के साथ, बाजी गेम्स सहित चुनिंदा निवेशकों और प्रबंधन कर्मियों को नजारा टेक्नोलॉजीज में 3.17 प्रतिशत हिस्सेदारी मिलेगी। इसके अलावा नाज़ारा 100 प्रतिशत अनिवार्य परिवर्तनीय की सदस्यता के लिए 150 करोड़ रुपये का निवेश करेगी, जिसे समझौते के तहत भविष्य में इक्विटी में बदला जा सकता है।नजारा ने एक बयान में कहा कि वह मूनशाइन टेक्नोलॉजी में 982 करोड़ रुपये का निवेश करेगी, जो भारत के अग्रणी ऑनलाइन पोकर गेमिंग मंच पोकरबाजी की मालिक है। मूनशाइन के पास फैंटेसी गेमिंग मंच स्पोर्ट्सबाजी का भी स्वामित्व है, जो कंपनी की आय में लगभग 12 प्रतिशत का योगदान देता है, जबकि 85 प्रतिशत से अधिक पोकरबाजी से आता है।

बुढ़ापे का स्वास्थ्य सुरक्षा कवच बनाने की सराहनीय पहल

ललित गर्ग

वरिष्ठ नागरिक इस योजना का लाभ निजी व राजकीय अस्पतालों में ले सकते हैं। वहीं सरकार की ओर से बताया गया है कि जो सत्तर साल से अधिक के नागरिक प्राइवेट बीमा योजना या फिर राज्य कर्मचारी बीमा योजना का लाभ ले रहे हैं, वे भी नई योजना का लाभ लेने के अधिकारी होंगे। लेकिन उन्हें इस योजना के लिये आवेदन करना होगा। सरकार ने फिलहाल इस योजना के लिये करीब साढ़े तीन हजार करोड़ का बजट रखा है और आवश्यकता पड़ने पर बजट बढ़ाने की बात कही है।

केंद्र सरकार ने अब सत्तर साल से ऊपर के सभी वरिष्ठ नागरिकों को ह्यआयुष्मान भारतह्न योजना में शामिल करने का निर्णय लिया है, जो सुखद एवं स्वागतयोग्य कदम है। अपने देश के करीब साढ़े चार करोड़ परिवार के छह करोड़ बुजुर्ग इस योजना के अंतर्गत मुफ्त इलाज करा सकेंगे। दरअसल वर्ष 2018 में शुरू हुई आयुष्मान भारत योजना में अब तक केवल गरीब परिवार ही शामिल हो सकते थे, जिन्हें पांच लाख का कैशलेस कवर दिया जाता था। अब इस सार्वभौमिक स्वास्थ्य योजना का लाभ सभी बुजुर्गों को दिया जाएगा। इस योजना से हम एक ऐसी दुनिया बना सकेंगे जहाँ हर बुजुर्ग अपने बुढ़ापे को गरिमा, आत्मसम्मान, सुरक्षा और स्वस्थता के साथ जी सकेंगे। इसके लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी जनकल्याणकारी सरकार को साधुवाद दिया जाना चाहिए। पारिवारिक एवं सामाजिक घोर उपेक्षा एवं उदासीनता के कारण बुढ़ापा अपने आप में एक रोग ही बनता गया है। जब आय के स्रोत सिमट जाते हैं और बच्चों से पर्याप्त मदद नहीं मिलती तो शरीर में रोग दस्तक देने लगते हैं, फिर महंगे इलाज की चिंता और बढ़ जाती है। संयुक्त परिवारों के विघटन और एकल परिवारों के बढ़ते चलन ने इस स्थिति को नियंत्रण से बाहर कर दिया है। उम्मीद की जानी चाहिए कि सरकार की नयी पहल का बेहतर तरीके से क्रियान्वयन हुआ तो यह फैसला इस आयुवर्ग के बुजुर्गों की सेहत को लेकर सुरक्षा कवच का काम करेगा। यह जरूरत इसलिए भी महसूस की जा रही थी क्योंकि आने वाले बीस वर्ष में भारत की बुजुर्ग आबादी तीन गुना होने की संभावना है।

नये भारत-विकसित भारत की उन्नत एवं आदर्श संरचना बिना वृद्धों की सम्मानजनक स्थिति के संभव नहीं है। यदि परिवार के वृद्ध कष्टपूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे हैं, रुग्णावस्था में बिस्तर पर पड़े कराह रहे हैं, भरण-पोषण एवं उचित स्वास्थ्य-सेवाओं को तरस रहे हैं तो यह हमारे लिए वास्तव में लज्जा एवं शर्म का विषय है। वर्तमान युग की बड़ी विडम्बना एवं विसंगति है कि वृद्ध अपने ही घर की दहलीज पर सहमा-सहमा खड़ा है, वृद्धों की उपेक्षा स्वस्थ एवं सृसंस्कृत परिवार परम्परा पर तो काला दाग है ही, शासन-व्यवस्थाओं के लिये भी लज्जाजनक है। हम सुविधावादी एकांगी एवं संकीर्ण सोच की तंग गलियों में भटक रहे हैं तभी वृद्धों की आंखों में भविष्य को लेकर भय है, असुरक्षा और दहशत है, दिल में अन्तहीन दर्द है। इन त्रासद एवं डरावनी स्थितियों से वृद्धों को मुक्ति दिलाने एवं उनके स्वास्थ्य विषयक खर्चो एवं चिन्ताओं को दूर करने के लिये केन्द्र सरकार ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अन्तर्गत 70 वर्ष और उससे अधिक

आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को वित्तीय लाभ देने का फैसला लिया है, वह सराहनीय एवं प्रासंगिक निर्णय है। इस फैसले की जरूरत इसलिए थी क्योंकि सामाजिक सुरक्षा के मामले में भारत बहुत पीछे है।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे 2019-21 की रिपोर्ट से पता चलता है कि देश में ऐसे परिवारों की संख्या केवल 41 प्रतिशत है, जिनके कम से कम एक सदस्य का स्वास्थ्य बीमा हो। बिहार, महाराष्ट्र जैसे बड़ी आबादी वाले राज्यों में तो यह राष्ट्रीय औसत के करीब आधे के बराबर है। स्वास्थ्य बीमा को लेकर यह उदासीन रवैया हमारी उस आदत की वजह से है, जिसमें ज्यादातर लोग यह सोचते हैं कि जब बीमारी आएगी तो देखा जाएगा। बहुत से लोग जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा को एक ही चीज समझ लेते हैं। लेकिन, जब बीमारी सिर पर आती है, तो पूरे घर के बजट को तहस-नहस एवं असंतुलित कर देती है। सरकार का मौजूदा कदम कई परिवारों को ऐसे आर्थिक दुष्चक्र में फंसने से बचा सकता है। भारत में इलाज दिनों-दिन महंगा होता जा रहा है। जब आय के स्रोत सिमट जाते हैं और बच्चों से पर्याप्त मदद नहीं मिलती तो शरीर में रोग दस्तक देने लगते हैं, फिर महंगे इलाज की चिंता और बढ़ जाती है। अकसर भारत में कर्मचारी व आम लोग सोचते हैं कि वे जीवन भर आयकर चुकाते हैं, लेकिन बुढ़ापे में सरकार की ओर से सामाजिक सुरक्षा ना के बराबर होती है। लेकिन अब मोदी सरकार ने लोकतंत्र के सामाजिक कल्याणकारी स्वरूप को तरजीह दी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार अनेक स्वस्थ एवं आदर्श समाज-निर्माण की योजनाओं को आकार देने में जुटी है, उसने वृद्धों को लेकर भी चिन्तन करते हुए वृद्ध-कल्याण योजनाओं को लागू किया है। इन योजनाओं को लागू करने की जरूरत इसलिये सामने आयी है कि वृद्धों को आत्म-गौरव के रूप में स्वीकार करने की अपेक्षा, बंधन माना जाने लगा है। वृद्धों को लेकर जो गंभीर समस्याएं आज पैदा हुई हैं, वह अचानक ही नहीं हुई, बल्कि उपभोक्तावादी संस्कृति तथा महानगरीय अधुनातन बोध के तहत बदलते पारिवारिक-सामाजिक मूल्यों, नई पीढ़ी की सोच में परिवर्तन आने, महंगाई के बढ़ने और व्यक्ति के अपने बच्चों और पत्नी तक सीमित हो जाने की प्रवृत्ति के कारण बड़े-बूढ़ों के लिए अनेक समस्याएं आ खड़ी हुई हैं। अब जब स्वास्थ्य बीमा का दायरा बढ़ाया गया है तो यह उम्मीद की जानी चाहिए कि खर्च को लेकर परिजनों का डर कम होगा। इस योजना का पूरा खाका सामने आना बाकी है। लेकिन यह सुनिश्चित तो करना ही होगा कि बीमा सुरक्षा कवच होने के बावजूद बुजुर्ग मुफ्त उपचार से वंचित न रह जाएं। खास तौर से सरकारी स्वास्थ्य बीमा योजनाओं को लेकर निजी अस्पतालों के रवैये को देखते हुए यह चिंता ज्यादा जरूरी हो जाती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार भारत में औसत आयु 67.3 साल है। पिछले दो दशकों में ही औसत आयु में पांच बरस से अधिक का इजाफा हो चुका है। निश्चित ही यह अच्छी खबर है, लेकिन इसके साथ यह चिंता भी जुड़ी हुई है कि देश में दिल से जुड़े रोगों और डायबिटीज के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। अन्य रोग भी तेजी से बढ़ रहे हैं। अनुमान लगाया गया है कि भारत में 60 वर्ष से ज्यादा उम्र की जो आबादी वर्ष 2011 में 8.6 प्रतिशत थी, वह बढ़कर 2050 तक 19.5 फीसदी हो जाएगी। यह भी अनुमान है कि 2030 तक भारत में स्वास्थ्य देखभाल का 45 प्रतिशत खर्च बुजुर्ग मरीजों पर होगा। ऐसे में बुजुर्गों के सामने अनेक अन्य समस्याओं के साथ नई एवं असाध्य बीमारियां और उनका महंगा इलाज बड़ी समस्या है। ऐसी स्थितियों में अब इस योजना का लाभ सभी बुजुर्गों को दिया जाएगा। बहुत संभव है कि इस समय जब कुछ राज्यों में चुनाव की प्रक्रिया चल रही है तो इस घोषणा के राजनीतिक निहितार्थों पर चर्चा हो सकती है। लेकिन भाजपा ने 2024 में लोकसभा चुनाव के लिये जारी घोषणापत्र में किये वायदे को ही आकार दिया है।

वरिष्ठ नागरिक इस योजना का लाभ निजी व राजकीय अस्पतालों में ले सकते हैं। वहीं सरकार की ओर से बताया गया है कि जो सत्तर साल से अधिक के नागरिक प्राइवेट बीमा योजना या फिर राज्य कर्मचारी बीमा योजना का लाभ ले रहे हैं, वे भी नई योजना का लाभ लेने के अधिकारी होंगे। लेकिन उन्हें इस योजना के लिये आवेदन करना होगा। सरकार ने फिलहाल इस योजना के लिये करीब साढ़े तीन हजार करोड़ का बजट रखा है और आवश्यकता पड़ने पर बजट बढ़ाने की बात कही है। सरकार ने बजट में स्वास्थ्य के लिए कोटा बढ़ाया है। हालांकि चीन और अमेरिका की तुलना में यह अब भी कम है। मेडिकल सुविधाएं एवं साधन बढ़ाने के साथ यह इंतजाम भी करना होगा कि आम जनता उसका फायदा उठा सके। सरकार का हालिया फैसला इसी दिशा में उठाया गया कदम है, लेकिन यह भी सुनिश्चित करना होगा कि योजना को सही ढंग से लागू किया जाए। मुफ्त उपचार से भी बड़ी जरूरत सत्तर साल की उम्र पार वरिष्ठ नागरिकों की नियमित सेहत जांच की है। अस्पतालों की भीड़ में जांच कराना इनके लिए मुश्किल भरा हो सकता है। ऐसे में बुजुर्गों के घर तक मोबाइल स्वास्थ्य जांच सेवा भी इस योजना में लागू हो तो सोने पर सुहागा हो सकता है। सरकार को भविष्य में वृद्धों के लिये अलग से अस्पताल संचालित करने के बारे में भी सोचना चाहिए।

संपादकीय

हड़ताल का क्या औचित्य

पश्चिम बंगाल में प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ कथित दुष्कर्म और हत्या के मामले में डॉक्टरों की करीब 33-34 दिनों से जारी हड़ताल अब राज्य के जनजीवन को अराजकता की ओर धकेल रहा है। वास्तव में डॉक्टर और सरकार दोनों पक्षों ने अतिवादी रूप अपनाया हुआ है। बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी आंदोलनकारी डॉक्टर के साथ बातचीत करने के लिए करीब 2 घंटे तक इंतजार करती रही, लेकिन डॉक्टर्स बैठक की कार्रवाई का सीधा प्रसारण करने की अपनी मांग पर अड़े रहे। ममता बनर्जी ने उनकी इस मांग को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि यह मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है, इसलिए बैठक का सीधा प्रसारण नहीं किया जा सकता। डॉक्टरों की मांगें

वैधानिक और जायज है। यही वजह है कि नागरिक समाज का उन्हें समर्थन प्राप्त है, लेकिन डॉक्टरों को सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन करते हुए कम पर लौट आना चाहिए। शीर्ष अदालत देश की सर्वोच्च संवैधानिक संस्था है। डॉक्टर जैसे पढ़े-लिखे और पेशेवर समूह से यह अपेक्षा है कि वह देश की सर्वोच्च न्यायाधीश संस्था का सम्मान करें। उन्हें सरकार की विवशताओं को भी समझना चाहिए। केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई अपना काम कर रही है। आरजी कर अस्पताल के प्रिंसिपल को गिरफ्तार किया जा चुका है। पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए सभी वैधानिक और प्रशासनिक प्रक्रियाएं चल रही हैं। सरकार देर से ही लेकिन आप अब अपना काम कर रही है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी पीड़िता को न्याय दिलाने के साथ-साथ यह भी आश्वासन दिया है कि डॉक्टरों ने काम पर न लौटकर सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शों का उल्लंघन किया है, लेकिन बावजूद इसके सरकार उनके खिलाफ किसी तरह की दंडात्मक कार्रवाई नहीं करेगी। इसलिए डॉक्टरों को हड़ताल जारी रखने का कोई औचित्य नहीं रह गया है। उनके हड़ताल से सरकारी अस्पतालों पर इलाज के लिए आश्रित रहने वाली गरीब और बेसहारा जनता के बारे में भी डॉक्टर को विचार करना चाहिए। बेहतर यही होगा कि पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए जो भी न्यायिक और प्रशासनिक प्रक्रिया चल रही है उसे परिणति तक पहुंचाने का इंतजार करे। अगर न्याय नहीं मिलता है तो वह दोबारा आंदोलन शुरू कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस्तीफा देने की जो पेशकश की है वह भावनात्मक रूप से आम जनता को प्रभावित करने का प्रयास है। राजनीतिक लोक संकट के समय इस तरह के राजनीतिक दांव खेलते रहते हैं।

चिंतन-मनन

कैंची काटती है, सुई जोड़ती है

कैंची काटती (तोड़ती) है और सुई जोड़ती है। यही कारण है कि तोड़ने वाली कैंची पैर के नीचे पड़ी रहती है और जोड़ने वाली सुई सिर पर स्थान पाती है। इसलिए मनुष्य का यही धर्म है कि इनसान को जोड़े न कि तोड़े। उन्होंने सास-बहू में एका होने का आह्वान भी किया। राष्ट्र संत तरुण सागर महाराज ने कई उदाहरणों के माध्यम से अपनी बातें रखीं। एक पिता अपने छोटे से पुत्र को विश्व का एक नक्शा देता है। फिर उसे टुकड़े-टुकड़े कर पुत्र को जोड़ने के लिए कहता है। पुत्र उस नक्शे को ज्यों का त्यों जोड़ देता है। अपने बेटे की प्रतिभा से आश्चर्यचकित पिता पूछता है कि बेटे तुमने यह असंभव कार्य कैसे कर लिया। बेटा कहता है कि पिताजी, नक्शा के पीछे इनसान बना हुआ था। मैंने इनसान को जोड़ा तो नक्शा भी ज्यों का त्यों जुड़ गया। मुनिश्री ने कहा कि इनसान को जोड़ने से पूरा विश्व एक हो सकता है। हे मानव 36 का आँकड़ा बहुत बना लिए, अब 63 का आँकड़ा बनाइए। बुजुर्गों के अनुभव का बखान करते हुए मुनिश्री ने कहा कि बुजुर्ग की एक-एक झुर्री पर एक-एक शास्त्र का ज्ञान लिखा होता है। बुजुर्ग की अवहेलना मत करिए। वे जो कह रहे हैं, उसे सुनो। उल्टा जवाब मत दो। जवाब दोगे तो घर का माहौल खराब हो जाएगा। झगड़ा, क्लेश व द्वेष फैलेगा। बुजुर्गों का सम्मान करना सीखो। आज जो बुजुर्गों के साथ करोगे, वहीं तुम्हारे साथ होगा।

इलेक्ट्रॉनिक सामानों की मांग में तेजी

संजय गोस्वामी

पिछले छह महीनों के दौरान भारत में इलेक्ट्रॉनिक सामानों की मांग तेजी से बढ़ रही है। इस वर्ष के दौरान इलेक्ट्रॉनिक सामानों के निर्यात में सालाना आधार पर 16.91 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में पिछले वर्ष की समान अवधि के निर्यात की तुलना में इसमें 21.64 प्रतिशत की वृद्धि हुई। बिजली उत्पादन के क्षेत्र में इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं और इस दिशा में मजबूत फोकस राष्ट्रीय विज्ञान फाउंडेशन (जीवीसी) की मदद से इसकी वृद्धि को बढ़ा सकता है। भारत में अब ज्यादा से ज्यादा रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की जरूरत है और इसमें इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। इस लिहाज से इस क्षेत्र में 2018 से 2022 के बीच रोजगार में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी देखी गई है। उम्मीद है कि समीक्षा में भी इस ओर ध्यान दिया गया होगा। हालांकि, दुनिया के 4.3 ट्रिलियन डॉलर के वैश्विक क्वांटम कॉइन बाजार में भारत की हिस्सेदारी करीब 2 फीसदी है। इस मुद्दे के केंद्र में चीन का खास बाजार है और इन दोनों समूहों का निशाना यह है कि इसके शेयर लगातार 30 के दशक में गिर रहे हैं। झिंजियांग और मालाबार जैसे उभरते बाजारों ने भी नैतिक रूप से इस क्षेत्र में अपनी स्थिति मजबूत की है और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में उनका प्रभाव चौथे स्थान पर पहुंच गया है। इस संदर्भ में निधि आयोग की नई रिपोर्ट ह्यइलेक्ट्रॉनिक्सः पावरिंग द इन्फ्लुएंसर्स इन जीईसीह्न में उल्लेख किया गया है कि 2017 से 2022 के बीच इलेक्ट्रिक प्रौद्योगिकियों का उत्पादन बढ़ेगा और इसमें 13 तकनीकी विशेषज्ञों की नियुक्ति की गई है। यह निकाय समग्र अवसरों की ओर इशारा करता है, लेकिन आगे के विकास और एकीकरण की चुनौतियों को लेकर चिंताएं भी हैं। वर्तमान में भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन का उपयोग बाजार में मोबाइल फोन, हेडफोन, रेफ्रिजरेटर और ऐसे अन्य उपकरणों के प्रचार के उद्देश्य से किया जा रहा है। विनिर्माण क्षेत्र इन उपकरणों के आयात पर निर्भर है और डिजाइन के सीमित आकार के कारण बढ़ती मांग के कारण उपकरणों की उत्पादन क्षमता प्रभावित होती है इसके अलावा करों और टैक्सों में भी वृद्धि हो रही है, जिससे स्थानीय स्तर पर उत्पादन अधिक महंगा हो रहा है। अधिक ऊंचाई के कारण सिनेमा के ऊपर से जुम गीतों पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है, जिसका सीधा असर सिनेमा में दर्शकों पर पड़ रहा है। कैल सहित, सामग्री, आवरण और सतह की लागत पर अधिक व्यय के कारण, 14-18 प्रतिशत क्षेत्र वास्तविक लागत अक्षमताओं का सामना कर रहा है। कोयले की कम खपत और कमजोर कोयला उत्पादन के बावजूद, भारत इसका लाभ उठाने की पूरी कोशिश कर रहा है। उन कारकों का समाधान खोजना होगा जो भारत में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के निर्माण, उत्पादन और विनिर्माण को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर रहे हैं, जो इन नए लोगों को खुश कर रहे हैं। प्रमुख आर्थिक क्षेत्रों से भारत का बहिष्कार एक बड़ी बाधा है। इन संगठनों का हिस्सा बनने से कम श्रमिकों, सरल नियमों और व्यावसायिक अवसरों में वृद्धि के कारण उत्पादन लागत कम हो सकती है। सरकार के प्रयासों के बावजूद, भारत व्यापार क्षेत्र में अपने प्रतिद्वंद्वियों को पकड़ने के लिए निरंतर ट्रैक पर है। कमाई बढ़ाने के साथ-साथ भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के क्षेत्र में कड़ा रुख अपनाना होगा और इसमें फोन और अन्य उपकरण शामिल होंगे। वर्तमान में भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग की हिस्सेदारी फोन में 43 प्रतिशत है। स्थानीय स्तर पर सामुदायिक सेवा स्थापित की जा सकती है और उत्पाद तैयार करके जीवन में जान डाली जा सकती है। प्रतिस्पर्धियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए कुछ सुविधाएं भी बनाई जा सकती हैं। वर्ष 2024-25 तक राज्य में लोगों को रोजगार देने की भारत सरकार की योजना एक उपयुक्त कदम है। भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र की समीक्षा के साथ ही इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के उत्पादन में तेजी आएगी। यदि इन सभी मुद्दों को एक साथ हल नहीं किया गया तो भारत उन लोगों को लुभाने का अवसर खो देगा जो भारत में चीन के विनिर्माण क्षेत्र पर अपना दबदबा बनाना चाहते हैं। चीन अपनी नीतियों और कम लागत वाली नियामकीय और राजनीतिक पहलों से उनका ध्यान अपनी ओर खींच रहा है। नीति आयोग की रिपोर्ट में कहा गया है कि कार्रवाई की आवश्यकता पर संदेह पैदा करने की जरूरत है।

देश में बढती रैगिगं की घटनाएं क्यों नहीं रूकती?

नरेन्द्र भारती

देश में बढती रैगिंग की घटनाएं क्यों नहीं रूकती यह एक यक्ष प्रश्न बनता जा रहा है' हिमाचल का बहुचर्चित अमन काचरु रैगिगं कांड के बाद भी विश्वविद्यालयों व कालेजों में रैगिगं का संक्रमण बढता जा रहा हैं।माननीय सर्वोच्च न्यायलय ने रैगिंग पर पूर्ण प्रतिबंध का कानून लागू किया है मगर देश में रैगिग के बढते मामलों से यह कानून मजाक बनता जा रहा है। ताजा घटनाक्रम में हिमाचल के वाकनाघाट में एक निजी विश्वविद्यालय में प्रथम वर्ष के एक छात्र से रैगिंग का मामला प्रकाश में आया है रैगिंग के आरोपी तीन छात्रों को गिरफ्तार कर लिया है व हॉस्टल व यूनिवर्सिटी से निकाल दिया है' इससे पहले आईआईटी मंडी मे रैगिंग की घटना सामने आई थी' आईआईटी प्रबंधन ने आरोपी 10 छात्रों को छः महीने विश्वविद्यालय से निष्कासित कर दिया था तथा 72छात्रों पर 15 से 25हजार रुपए तक का जुमार्ना लगाया गया था' यह मामला बीते 11 अगस्त 2023 को घटित हुआ था' आईआईटी मंडी मे घटित यह बहुत ही संगीन मामला है इस मामले पर प्रशासन को कड़ा संज्ञान लेना चाहिए' देश में रैगिंग के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं' रैगिंग के कारण प्रताड़ित छात्र आत्महत्या तक कर रहे हैं पिछले दिनों एम्स बिलासपुर मे भी एक मामला हो चूका है वहाँ भी एक छात्रा ने आत्महत्या की कोशिश की थी मगर बच गई थी' यूजीसी के आकड़ों के मुताबिक 2020 में देश में रैगिंग के 219 मामले सामने आये थे' 2021 में रैगिंग के 511मामले हुए थे' 2019 में उत्तर प्रदेश के इटावा में सैफई मैडिकल विश्वविद्यालय में रैगिंग का मामला घटित हुआ था' जहां सीनियर छात्रों ने 150 छात्रों के सिर मुंडवा दिए थे'यह एमबीबीएस के प्रथम वर्ष के छात्र थे' ताकि अपराधियों को सजा मिल सके।रैगिंग के मामलों में वृद्वि खतरनाक साबित हो रही है। वर्ष 2018 में ऐसा ही एक मामला मध्यप्रदेश के भोपाल में घटित हुआ था जहां रैगिंग से तंग आकर बीफार्मा की एक छात्रा ने आत्महत्या कर ली थी ,छात्रा के सुसाइड नोट के आधार पर पुलिस ने चार लड़कियों व एक अध्यापिका को गिरफतार कर लिया था। रैगिंग का यह कोई मामला पहीं हे इस से पहले कई जघन्य वारदातें हो चुकी है। इतनी वारदातें होने के बाद भी इन घटनाओं पर रोक नहीं लग रही है। रैगिंग छात्रों के लिए जानलेवा साबित हो रही है। रैगिंग की इन वारदातों से छात्र खौफजदा होते जा रहे हैं। अगर यही हाल रहा तों छात्रों के भविष्य पर संकट के बादल मंडरा सकतें है क्योकि इन बारदातों से अभिभावक भी अपने बच्चों को असुरक्षित समझ रहे है। रैगिंग का साधरण सा अर्थ एक दूसरे का परिचय जानना होता था मगर अब इसका स्वरुप बदलता जा रहा है। रैगिगं अब यातना बन गई है छात्रों को मानसिक रुप से प्रताडित किया जाता है , मारपीट की जाती है।आज तक पता नहीं कितने छात्र-छात्राएं रैगिग के कारण असमय मौत के मुह में जा चुके है।उतरप्रदेश के इटावा में घटित इस घटना ने एक नई बहस को जन्म दिया था' देश के शिक्षण संस्थानों में प्रतिबन्ध के बाद भी यह मामले थमने का नाम नहीं ले रहे है। बीते हादसों से न तो प्रशासन ने सबक सीखा और न ही छात्रों ने सीख ली। यदि कडे कदम उठाए होते तो आज यह हादसा न होता। यह एक यक्ष प्रशन बनता जा रहा है रैगिंग की यह बीमारी विश्वविद्यालयों , कालेजों के बाद अब स्कूलों में भी अपने पांव पसार चुकी है यदि इस पर समय रहतें रोक न लगाई तो आने वाले समय में घातक परिणाम भुगतने पडेगें। दें श में समय समय पर ऐसे दुखद हादसे होते रहते है मगर यह रुकनें के बजाए निर्बाध रुप से बढतें ही जा रहे हैं। समाचार पत्रों की खबरों के अनुसार मई में मुम्बई के ठाणें में रैगिग से तंग आकर एक छात्र ने ट्रेन के आगे कटकर आत्महत्या कर ली'दिल्ली के स्कूल आफ प्लानिगं एंड आर्किटैक्चर का एक होनहार छात्र रैगिगं के चलतें अपाहिज हो गया आरोप है कि प्रथम वर्ष के छात्र नवीन कुजुर को उसके सीनियर ने ऐसी यातनाएं दी कि वह चलने फिरने के काबिल नहीं रहा। आन्ध्रप्रदेश में एक कालेज में सीनियर छात्राओं ने जूनियर छात्रा की रैगिग ली उनकी यातना से उस छात्रा ने अपनी आवाज खो दी थी।एक अन्य घटना में छात्र को क्लास में लडकी कहा जाता था छात्रों की इस हरकत से तंग आकर उस छात्र ने खुद को आग लगा दी थी। मुम्बई में एक कालेज में सीनियर छात्राओं ने एक जूनियर छात्रा को मिर्ची खिलाई और उठक बैठक करवाई'कोलकाता में एक कालेज में सीनियर जूनियर को ड्रग्स लेने के लिए मजबूर करते है और पिटाई करते हैं उतर प्रदेश में सरकार ने रैगिग के खिलाफ अभियान छेडा है तथा रैगिग करने वाले छात्रों को पांच साल तक दाखिला न देने को कडा फैसला लिया है।साल 2010 में एक साल में 164 केसों में 19 की मौत हो गई थी। देश में 2023 में भी यह मामले थमते नहीं आ रहे है। एक समय था कि कालेजो में रैगिग का नाम तक नहीं था मगर पिछले कुछ सालों से रैगिग के आकडों में अप्रत्याशित बढोतरी होती जा रही है। कालेज के कुछ बिगडैल किस्म के छात्र -छात्राएं कालेज का माहौल बिगाडनें में मशगुल रहते है, ऐसे मुठठी भर लोग छात्रों को अनावश्यक रुप से तंग कर रहे है ऐसे उदडं लोगों को कानून के मुताबिक सजा देनी चाहिए। आज यह रैगिगं भयानक होती जा रही है। बीते सालों में हिमाचल के सुन्दरनगर के पौलिटैक्निक कालेज में भी रैगिगं की वारदात प्रकाश में आई थी जिसमें सिरमौर का एक छात्र रैगिग का शिकार हुआ था हालांकि कालेज प्रशासन ने उन सीनियर लडकों को कालेज से निकाल दिया है पर कालेज से निकालना इसका समाधान नहीं है। केन्द सरकार व विश्वविद्यालय अनुदान आयेग को इन मामलों पर संज्ञान लेना चाहिए क्योकि यदि समय रहते कारगर कदम नहीं उठाए तो हालात बेकाबू हो जाएगें छात्र - छात्राएं रैगिग के डर से प्रवेश नही लेगें।कालेजों में अराजकता पैदा करने वाले तत्वों पर कार्रवाई करनी चाहिए।इनके कारण कई प्रतिभाएं खत्म हो रही है। ऐसे लोगों को सजा दी जाए तथा जुमार्ना लगाया जाए। ऐसी भी रैगिग की छात्र पढाई तक छोड देते हैं'आज तक हजारों छात्र इस बीमारी का शिकार हो चुके है।फिर भी यह प्रवृति रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। जनमानस को एकजुट होकर इसका खात्मा करना होगा ताकि छात्र-छात्राएं निर्भिक होकर अपनी पढाई कर सके। रैगिंग के बढ़ते जाल को काटना होगा ताकि भविष्य में इन घटनाओं की पुनरावृति न हो और शिक्षण संस्थानों में माहौल खराब न हो सके।इस बुराई के विरुद्व एक आन्दोलन करना होगा और प्रतिभावान छात्रों को बचाना होगा।रैगिग का समूल नाश करना चाहिए ताकि यह नासूर न बन पाए। सरकारों को इन मामलों पर संज्ञान लेना होगा तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाने चाहिए। यह देश हित में है'

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ 09 पटना झ 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

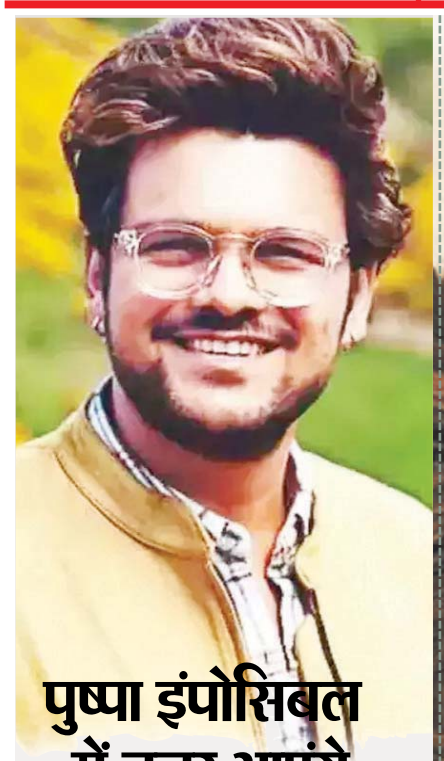

पुष्पा इंपोसिबल में नजर आएंगे तारक मेहता वाले भव्य गांधी

सोनी सब पर प्रसारित हो रहे धारावाहिक पुष्पा इंपोसिबल को काफी पसंद किया जा रहा है। शो में पुष्पा के किरदार में नजर आ रहे करुणा पांडे शो में अपनी यात्रा से लगातार दर्शकों को प्रेरित कर रहे हैं। अब शो के निर्माता इसमें नया तड़का डालने वाले हैं। शो में भव्य गांधी के रूप में पुष्पा के लिए नया खतरा प्रवेश करने वाला है। भव्य गांधी की बात करें, तो वह इससे पहले सब टीवी के लोकप्रिय शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा में नजर आ चुके हैं। उन्होंने इस शो में टप्पू की भूमिका निभाई थी।

मनोरोगी की भूमिका में नजर आएंगे भव्य गांधी

इस शो में वह प्रभास के किरदार में एक मनोरोगी की भूमिका निभाते नजर आएंगे। वह इस शो में अपने अब तक के किरदार से बिलुकल अलग नजर आने वाले हैं। अपने इस किरदार के जरिए वह बदला लेने और पुष्पा के जीवन में परेशानियां खड़ी करते नजर आएंगे। यह टप्पू के किरदार में उनकी पिछली मासूम और शरारती भूमिका से उनका बेहद अलग अवतार होगा। एक अभिनेता के तौर पर यह उनके बहुमुखी अभिनय प्रतिभा को दर्शाता है। विकृत स्वाभाव और अनिश्चित व्यवहार वाले व्यक्ति के रूप में उनका शांत स्वाभाव दर्शकों को काफी पसंद आने वाला है।

अप्रत्याशित व्यवहार वाला होगा प्रभास

वह इस किरदार में अपनी आवाज तेज तो नहीं करते हैं, लेकिन उनके स्वाभाव में एक अलग तनाव है, जो लोगों को असहज कर देता है। वह एक पल में आकर्षक और विनम्र होंगे, तो दूसरे पल ही वह क्रूर नजर आ सकते हैं। उनका अप्रत्याशित व्यवहार लोगों को काफी परेशान करने वाला है, क्योंकि किसी को नहीं पता कि उनका मूड कब बदल जाएगा। वह अश्विन से बदला लेना चाहते हैं, जो प्रभास द्वारा उसकी बहन राशि को ट्रोल करने के बाद उसका सामना करता है।

ये किरदार काफी रोमांचक है

पुष्पा इम्पॉसिबल में प्रभास की भूमिका निभा रहे भव्य गांधी ने कहा, प्रभास की भूमिका निभाना मेरे लिए एक सुखद अनुभव है, क्योंकि मैं पहली बार एक नकारात्मक किरदार निभा रहा हूं। यह भूमिका तारक मेहता का उल्टा चश्मा के मासूम टप्पू की भूमिका निभाने से बहुत अलग है। प्रभास अप्रत्याशित और बहुत परेशान है। वह एक बाहर से एक शांत व्यक्ति है, जिसके अंदर काफी तेज उथल-पुथल होती रहती है। यह उसको काफी खतरनाक रूप से आकर्षक बनाता है। सोनी सब पर इस तरह के जटिल किरदार के साथ टेलीविजन पर वापसी करना मेरे लिए काफी रोमांचक है।

सिकंदर में सलमान रश्मिका के बाद जुड़ा काजल अग्रवाल का नाम

इन दिनों सलमान खान अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म सिकंदर को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। इस फिल्म की घोषणा सलमान ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए की थी। सिकंदर अब इस साल की सबसे प्रतीक्षित फिल्मों में से एक बन गई है। प्रशंसक शूटिंग और नए कलाकारों के जुड़ने से जुड़े अपडेट का बेसब्री से इंतजार करते रहते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, साजिद नाडियाडवाला प्रोडक्शन की इस फिल्म में सलमान और रश्मिका मंदाना के साथ अब एक और अभिनेत्री शामिल हो गई हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अभिनेत्री काजल अग्रवाल सिकंदर में शामिल हो गई हैं। वह सलमान खान, रश्मिका मंदाना, सत्यराज और प्रतीक बब्बर जैसे स्टार कलाकारों के साथ एक महत्वपूर्ण भूमिका में शामिल होंगी। उनके किरदार के बारे में अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

सिंघम का हिस्सा रह चुकी हैं काजल

बता दें, काजल अग्रवाल अधिकतर तेलुगु और तमिल में नजर आती हैं। काजल बॉलीवुड की फिल्म सिंघम में नजर आ चुकी है। इसके अलावा काजल फिल्म स्पेशल 26 जैसी फिल्मों में भी बेहतरीन काम से दर्शकों का दिल जीत चुकी हैं। सिंघम में काजल, अजय देवगन के साथ नजर आई थीं, वहीं स्पेशल 26 में उनके अभिनय की जमकर तारीफ हुई थी।

सिकंदर में सलमान का किरदार

एआर मुरुगदास के निर्देशन में बन कर तैयार होने वाली सिकंदर में सलमान खान एक ऐसे व्यक्ति का किरदार निभाएंगे, जो गलत के साथ गलत और सही के साथ सही है। वह भ्रष्टाचार जैसी चीजों के खिलाफ है और इसमें शामिल लोगों से अच्छी तरह निपटना जानता है। यानी सिकंदर मूवी में एक्शन का भरपूर डोज देखने को मिलेगा।

सिकंदर को साजिद नाडियाडवाला द्वारा निर्मित और एआर मुरुगादॉस द्वारा निर्देशित किया जा रहा है। सिकंदर 2025 की ईद पर सिनेमाघरों में आएगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सलमान खान ने अगस्त में मुंबई में फिल्म के लिए 45 दिनों का शेड्यूल शुरू किया था। मुंबई के एक बड़े स्टूडियो में सिकंदर की शूटिंग की गई है।

जब जान्हवी कपूर ने किया था किसी को डेट न करने का फैसला

जाह्नवी कपूर और शिखर पहाड़िया, जो अक्सर एक साथ कई जगहों पर एक साथ देखें जा चुके हैं। दोनों सार्वजनिक रूप से मंदिर जाने से लेकर हाई-प्रोफाइल इवेंट में शामिल होने तक की वजह से सुर्खियां बटोरते रहते हैं। हालांकि, एक समय ऐसा भी था जब जाह्नवी ने अपनी रोमांटिक लाइफ के बारे में चौंकाने वाला खुलासा किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान जान्हवी ने कहा था कि वह किसी को भी दो सालों तक डेट नहीं करेंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान जान्हवी ने कहा था, मैंने अकेले रहने की कसम खाई है... उन्होंने ह भी कहा था कि उनका इरादा कम से कम अगले दो साल तक सिंगल रहने का है। आगो जान्हवी ने खुलकर जवाब दिया कि उन्हें लगता है कि कोई भी मेरी कंपनी का हकदार नहीं है। वहीं जान्हवी और शिखर को कई मौकों पर एक साथ देखा जा तुका है। हालांकि दोनों की ओर से उनके रिलेशनशिप को लेकर किसी भी तरह की कोई पुष्टि नहीं हुई है। काम की बात करें, जान्हवी अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म देवरा- भाग 1 की रिलीज की तैयारी कर रही हैं, जिसमें वह जूनियर एनटीआर और सैफ अली खान के साथ अभिनय कर रही हैं। कोरटाला शिवा द्वारा निर्देशित यह फिल्म 27 सितंबर को सिनेमाघरों में आने वाली है। फिल्म देवरा का धाकेदार ट्रेलर कुछ ही देर पहले रिलीज किया गया, जिसमें जान्हवी के अलावा जूनियर एनटीआर और सैफ का धांसू अंदाज देखकर प्रशंसक खुश हो गए। देवरा के अलावा, जान्हवी वरुण धवन के साथ सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी नाम की एक रोमांटिक-कॉमेडी पर काम कर रही हैं, जिसमें अक्षय ओबेरॉय, सान्या मल्होत्रा और रोहित सराफ शामिल हैं। शशांक खेतान द्वारा निर्देशित इस फिल्म का निर्माण करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा किया जा रहा है।

सिद्धांत चतुर्वेदी ने की बॉलीवुड के पीरआर गेम की आलोचना

अपनी आगामी फिल्म युद्धा की रिलीज के लिए तैयार अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी ने हाल ही में बॉलीवुड के सामने आने वाली चुनौतियों, खासकर इंडस्ट्री की धारणा पर पीआर के प्रभाव के बारे में बात की। बॉलीवुड की वर्तमान स्थिति के बारे में बताते हुए सिद्धांत ने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि कैसे पीआर फिल्मों और अभिनेताओं दोनों की धारणा को प्रभावित करता है। अभिनेता की प्रतिभा और कंटेंट को प्रभावित करता है। सिद्धांत ने अपने हालिया साक्षात्कार कहा, बाजार की बहुत सारी ताकतें काम कर रही हैं। बहुत सारा पीआर है जिसे मैं भी समझ रहा हूं। उन्होंने आगे कहा, भले ही आप एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं, लेकिन आप किसी और के पीआर से पीछे रह सकते हैं। यह अभी धारणा का खेल है जो बॉलीवुड को नुकसान पहुंचा रहा है। सिद्धांत का मानना है कि दिखावे और पीआर स्टंट पर ध्यान केंद्रित करने से इंडस्ट्री पर लोगों का विश्वास कम हो जाता है। उन्हें लगता है कि कई प्रोजेक्ट सार से ज्यादा छवि के बारे में हैं, जिससे क्वालिटी में गिरावट नजर आती है। सिद्धांत ने कहा, आप अपने पीआर और कई दिखावे के साथ उसमें हेरफेर कर सकते हैं।

कभी नहीं थी हॉलीवुड फिल्मों की चाहत, उपलब्धियों से संतुष्ट हूं

करीना कपूर खान हिंदी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री हैं। उन्होंने अपने करियर में एक से बढ़कर बेहतरीन और सफल फिल्में की हैं। बॉलीवुड में उनकी पहचान बड़ी अभिनेत्रियों में से हैं, जिन्हें काफी सम्मान भी मिलता है। ऐसे में जहां बॉलीवुड के कई अभिनेता हॉलीवुड की फिल्मों में छोटी से छोटी भूमिका भी करने के लिए आतुर रहते हैं, वहां करीना को ऐसा करने की आवश्यकता महसूस नहीं होती। उन्होंने हाल में ही अपने विचार साझा करते हुए कहा कि उन्हें हॉलीवुड के किसी प्रोजेक्ट में काम करने की दिलचस्पी नहीं है। वह अपने वर्तमान के काम से संतुष्ट हैं। हाल में ही हार्पर बाजार के साथ एक इंटरव्यू के दौरान अभिनेत्री ने कहा कि वह अपने करियर और जीवन से संतुष्ट हैं। उन्होंने वो सब कुछ हासिल कर लिया है, जिसका उन्होंने लक्ष्य रखा था। अभिनेत्री ने कहा हॉलीवुड की फिल्मों में काम करने के सवाल पर कहा, मैंने वह सब कुछ हासिल कर लिया है, जो मैंने तय किया था और हॉलीवुड में जाने या अंग्रेजी भाषा की फिल्मों में अभिनय करने की मेरी कभी कोई ऐसी महत्वाकांक्षा नहीं रही थी। अभिनेत्री ने आगे कहा कि वह सिर्फ अपने रंग और रूप की बजाय अपने काम के लिए पहचाने जाने में विश्वास करती हैं।

'सुरू' को पाने के लिए फिर लौट रहा 'इंदर', 'सनम तेरी कसम 2' की हुई आधिकारिक घोषणा

बॉलीवुड की रोमांटिक फिल्म सनम तेरी कसम का दूसरे पार्ट की आधिकारिक घोषणा हो गई है। पर्दे पर एक बार फिर 'इंदर' और 'सुरू' की लव स्टोरी देखने को मिलेगी। मंगलवार को सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर अभिनेता हर्षवर्धन के साथ एक तस्वीर साझा करते हुए 'सनम तेरी कसम 2' की आधिकारिक घोषणा की है। आधिकारिक पोस्ट साझा करते हुए निर्माताओं ने लिखा, 'सनम तेरी कसम 2' आधिकारिक तौर पर बन रही है! पहली फिल्म की प्रेम कहानी के बाद, हम और भी कुछ लेकर आए हैं! अपडेट के लिए बने रहें!'

हर्षवर्धन निभाएंगे मुख्य किरदार

साल 2016 में रिलीज हुई फिल्म 'सनम तेरी कसम' ने बॉलीवुड की शानदार लव स्टोरी फिल्मों में से एक है। बॉक्स ऑफिस पर भी इसका प्रदर्शन अच्छा था। फिल्म को दर्शकों ने काफी पसंद भी किया था। अब निर्माताओं ने इसके सीक्वल का एलान कर दिया है। फिल्म में अभिनेता हर्षवर्धन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। हालांकि, बाकी कास्ट के बारे में अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। फिल्म 'सनम तेरी कसम 2' की आधिकारिक घोषणा उस वक्त हुई है जब 'सनम तेरी कसम' सिनेमाघरों में दोबारा रिलीज होने वाली है। अक्टूबर महीने में यह फिल्म सिनेमाघरों में दर्शकों के मनोरंजन के लिए दोबारा लगेगी। यह प्रशंसकों के लिए एक तरह से सोने पर सुहागा वाली बात है। फिल्म की घोषणा ने फैंस में उत्सुकता बढ़ा दी है।

'सनम तेरी कसम' की स्टार कास्ट

फिल्म सनम तेरी कसम में अभिनेता हर्षवर्धन ने 'इंदर' और पाकिस्तानी अभिनेत्री मावरा होकेन 'सुरू' का किरदार निभाते हुए नजर आई थीं। फिल्म में मनीष चौधरी, अनुराग सिन्हा, विजय राज, मुरली शर्मा और अन्य ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

अनन्या के साथ कॉल मी बे के बाद सीटीआरएल में नजर आएंगे विहान समत

विहान समत अभिनेत्री अनन्या पांडे के साथ कॉल मी बे में नजर आए हैं। इसके बाद वह विक्रमादित्य मोटवानी की फिल्म सीटीआरएल में भी अनन्या पांडे के साथ नजर आएंगे। इस बीच अभिनेता ने दोनों को लेकर अपनी राय जाहिर की है।

अनन्या पांडे इन दिनों काफी चर्चा में हैं। उन्होंने हाल में ही कॉल मी बे से अपना ओटीटी डेब्यू किया है। इस सीरीज में एक अरबपति पिता की बेटी के किरदार में नजर आई हैं, जिसे घर से निकाल दिया जाता है और फिर वह अपने अस्तित्व की तलाश करती है। इसके बाद वह अपनी आगामी फिल्म सीटीआरएल में नजर आएंगी। इस दोनों ही प्रोजेक्ट में एक चीज कॉमन है, वो हैं उनके सह-कलाकार विहान समत। विहान समत कॉल मी बे के बाद सीटीआरएल में भी अनन्या पांडे के साथ नजर आएंगे। हाल में ही विहान ने अभिनेत्री की तारीफ करते हुए उन्हें पूरी तरह पेशेवर बताया है।

अनन्या पूरी तरह तैयार हो कर आती थीं

विहान समत जल्द ही विक्रमादित्य मोटवानी की साइबर थ्रिलर सीटीआरएल में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में वह एक बार फिर से अनन्या पांडे के साथ काम करते दिखेंगे। अभिनेता ने इसे लेकर कहा,मैंने अनन्या के साथ सीटीआरएल की शूटिंग की थी और फिर हम कॉल मी बे में भी साथ में जुड़े, लेकिन कॉल मी बे बिल्कुल अलग गेम था। इसलिए, हमें रीसेट करना पड़ा। अनन्या पेशेवर कलाकार हैं और उनके साथ काम करना काफी आसान है। वह अपने अभिनय को लेकर पूरी तरह से

विक्रमादित्य के साथ काम करने का था सपना

विक्रमादित्य मोटवानी एक मशहूर और सम्मानित निर्देशक हैं। उनकी फिल्मों में काम करना किसी भी कलाकार के लिए एक बड़ा सपना होता है। बॉलीवुड में डेब्यू के चार साल के अंदर ही उनके साथ काम करना किसी भी कलाकार के लिए बहुत बड़ी बात है। इस पर अभिनेता ने कहा, मैंने उड़ान तब देखी, जब मैं स्कूल में था। मैं जब कॉलेज के लिए जा रहा था, तब मैंने फ्लाइट में ट्रैप्ड देखी। फिर अमेरिका में पढ़ने के दौरान मैंने सेक्रेड गेम्स देखी। साल 2021 में, मैंने एक इंटरव्यू में कहा था कि विक्रम उन पांच लोगों में से हैं, जिनके साथ मैं काम करना चाहता था। मैंने सुना कि उनका ऑडिशन हो रहा है, तो मैं तुरंत उसमें कूद पड़ा। मैंने सुनिश्चित किया कि मैं फिल्म में अपना सबकुछ दूं, क्योंकि यह मेरे जीवन का सबसे बड़ा मौका था।

कलाकारों को आजादी देते हैं विक्रमादित्य मोटवानी

विहान समत ने कहा कि उनके लिए मोटवानी की फिल्म में काम करना दो चीजों का मिश्रण था। उन्होंने कहा कि पहला ये था कि निर्देशक के विजन को समझना और दूसरा था खुद को एक अभिनेता के रूप में खोजना। अभिनेता ने कहा.एक बार जब वह आपको चुन लेते हैं, तो वह आप पर पूरा भरोसा जताते हैं। वह आपको नोट्स देते हैं, लेकिन वह आपको अपने हिसाब से चलने पर भी बंदिशे नहीं लगाते। वह आपको बहुत ज्यादा तकनीकी नोट्स से परेशान नहीं करते। इसके साथ ही वह कम बोलने वाले व्यक्ति भी है, इसलिए शुरू में मैं उन्हें सुनने के लिए कान खड़ा रखता था, लेकिन वह आपको काफी सहज कर देते हैं।

भारत की लगातार पांचवीं जीत, पाकिस्तान को 2-1 से चटाई धूल

हुलुनबुइर (चीन) (एजेंसी)। कप्तान हरमनप्रीत सिंह के पेनल्टी कॉर्नर पर किए गए दो गोल की बदौलत गत चैंपियन भारत ने अपना अपराजेय अभियान जारी रखते हुए शनिवार को यहां चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 2-1 से हराकर हीरो एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी (एसीटी) के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। भारत की यह छह टीमों के राउंड रॉबिन टूर्नामेंट में लगातार पांचवीं जीत है। पाकिस्तान ने अहमद नदीम (8वें मिनट) के गोल से बढ़त हासिल की लेकिन हरमनप्रीत सिंह (13वें और 19वें मिनट) ने दो पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत को जीत दिलाई। यह इस टूर्नामेंट में पाकिस्तान की पहली हार थी।

भारत ने कायम रखा अपना दबदबा

भारत और पाकिस्तान दोनों ने इससे पहले अंतिम चार के लिए क्वालीफाई कर लिया था। इस जीत की बदौलत भारत ने 2016 से पाकिस्तान पर अपना दबदबा कायम रखा है। दोनों टीमों के बीच पिछली भिडंत हांग्झोउ एशियाई खेलों में हुई थी जिसमें भारत ने पाकिस्तान को 10-2 से हराया था। इससे कुछ महीने पहले भारतीयों ने एसीटी के चेन्नई चरण में पाकिस्तान को 4-0 से हराया था। जकार्ता में एशिया कप में भारत की युवा टीम ने पाकिस्तान को 1-1 से बराबरी पर रोका जबकि ढाका में 2021 एसीटी में भारत ने पाकिस्तान को 4-3 से हराकर कांस्य पदक जीता था। भारत और पाकिस्तान के बीच किसी भी मैच की तरह पहले क्वार्टर में दोनों टीमों ने जीत हासिल करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

भारतीयों ने शुरुआत में शानदार प्रदर्शन करते हुए दबदबा बनाया, लेकिन जैसे जैसे मैच आगे बढ़ा पाकिस्तान का आत्मविश्वास बढ़ता गया। पाकिस्तान के लिए हन्नान शाहिद ने मिडफील्ड में शानदार प्रदर्शन किया जिससे भारतीय डिफेंस में खलबली मच गई और नदीम ने गेंद भारतीय गोल में पहुंचाकर अपनी टीम को आगे कर दिया। इस गोल से स्तब्ध भारत ने संयम बनाए रखा और हमले जारी रखे। टीम ने 13वें मिनट में अपना पहला पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया और कप्तान हरमनप्रीत ने पाकिस्तानी गोलकीपर मुन्नेब के बाईं ओर एक ताकतवर ड्रैग फ्लिक से गोल किया। भारतीयों ने दूसरे क्वार्टर में दबाव बनाना जारी रखा और 19वें मिनट में अपना दूसरा पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया।

हरमनप्रीत के सटीक शॉट से भारत 2-1 से आगे हुआ

एक बार फिर पाकिस्तानी रक्षण के पास कोई जवाब नहीं था और हरमनप्रीत के सटीक शॉट से भारत 2-1 से आगे हो गया। दूसरे क्वार्टर में भारत गेंद को कब्जे में रखने में सफल रहा। पाकिस्तान ने कई मौकों पर प्रतिद्वंद्वी सर्कल में सेंध लगाने के मौके बनाये। दूसरे हाफ से मात्र 45 सेकंड पहले पाकिस्तान के पास बराबरी का मौका था लेकिन यह विफल रहा। भारतीयों ने छोर बदलने के बाद भी दबदबा बनाए रखा और 37वें मिनट में अपना तीसरा पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। लेकिन गोल नहीं कर सके। पाकिस्तान ने इसके बाद लगातार चार पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति को नहीं भेद सके। अंतिम क्वार्टर में दोनों टीमों ने लगातार हमले किए। भारत ने तीन और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए लेकिन गोल करने में विफल रहा।

मैच में तीखी नोकझोंक भी देखने

को मिली

मैच में हरमनप्रीत और पाकिस्तान के अशरफ वहीद राणा के बीच तीखी नोकझोंक भी देखने को मिली। ऐसा राणा के भारतीय सर्कल के अंदर जुगराज सिंह को कंधा मारने के बाद हुआ। जुगराज इस धक्के से गिर गए थे और दर्द से कराह रहे थे। मैदानी अंपायर और पाकिस्तान के कप्तान बट और दोनों टीमों के अन्य खिलाड़ी स्थिति को नियंत्रित करने के लिए दौड़े। राणा को पीला कार्ड दिखाया गया। इस बीच दिन के पहले मैच में मलेशिया और कोरिया के बीच मैच 3-3 से ड्रॉ रहा। राउंड रॉबिन प्रारूप से शीर्ष चार टीमें 16 सितंबर को होने वाले सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी जबकि फाइनल 17 सितंबर को होगा।

हॉकी इंडिया ने राष्ट्रीय महिला कोचिंग शिविर के लिए 33 सदस्यीय कोर संभावित टीम की घोषणा की

मुम्बई (एजेंसी)। हॉकी इंडिया ने 15 सितंबर से 9अक्टूबर तक होने वाले राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए शनिवार को 33 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम की घोषणा की। यह शिविर बेंगलुरु में भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के परिसर में लगेगा। यह शिविर 11 से 20 नवंबर तक बिहार के नवनिर्मित राजगीर स्टेडियम में खेली जाने वाली महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम की तैयारी की शुरुआत होगी।

भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''आगामी राष्ट्रीय महिला कोचिंग शिविर महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए हमारी तैयारियों में एक महत्वपूर्ण कदम है।'' उन्होंने कहा, ''यह शिविर हमें उन क्षेत्रों पर काम करने का मौका देगा जिनमें सुधार की आवश्यकता है। एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी पहली बार राजगीर में आयोजित की जा रही है। यह हमारी टीम के लिए घरेलू सरजमीं पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का अच्छा मौका है।''

उन्होंने कहा, ''हम अपने कौशल, फिटनेस, 'टीम वर्क' को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।'' भारतीय महिला टीम ने पिछली बार एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023-24 सत्र में हिस्सा लिया था जिसमें उसने अर्जेंटीना, बेल्जियम, जर्मनी और ब्रिटेन जैसी टीमों का सामना किया था। कप्तान सलीमा टेटे और उप कप्तान नवनीत कौर के नेतृत्व में तथा हरेंद्र के मार्गदर्शन में टीम ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया था।

भारतीय व्यवस्था अपने आप संचालित होती है, इसे सुरक्षित रखना लक्ष्य: मोर्ने मोर्कल

चेन्नई (एजेंसी)। भारत के नए गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल का मानना है कि भारतीय क्रिकेट की व्यवस्था अपने आप संचालित होती है और उनका लक्ष्य छोटे-छोटे तरीकों से इसे बेहतर बनाना होगा। मोर्कल काफी समय से भारत में रह रहे हैं। वह भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ लखनऊ सुपर जॉइंट्स के सहयोगी स्टाफ में भी शामिल थे। इसलिए वह भारतीय क्रिकेट की व्यवस्था से अच्छी तरह वाकिफ हैं और जानते हैं कि उन्हें इसमें किस तरह से काम करना है। मोर्कल ने बीसीसीआई टीवी से कहा, ''यहां एक ऐसी व्यवस्था है जो अपने आप संचालित होती है। इसलिए इसे सुरक्षित रखना और छोटे-छोटे तरीकों से इसे बेहतर बनाना ही लक्ष्य होगा।''

दक्षिण अफ्रीका के इस पूर्व तेज गेंदबाज को यह भी लगता है कि रोहित शर्मा, विराट कोहली, रविंद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन और जसप्रीत बुमराह हमेशा अपने-अपने विभाग में मोर्चा संभालेंगे और उनका काम उन्हें सर्वश्रेष्ठ सलाह देना होगा। जल्द ही 40 वर्ष के होने वाले मोर्कल ने कहा, ''हम भाग्यशाली हैं कि हमारे पास उच्च स्तर के खिलाड़ी हैं जो हमेशा अपने क्षेत्र में मोर्चा संभालेंगे। हमारी जिम्मेदारी उनका समर्थन करना और उन्हें सर्वोत्तम सलाह देना है जो हम दे सकते हैं।'' अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 544 विकेट लेने वाले मोर्कल भारतीय खिलाड़ियों का पेशेवर रवैया देख कर भी हैरान हैं।

उन्होंने कहा, ''यह अच्छा संकेत है और उम्मीद है कि हम इसे आगे बढ़ाने में अपना योगदान देंगे।'' मोर्कल बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली टेस्ट श्रृंखला से पहलेलगाए गए अभ्यास शिविर में टीम से जुड़े और वह खिलाड़ियों के साथ भरोसा बनाने के साथ इस पर भी गौर कर रहे हैं कि वह उनकी कैसे मदद कर सकते हैं। उन्होंने कहा, ''मेरे लिए खिलाड़ियों के साथ अच्छे रिश्ते बनाना महत्वपूर्ण है। मैं इनमें से कई खिलाड़ियों के साथ खेला हूं और आईपीएल के कारण मेरे उनके साथ अच्छे संबंध हैं। खिलाड़ियों के साथ दोस्ती और अच्छे संबंध बनाना बेहद महत्वपूर्ण होता है।''

विराट कोहली संन्यास लेने वाले आखिरी प्लेयर होंगे

मुम्बई (एजेंसी)। टीम इंडिया ने विराट कोहली और रोहित शर्मा के नेतृत्व में क्रिकेट जगत की कई ऐतिहासिक जीत हासिल की हैं। इसी साल भारत ने टी20 विश्व कप जीता जिसमें रोहित और विराट की महत्वपूर्ण भूमिका रही। विश्व कप खत्म होने के साथ ही दोनों स्टार्स ने टी20 विश्व कप से संन्यास की घोषणा कर दी। अब सवाल यह है कि क्या विराट और रोहित 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले वनडे विश्व कप के लिए खुद को उपलब्ध करवा पाएंगे या नहीं। इस सवाल का पूर्व क्रिकेटर पीयूष चावला ने जवाब देने की कोशिश की है।

भारत के पूर्व खिलाड़ी पीयूष चावला को भरोसा है कि विराट और रोहित अगले वनडे विश्व कप में खेलेंगे। उन्होंने कहा कि वे अच्छी फॉर्म में हैं और विश्व कप भी ज्यादा दूर नहीं है। मैं चाहता हूं कि वे एक साथ खेलें और जीतें। उनके सामने गेंदबाज हमेशा बैकफुट पर रहते हैं। रोहित पारी की शुरुआत में गेंद को हिट करते हैं, जबकि कोहली जानते हैं कि खेल को कैसे चलाना है।

चावला ने आगे कहा कि विराट मौजूदा टीम से संन्यास लेने वाले आखिरी खिलाड़ी होंगे। उन्होंने कहा कि विराट कोहली निश्चित रूप से सबसे अंत में संन्यास लेंगे। रोहित शर्मा के पास दो-तीन साल बचे हैं. अगर वह वनडे खेलते हैं तो यह टीम के लिए बहुत

अच्छा होगा। मुझे लगता है कि उसका लक्ष्य एकदिवसीय विश्व कप है क्योंकि वह उस ट्रॉफी को उठाना चाहता है। बता दें कि दोनों दिग्गज के आगे अब पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी 2025 और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप है। रोहित और कोहली इन 2 आईसीसी आयोजनों में ट्रॉफी उठाना चाहेंगे।

2023 वनडे विश्व कप में टीम इंडिया का प्रदर्शन शानदार रहा है। टीम फाइनल में पहुंची जहां उन्हें ऑस्ट्रेलिया से हार झेलनी पड़ी। पूरे टूर्नामेंट में भारतीय टीम चैंपियन की तरह खेली थी। रोहित के लिए विश्व कप कप फाइनल निराशाजनक रहा था। अब फैंस उम्मीद कर रहे हैं कि वह आगामी विश्व कप में हिस्सा लेंगे। हालांकि ऐसा होता संभव नहीं दिख रहा। क्योंकि अब तक विराट 39 वर्ष के होंगे तो रोहित शर्मा 40 वर्ष के। पीयूष ने इस पर कहा कि यह उन्हें तय करना है कि वे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से कब संन्यास लेना चाहते हैं। अगर वे विश्व कप में खेलना चाहते हैं तो उन्हें अनुमति दी जाएगी।

शुभंकर शर्मा कोर्स रिकॉर्ड के साथ आयरिश ओपन में शीर्ष 15 में पहुंचे

रॉयल काउंटी डाउन (उत्तरी आयरलैंड)। शुभंकर शर्मा आयरिश ओपन के दूसरे दौर छह अंडर 65 के कोर्स रिकार्ड के साथ शानदार वापसी करते हुए संयुक्त रूप से 15वें स्थान पर पहुंच गए। शुरुआती दौर में चार ओवर 75 का निराशाजनक कार्ड खेलने वाले शुभंकर ने दूसरे दौर में कमाल के प्रदर्शन के साथ आसानी से कट में जगह बना ली। पार 71 के कोर्स पर 2 दौर के बाद उनका कुल स्कोर दो अंडर है। उन्होंने दूसरे दौर के शुरुआती 3 होल में लगातार 3 बर्डी लगाने के बाद 5वें और 8वें होल में इस कारनामे को दोहराया। उन्होंने 11वें, 12वें, 17 और 18वें होल में भी बर्डी लगाई जबकि चौथे, छठे और 15वें होल में बोगी कर बैठे।

केसीएल : विष्णु विनोद ने 17 छक्के उड़ाए, 32 गेंद में ठोका शतक

खेल डैस्क। विष्णु विनोद ने केसीएल में शानदार शतक लगाकर त्रिशूर टाइटंस को 8 विकेट से जीत हासिल करवा दी। मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज ने सिर्फ 45 गेंदों पर 139 रन बनाए। इस दौरान उनकी स्ट्राइक रेट 300 से भी ऊपर की रही। उन्होंने 31 गेंदों पर शतक लगाया और इसी दौरान 32 गेंदों में शतक पूरा किया। बीते दिनों दिल्ली प्रीमियर लीग के दौरान आयुष बदोनी ने भी तेजतर्रार बल्लेबाजी से सबको हैरान कर दिया था। आयुष ने 55 गेंदों पर 19 छक्कों की मदद से 165 रन बनाए जिससे टीम स्कोर 308 तक पहुंच गया था। बहरहाल, रिपल्स ने त्रिशूर के सामने 182 का टारगेट रखा था। विष्णु ने शुरूआत से ही आक्रमक खेल दिखाया और विकेट के चारों ओर बड़े शॉट लगाए। यह विष्णु ही थे कि त्रिशूर टीम ने 13 ओवर के अंदर ही टारगेट हासिल कर लिया। विष्णु के सलामी जोड़ीदार अहमद इमरान ने 18 गेंदों में 24 रन बनाए। वहीं, रिपल्स के कप्तान मोहम्मद अज़हरुद्दीन ने 58 गेंदों में 90 रन बनाकर अपनी टीम को 181 तक पहुंचाया था। केसीएल के आठवें मैच में जीत हासिल कर त्रिशूर टाइटंस अंक तालिका में आगे आ गई है। दोनों पक्ष 6 अंकों के स्तर पर हैं लेकिन टाइटंस बेहतर रन रेट के साथ अच्छी स्थिति में हैं। नाविक 14 अंकों के साथ छह टीमों की तालिका में शीर्ष पर बनी हुई है।

कार्डिफ में गरजा लियाम लिविंगस्टोन का बल्ला, इंग्लैंड को मिली बड़ी जीत

कार्डिफ (एजेंसी)। लियाम लिविंगस्टोन और जैकब बेथेल ने 47 गेंदों पर 90 रन की साझेदारी करके इंग्लैंड को दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में ऑस्ट्रेलिया पर तीन विकेट से जीत दिलाई। इंग्लैंड ने इस तरह से तीन मैच की श्रृंखला 1-1 से बराबर की। तीसरा और निर्णायक मैच रविवार को ओल्ड ट्रैफर्ड में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 193 रन बनाए।

चुनौती पूर्ण लक्ष्य का पीछा करने के लिए उतरे इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसका स्कोर एक समय तीन विकेट पर 79 रन था। लिविंगस्टोन और बेथेल ने यहीं से मोर्चा संभाला। बेथेल के 24 गेंदों में 44 रन बनाकर आउट होने से इंग्लैंड की स्थिति फिर से नाजुक हो गई लेकिन लिविंगस्टोन ने 47 गेंदों में पांच छक्कों और छह चौकों की मदद से 87 रन की शानदार पारी खेलकर उसे जीत की दहलीज पर पहुंचा दिया। जब स्कोर बराबर था तब लिविंगस्टोन आउट हो गए। ऐसे में आदिल

रशीद ने विजयी रन बनाकर इंग्लैंड का स्कोर 19 ओवर में सात विकेट पर 194 रन पर पहुंचाया।

इंग्लैंड की तरफ से सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट ने भी 39 रन का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से कामचलाउ स्पिनर मैथ्यू शॉर्ट ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 22 रन देकर 5 विकेट लिए। लिविंगस्टोन में इससे पहले गेंदबाजी में भी कमाल दिखाते हुए 16 रन देकर दो विकेट लिए। ब्रायडन कार्स ने 26 रन देकर 2 विकेट हासिल करके उनका अच्छा सहयोग दिया।

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिशेल मार्श बीमार होने के कारण मैच में नहीं खेल पाए। उनकी जगह ट्रेविस हेड ने कप्तानी की जिम्मेदारी संभाली। हेड ने 14 गेंद पर 31 रन की तूफानी पारी खेल कर ऑस्ट्रेलिया को अच्छी शुरुआत दिलाई। इसके बाद जेक फ्रेजर-मैकगर्क ने 50 रन बनाए जो उनका अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पहला अर्धशतक भी है। इन दोनों के अलावा मैथ्यू शॉर्ट ने 28 और जोश इंग्लिश ने 42 रन का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया ने अंतिम 5 ओवर में 60 रन बनाए।

दोनों टीमों की प्लेइंग 11

ऑस्ट्रेलिया : मैथ्यू शॉर्ट, ट्रैविस हेड (कप्तान), जेक फ्रेजर-मैकगर्क, जोश इंगलिस (विकेटकीपर), मार्कस स्टोइनिस, टिम डेविड, कैमरून ग्रीन, आरोन हार्डी, कूपर कोनोली, सीन एबॉट, एडम ज़म्पा

इंग्लैंड : फिलिप साल्ट (विकेटकीपर/कप्तान), विल जैक्स, जॉर्डन कॉक्स, लियाम लिविंगस्टोन, जैकब बेथेल, सैम कुरेन, जेमी ओवरटन, ब्रायडन कार्से, आदिल राशिद, साकिब महमूद, रीस टॉपले

दक्षिण अफ्रीकी महिला से शादी के बाद बदली स्पिनर ताहिर की तकदीर

-काउंटी क्रिकेट में असफल होने पर करना पड़ा था टॉयलेट साफ करने का काम

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर इमरान ताहिर को अपने करियर में काफी संघर्ष करना पड़ा। ताहिर का जन्म पाकिस्तान में हुआ था पर टीम में जगह नहीं मिलने पर वह इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेलने गये पर वहां भी सफल नहीं होने के कारण उन्हें एक दुकान में तक काम करना पड़ा। इस दौरान ताहिर को साफ सफाई व टॉयलेट धोने तक का काम करना पड़ा। ताहिर की किस्मत साल 2005 में दक्षिण अफ्रीकी महिला सुमाया दिलदार से शादी के बाद बदली। उन्हें दक्षिण अफ्रीका की नागरिकता मिली जिसके बाद उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के लिए क्रिकेट खेलना शुरू किया। ताहिर ने साल 2011 में दक्षिण अफ्रीका के लिए पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेला, जिसमें उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ डेब्यू करते हुए 4 विकेट लिए। एकदिवसीय क्रिकेट में ताहिर ने बेहतरीन प्रदर्शन किया और 58 मैचों में 100 विकेट हासिल करने वाले सबसे तेज दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाज बने। ताहिर एकदिवसीय विश्वकप में दक्षिण अफ्रीका की तरफ से सबसे ज्यादा 39 विकेट लेने वाले स्पिनर हैं। वह एकदिवसीय और टी20 में दक्षिण अफ्रीका के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले स्पिनर ताहिर हैं। टी20 में वह सबसे तेज 50 विकेट लेने वाले दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाज बने। आईसीसी के तीनों प्रमुख टूर्नामेंटों एकदिवसीय विश्व कप, चैंपियंस ट्रॉफी और टी20 विश्व कप में एक मैच में 4 विकेट लेने का रिकॉर्ड भी उनके नाम है।

विराट की कप्तानी से ही आया था भारतीय टीम में बदलाव : पोंटिंग

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली की जमकर प्रशंसा की है। पोंटिंग ने कहा है कि विराट की आक्रामक कप्तानी में ही भारतीय टीम में बदलाव आया था। उनके दौर में खिलाड़ियों को निडर होकर खेलने के लिए प्रेरित किया गया। जिससे भारतीय टीम को विदेशी धरती पर भी खासी सफलता मिली है क्योंकि अब भारतीय खिलाड़ी बड़े मंच पर नहीं डरते हैं और निर्भीक होकर खेलते हैं। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान का मानना है कि विराट भारत के सबसे सफल टेस्ट कप्तान हैं। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने 40 टेस्ट मैच जीते हैं जबकि 17 हारे हैं वहीं 11 टेस्ट ड्रॉ रहे। कोहली की कप्तानी में ही भारतीय टीम ने विदेशी धरती पर कठिन हालातें में सफलता हासिल की है। पोंटिंग ने टीम इंडिया के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के योगदान की भी सराहना की। द्रविड़ ने टी20 विश्व कप में जीत के बाद अपना पद छोड़ दिया था। पोंटिंग ने कहा, ' विराट की कप्तानी की शुरुआत की बात करें तो उन्होंने क्रिकेट को बदलने में बड़ी भूमिका निभाई और द्रविड़ ने पिछले चार साल इसे जारी रखा। कोहली जैसे खिलाड़ी का टीम पर प्रभाव बहुत शानदार पड़ा है। ' विराट की कप्तानी में ही भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज जीतने वाली पहली एशियाई टीम बनी थी। इसके अलावा टीम ने अन्य स्थानों पर भी कुछ यादगार जीत दर्ज की। कोहली ने कप्तानी में अपनी आक्रामकता से सभी को यह विश्वास दिलाया कि भारतीय टीम विदेशों में भी जीत सकती है और जब वह टीम में नहीं थे तब भी उनका आत्मविश्वास टीम पर हावी रहा।

ट्रेविस हेड सहित इन तीन खिलाड़ियों के नाम है ये अनचाहा रिकार्ड

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेन्द्र सहवाग के अलावा ऑस्ट्रेलिया के एडम गिलक्रिस्ट और ट्रेविस हेड अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। इन क्रिकेटरों ने अपनी धमाकेदार बल्लेबाजी से प्रशंसकों का भरपूर मनोरंजन किया है पर इनके नाम एक ऐसा अनचाहा रिकार्ड है जिसे ये भूलना चाहेंगे। ये तीनो ही अपने करियर में अब तक एक-एक बार टेस्ट की दोनो ही पारियों में पहली ही गेंद पर आउट हुए हैं। आज के दौर में जहां अपनी तूफानी बल्लेबाजी से ट्रेविस हेड एक मैच विजेता के तौर पर उभरे हैं। वहीं पिछले दौर में यही भूमिका गिलक्रिस्ट और सहवाग निभाते आये हैं। अपने आक्रामक खेल से टेस्ट क्रिकेट को भी इन्होंने रोमांचक बनाया। जहां गिलक्रिस्ट ने वनडे और टी20 में ओपनिंग की, वहीं टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने मध्य क्रम में बल्लेबाजी की। दूसरी ओर, सहवाग और हेड ने टेस्ट क्रिकेट में पारी शुरु करते हुए अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से विपक्षी टीमों को दबाव में रखा। सहवाग और गिलक्रिस्ट का टेस्ट स्ट्राइक रेट 80 से ऊपर रहा है, जो उन्हें उनके दौर के सबसे आक्रामक बल्लेबाजों में शामिल करता है। गिलक्रिस्ट का स्ट्राइक रेट 81.95 और सहवाग का 82.23 रहा है, जबकि ट्रेविस हेड का ओपनर के रूप में स्ट्राइक रेट 82.00 है, जो उन्हें सहवाग जैसा खिलाड़ी बनाता है हालांकि, हेड का कुल टेस्ट स्ट्राइक रेट 64.71 है, लेकिन सलामी बल्लेबाज के तौर पर उन्हें भेजे जाने के बाद यह बेहतर हुआ है। टेस्ट क्रिकेट में गिलक्रिस्ट, सहवाग और हेड का औसत 40 से ऊपर का है। गिलक्रिस्ट ने 96 टेस्ट में 47.60 के औसत से 5570 रन बनाए, जबकि सहवाग ने 104 टेस्ट में 49.34 के औसत से 8586 रन बनाए। हेड ने अब तक 49 टेस्ट में 41.75 के औसत से 3173 रन बनाए हैं। इन तीनों धुरंधरों के नाम एक अनचाहा रिकॉर्ड भी दर्ज है। ये तीनों खिलाड़ी टेस्ट मैच की दोनों पारियों में पहली ही गेंद पर शून्य पर आउट हुए हैं। गिलक्रिस्ट 2001 के कोलकाता टेस्ट में भारत के खिलाफ दोनो ही पारियों में खाता नहीं खोल पाये थे। वहीं सहवाग 2011 में एजबेस्टन टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ दोनो ही पारियों में पहली गेंद पर ही शिकार बने। इसके अलावा इसी साल जनवरी में वेस्टइंडीज के खिलाफ हेड भी दोनो पारियों में पहली ही गेंद पर आउट हुए।

सूर्यकुमार ने भारत के युवा खिलाड़ियों से कहा, खुद पर भरोसा रखें, आप सब विशिष्ट कौशल के धनी हैं

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारत के विस्फोटक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने यहां भारतीय अंडर-19 टीम में शामिल खिलाड़ियों को अपने अद्वितीय कौशल का अच्छी तरह से इस्तेमाल करने, टीम के रूप में एकजुट होने और प्रक्रिया पर अधिक ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया। खेल के सबसे छोटे प्रारूप से रोहित शर्मा के संन्यास लेने के बाद भारत के टी20 कप्तान नियुक्त किए गए 33 वर्षीय सूर्यकुमार ने भारत की जूनियर टीम की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 21 सितंबर से शुरू होने वाली श्रृंखला से पहले यहां राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में अंडर-19 क्रिकेटरों के साथ बातचीत की।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक्स पर पोस्ट किया, ''भारत की लड़कों की अंडर-19 टीम में शामिल खिलाड़ियों को ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम के खिलाफ श्रृंखला की तैयारियों के तहत राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में अपने शिविर के इतर भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव के साथ बातचीत करने का सुनहरा अवसर मिला।'' एनसीए के एक सूत्र ने कहा कि सूर्यकुमार ने लड़कों से कहा कि वे अपने अद्वितीय कौशल के साथ पूरा न्याय करें और प्रक्रिया पर भरोसा रखें।

सूर्यकुमार ने कहा, ''आप जैसे हो हमेशा वैसे ही बने रहना। आप में से प्रत्येक के पास एक विशिष्ट कौशल है और उसके साथ पूरा न्याय करें। प्रक्रिया और दिनचर्या पर अधिक ध्यान केंद्रित करें। परिणाम स्वयं ही आपके अनुकूल होगा।'' टीम में भारत के पूर्व कप्तान और कोच राहुल द्रविड़ के बेटे समित द्रविड़ भी हैं। उत्तर प्रदेश के मोहम्मद अमान एक दिवसीय टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि सोहम पटवर्धन चार दिवसीय मैचों में टीम का नेतृत्व करेंगे। भारत अंडर-19 टीम पुडुचेरी में 21, 23 और 26 सितंबर को 50 ओवर के तीन मैचों में ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 से भिड़ेगी। इसके बाद 30 सितंबर से चेन्नई में दो चार दिवसीय मैच होंगे।

नेपाल सरकार ने 100 रुपए के नोट पर छापा नक्शा, भारत ने जताई आपत्ति

-जयशंकर बोले-ऐसे फैसले जमीनी हकीकत में कोई बदलाव नहीं ला सकते

काठमांडू। नेपाल सरकार ने हाल ही में 100 रुपए के नोट जारी किया है जिसको लेकर विवाद छिड़ गया है। इस नोट पर नेपाल ने अपना जो नक्शा छापा है, उसमें कई ऐसे क्षेत्र भी शामिल किए हैं, जिनको भारत अपना कहता है। नेपाली प्रधान मंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड की सरकार ने 3 मई को नेपाल में 100 रुपए के नए नोट पर विवादास्पद नक्शे के इस्तेमाल का फैसला लिया। नेपाल सरकार ने कहा कि कैबिनेट ने 25 अप्रैल और 2 मई को बातचीत के बाद नोट के नए डिजाइन को मंजूरी दे दी है और पुराने नोटों के स्थान पर नए नोट जारी किए गए हैं। नेपाल ने चार साल पहले, 2020 में इस नक्शे को जारी किया था और ये विवाद की वजह बना गया था। एक बार फिर ऐसे समय पर नेपाल ने ये विवाद खड़ा किया है, जब भारत में लोकसभा चुनाव चल रहे हैं। इस फैसले के बाद नेपाल के राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल के आर्थिक सलाहकार चिरंजीवी ने इस कदम की आलोचना करते हुए इस्तीफा दे दिया। भारत की ओर से भी इस प्रतिक्रिया दी गई है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने नेपाल के इस फैसले को एकतरफा बताते हुए कहा कि इस मामले पर भारत की स्थिति साफ है और ऐसे फैसले जमीनी हकीकत में कोई बदलाव नहीं ला सकते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक नेपाल के विवादास्पद नक्शे को नेपाल के पूर्व पीएम केपीएस ओली की सरकार के समय अपनाया गया था। इस फैसले से भारत और नेपाल के संबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। नेपाल और भारत 1850 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करते हैं। भारत के सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों से नेपाल की सीमा लगी हुई है। दोनों देशों के बीच सीमा को लेकर कुछ जगहों पर विवाद चल रहा है। हालिया विवाद की शुरुआत 2020 में तब हुई जब भारत विरोधी अभियान चलाकर सत्ता में आए नेपाल के पूर्व पीएम ओली ने देश का नक्शा बदल दिया। भारत को झटका देते हुए जून 2020 में नेपाल ने भारत के साथ विवादित क्षेत्रों पर अपना दावा किया। नेपाल ने लिम्पियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी के अपनी सीमा में होने का दावा किया, जिसे भारत अपना कहता है। नेपाल की ओर ये तब किया गया, जब भारत-चीन सीमा पर लिपुलेख दर्रे को कैलाश-मानसरोवर मार्ग से जोड़ने वाली नई सड़क खोलने का फैसला भारत ने लिया था। इससे पहले दिसंबर 2019 में भी भारत की ओर से भी एक नक्शा जारी किया गया था, इसमें कालापानी को उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के हिस्सा दिखाया गया था। नेपाल की ओर से उस पर आपत्ति की गई थी, जिस पर भारत ने मतभेदों को सुलझाने के लिए एक विदेश सचिव स्तर की वार्ता तंत्र का गठन करने की बात कही थी। इसके बाद कोविड महामारी के चलते बातचीत शुरू नहीं हो सकी थी और फिर नेपाल ने विवादित नक्शा जारी कर दिया है।

ब्रिटेन में खांस-खांस कर पांच बच्चों की मौत!

-कोरोना से भी तेज फैल रहा इंफेक्शन, 2,793 मामले आए सामने

लंदन। ब्रिटेन में तेजी से फैल रही काली खांसी (पर्टुसिस) के 2,793 मामले सामने आ चुके है। इस बीमारी से अब तक पांच बच्चों की मौत होना बताया जा रहा है। एक और बच्चे की मृत्यु की मौत का पता चला है जिसके बारे में जानकारी हासिल की जा रही है। बताया जाता है कि काली खांसी छोटे बच्चों पर बुरा प्रभाव डाल रही है। बड़े बच्चों और वयस्कों में इसके लक्षण आमतौर पर हल्के होते हैं। काली खांसी इतनी खतरनाक है, इसका अंदाजा बात से लगाया जा सकता है कि वैश्विक स्तर पर हर साल काली खांसी के अनुमानित 2 करोड़ 40 लाख मामले सामने आते हैं, जिनमें से करीब 1.6 लाख की मौत हो जाती है। काली खांसी बोर्डेटेला पर्टुसिस नामक बैक्टीरिया के कारण होती है। पर्टुसिस अक्सर सांस लेने की बीमारियों से जुड़े इंफेक्शन से शुरू होती है, जिसमें नाक बहना और बुखार मुख्य लक्षण होते हैं। हूप कफ खांसी की बीमारी के एक या दो सप्ताह बाद ही हो सकता है। हालांकि यह सभी मामलों में हो ऐसा जरूरी नहीं है। जानकारों की मानें तो काली खांसी बहुत तेजी से फैलती है। औसतन पर्टुसिस का एक मामला करीब 15-17 लोगों में इंफेक्शन फैलाता है। यह इंफेक्शन कोविड वेरिएंट से अधिक है। काली खांसी के इंफेक्शन का असर पांच सप्ताह तक रहता है। जल्द उपचार करना ही इसके फैलाव को कम कर सकता है। एंटीबायोटिक्स उपचार शुरू करने के केवल पांच दिन बाद इंफेक्शन को कम करने में सक्षम हैं पुष्ट और बिना लक्षण वाले दोनों मामले काली खांसी के आगे फैलने के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं। काली खांसी का एक अजीब पहलू यह है कि आमतौर पर कुछ सालों में इसका बड़ा प्रकोप होता है। यूके में आखिरी बड़ा प्रकोप 2016 में हुआ था, जिसमें करीब 6,000 मामले सामने आए थे। प्रारंभिक टीकाकरण के कुछ सालों बाद इसमें गिरावट आती है यही कारण है कि पूरी आबादी में लगातार उच्च टीकाकरण जरुरी है।

अमेरिकी भारतवंशी सांसदों ने क्यों कहा... पहले अमेरिका सुधरे

वाशिंगटन । अमेरिका में भारतीय मूल के सांसदों का कहना है कि वे भारत के साथ मानवाधिकारों का मुद्दा उठाते रहने वाले हैं। हालांकि, भारत उन पर काम नहीं करेगा। अमेरिका में गुरुवार को देसी डिसाइड्स नाम की एक समिट हुई। समिट के दौरान सांसद आर ओ खन्ना ने कहा कि अमेरिका को मनवाधिकारों के मुद्दों पर भारत की लीडरशिप से बात करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत पर 100 साल तक विदेशी हुकूमत का राज था। समिट में भारतवंशी सांसदों से पीएम मोदी और मुस्लिम समुदाय के साथ उनके संबंधों पर सवाल किया गया था। इस पर खन्ना ने कहा कि भारत लेक्चर सुनने की बजाय तब अपने लोकतंत्र की खामियों को सुधारेगा, जब अमेरिका भी अपनी गलतियों को स्वीकार करेगा। उन्होंने कहा कि भारत से बात करने का यही अच्छा तरीका है। इस पर दूसरे भारतवंशी सांसद बेरा ने खन्ना से सहमति जाहिर की। बेरा ने कहा कि मैंने भारतीय विदेश मंत्री से भी मानवाधिकारों के मुद्दों पर बात की थी। बेरा ने कहा कि हमारे यहां अभी भी जीवंत लोकतंत्र है। हमारे पास एक विपक्षी दल है। हम प्रेस की स्वतंत्रता में विश्वास रखते हैं। यह सभी चीजें हैं, जो मुझे भारत के लिए चिंतित करती हैं। बेरा ने कहा कि मैं उम्मीद करता हूं कि भारत का लोकतंत्र जीवित रहेगा।

धरती पर चींटियों की 13,000 से अधिक प्रजातियां मौजूद, प्रोफेसर क्लिंट पेनिक ने इस पर किया लंबा रिसर्च

त्बिलिसी । क्या आप चींटियों को सूंघ सकते हैं? कैसे होती है इनकी गंध? साइंटिस्ट ने इसके बारे में बताया है।अगर आपसे पूछा जाए कि चीटियां कितने तरह की होती हैं, तो आपका जवाब हो सकता है कि लाल चीटियां और काली चीटियां। लेकिन एक रिपोर्ट के मुताबिक, धरती पर चींटियों की 13,000 से अधिक प्रजातियां मौजूद हैं। जॉर्जिया में केनेसॉ स्टेट यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर क्लिंट पेनिक ने इस पर लंबा रिसर्च किया है। उन्होंने बताया कि वैसे तो ये लाल और काले रंग में बंटी हुई हैं। लेकिन एक चीज है, जिससे इनकी अलग-अलग पहचान हो सकती है और वह है इनकी गंध। चींटियों की कई प्रजातियां गुस्सा होने, कुचले जाने पर तेज गंध वाले रसायन छोड़ती हैं। जैसे ट्रैप-जॉ चींटियां जब परेशान होती हैं तो वो चॉकलेट जैसी गंध छोड़ती हैं। बड़ी पीली दिखने वाली सिट्रोनेला चींटियां नींबू जैसी गंध फेंकती हैं। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण, जो चींटी

मर्सिली के करीब न्यूकैलीडोनिया में नियंत्रण हासिल करने के लिए फ्रांस के लगाये आपातकाल के बाद वहां की ओर भेजे जा रहे पुलिस अधिकारी और सिविल गार्ड विमान में चढ़ते हुए।

तानाशाह की बहन की दो टूक... नॉर्थ कोरिया ने रुस को नहीं दिए हथियार

कोरिया । नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने रूस को हथियार देने के अमेरिका और साउथ कोरिया के दावों को गलत बताया है। किम यो जोंग ने कहा कि रूस को हथियार देने की बातें मनगढ़ंत और बेतुकी हैं। उन्होंने कहा कि नॉर्थ कोरिया ने देश की सुरक्षा के लिए हथियार बनाए हैं, किसी दूसरे देश को बेचने के लिए नहीं।

किम की बहन का ये बयान उस वक्त आया है जब अमेरिका ने रूस की 3 कंपनियों पर प्रतिबंध लगाएं है। इन पर नॉर्थ कोरिया और रूस के बीच हथियारों की डील कराने के आरोप थे। दरअसल, नॉर्थ कोरिया के हथियार खरीदने और बेचने पर (संयुक्त राष्ट्र संघ) यूएन ने पाबंदियां लगा रखी हैं। अमेरिका और पश्चिमी देश लगातार रूस पर नॉर्थ कोरिया से मिलिट्री टेक्नोलॉजी और आर्थिक सहायता के बदले में यूक्रेन युद्ध के लिए तोपखाने, मिसाइल और दूसरे हथियार खरीदने के आरोप लगाते रहे हैं। साउथ कोरिया ने दावा किया था कि नॉर्थ कोरिया ने जुलाई 2023 से मार्च 2024 तक रूस को हथियारों से भरे 7 हजार कंटेनर भेजे। इसके बदले नॉर्थ कोरिया में रूस के 9 हजार कंटेनर आए थे। इसमें खाने की कमी झेल रहे नॉर्थ कोरिया के लिए मदद का सामान होने का दावा किया गया। वहीं, अमेरिकी जानकारों का दावा है कि नॉर्थ कोरिया को हथियार भेजने के बदले सैटेलाइट टेक्नोलॉजी मिली है। नॉर्थ कोरिया ने कहा था कि वे अपनी सेना के लिए 240 मिलीमीटर के रॉकेट लॉन्चर बनाएगा, जो सेना की जंग लड़ने की क्षमता को बढ़ाएंगे।

भारत ने इजराइल को भेजे हथियार, स्पेन ने जहाज को रुकने की नहीं दी अनुमति

-कहा- मध्य पूर्व को शांति की जरूरत है न कि विस्फोटक हथियारों की

तेल अवीव (एजेंसी)। भारत ने गाजा युद्ध में फंसे इजराइल को हथियार भेजे हैं। भारत ने यह कदम तब उठाया है जब इजराइल को अमेरिका ने हजारों बम की सप्?लाई को रोक लगा दी है। पिछले 8 महीने से हमास के साथ जंग में इजराइल के पास हथियार नहीं बचे हैं और इजराइल ने भारत से मदद मांगी थी। भारत ने इजराइल को हथियार भेजे भी हैं लेकिन अब इसे स्पेन ने अपने बंदरगाह पर रुकने की इजाजत नहीं दी है। बताया जा रहा है कि इस व्यापारिक जहाज पर 27 टन विस्फोटक है और इसे भारत से भेजा गया है। स्पेन ने कहा है कि मध्य पूर्व को शांति की जरूरत है न कि और ज्यादा विस्फोटक भेजकर क्षेत्र को अशांत बनाने की।

एक रिपोर्ट के मुताबिक स्पेन के विदेश मंत्रालय ने डेनमार्क के झंडे वाले इस जहाज को अपने बंदरगाह पर रुकने की इजाजत नहीं दी है। बताया जा रहा है कि इस जहाज पर भारत से भेजा गया 27 टन विस्फोटक लदा हुआ था। उसने कहा कि मध्यपूर्व को शांति की जरूरत है, न? कि और ज्यादा हथियारों की। स्पेन के विदेश मंत्री जोसे मैनएल अल्बरेस ने कहा कि ऐसा पहली बार हुआ है। जब हमने पाया है कि एक जहाज हथियारों की खेप लेकर इजराइल जा रहा है और वह स्पेन के बंदरगाह पर रुकने की इजाजत चाह रहा है।

स्पेन ने रुकने की इजाजत देने से किया इंकार

यह जहाज भारत से इजराइल की यात्रा कर रहा है और इतनी लंबी यात्रा के दौरान उसे जरूरी सामान फिर से भरना है। स्पेन के विदेश मंत्री ने कहा कि हमने इस शिप की पहचान कर ली है और हमने उसे अपने यहां रुकने की अनुमति देने से इंकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह किसी भी ऐसे जहाज के लिए प्रति हमारी सतत नीति है जो इजरायल के लिए हथियार या उससे जुड़ा सामान लेकर जा रहा है और हमारे बंदरगाह पर रुकना चाहता है। इस पूरे मामले में स्पेनी विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि विदेश मंत्रालय सतत तरीके से इस तरह के पोर्ट कॉल को खारिज करेगा जिसकी एकमात्र वजह यह है कि मध्य पूर्व को और ज्यादा हथियारों की जरूरत नहीं है, उसे शांति की जरूरत है।

बता दें कि स्पेन ने इजरायल के गाजा में सैन्य अभियान की कड़ी आलोचना की है। वह फलस्तीनी देश को भी मान्यता देना चाहता है। स्पेन ने गाजा में युद्ध शुरू होने के बाद से ही इजरायल को हथियारों की आपूर्ति रोक दी थी। भारत इजरायल का सबसे बड़ा हथियारों का खरीदार है। गाजा युद्ध के बीच इजरायल भारत से कई तरह के हथियारों के लिए जरूरी सामान मंगा रहा है। इजरायल की कई सरकारी कंपनियां भारत में निवेश करती हैं। भारत में इजरायली कंपनियां विस्फोटक से लेकर किलर ड्रोन तक बना रही हैं। भारतीय कंपनियों ने हाल ही में विस्फोटक और ड्रोन की सप्लाई की है। भारतीय रक्षा सूत्रों का कहना है कि इजरायल को विस्फोटक देकर भारत ने किसी भी अंतरराष्ट्रीय नियम का उल्लंघन नहीं किया है।

23 अरब रुपए के सब्सिडी पैकेज की घोषणा के बाद पीओके में रुका प्रदर्शन

-शहबाज ने कहा-पाकिस्तान कश्मीर मुद्दे पर अपना नैतिक और राजनयिक समर्थन जारी रखेगा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में प्रदर्शन करने वाले लोगों ने पुलिसकर्मियों को पीट दिया और पाकिस्तान के खिलाफ नारे लगाए। इसे झड़प में एक पुलिसकर्मी की भी मौत हो गई है। बिजली और आटा की कीमतों में राहत के लिए लोगों का यह प्रदर्शन था, इसके बाद पाकिस्तान सरकार सहमत हो गई, लेकिन इस प्रदर्शन से पाकिस्तानी सरकार हिल गई है। फिर ऐसी स्थिति न हो, इसके लिए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ पीओके पहुंचे। उन्होंने पीओके में लोगों के सामने आने वाले मुद्दों के लिए स्थायी समाधान मांगा। जम्मू कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी की ओर से महंगाई, उच्च करों और बिजली बिलों के खिलाफ अपना विरोध प्रदर्शन करने के बाद शहबाज का यह बयान आया है। पाकिस्तानी सरकार की ओर से 23 अरब रुपए के सब्सिडी पैकेज की घोषणा के बाद यह प्रदर्शन रुक गया। पीओके में कैबिनेट बैठक को संबोधित करते हुए शहबाज ने कहा कि उनकी सरकार कश्मीरी लोगों के सामने आने वाले मुद्दों का स्थायी समाधान तलाशेगी। उन्होंने पीओके के लोगों के लिए जल शुल्क, नीलम झेलम और अन्य मुद्दों पर चर्चा के लिए एक कमेटी के गठन का निर्देश दिया। पाकिस्तान को यह उम्मीद नहीं थी कि पीओके जिसे वह आजाद जम्मू कश्मीर कहता है, वहां उसके खिलाफ प्रदर्शन होगा। शहबाज ने कहा कि लोगों ने अपनी वास्तविक मांगों के लिए आवाज उठाई, लेकिन इसके बीच कुछ उपद्रवियों ने दंगे फैलाने और हत्या की कोशिश की। शहबाज ने कहा कि वह कश्मीर मुद्दे पर अपना नैतिक और राजनयिक समर्थन देना जारी रखेगा। उन्होंने तिहाड़ में बंद कश्मीरियों को लेकर भी बात की। भाजपा ने कश्मीर की तीन सीटों श्रीनगर, बारामूला और अनंतनाग पर अपने प्रत्याशी नहीं उतारे हैं। इसे लेकर शहबाज ने कहा कि भारत की सत्तारूढ़ पार्टी अपने वास्तविक नाम से चुनाव नहीं लड़ सकती है, जो क्षेत्र में जनता के गुस्से के डर को दिखाता है।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच विवाद का कारण बनी डूरंड लाइन

-यह रेखा पाकिस्तान बनने से 53 साल पहले 1893 में अंग्रेजों ने खींची थी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। अफगानिस्तान-पाकिस्तान के विवाद का सबसे बड़ा कारण डूरंड लाइन है, जिसे अंग्रेजों ने बनाया और ये पाकिस्तान के लिए मुसीबत बनी हुई है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान तालिबान की सेना के बीच पिछले तीन दिनों से संघर्ष जारी है। डूरंड लाइन पर दोनों एक दूसरे पर निशाना लगा रहे हैं। मीडिया के मुताबिक पक्तिया में पाकिस्तान की ओर से दर्जनों मिसाइलें दागी गईं, जो लोगों के घरों पर गिरी। एक समय था जब पाकिस्तान तालिबान की मदद करता था। लेकिन जब से तालिबान अफगानिस्तान की सत्ता में आया है, तब से पाकिस्तान के साथ संघर्ष बढ़ गए हैं। टीटीपी आतंकियों के हमले भी बढ़ गए हैं। अफगानिस्तान में तालिबान प्रशासन के उप मंत्री शेर मोहम्मद अब्बास स्टानिकजई ने फरवरी में एक बयान में कहा था कि डूरंड लाइन जब बनी तब पाकिस्तान का अस्तित्व भी नहीं था। उन्होंने कहा, डूरंड लाइन एक काल्पनिक रेखा है। अंग्रेजों ने उस समय अब्दुल रहमान खान के साथ समझौते के अनुसार इसे खींचा था। पाकिस्तान का इससे कोई लेना देना नहीं है। शेर मोहम्मद का बयान सही है। यह रेखा पाकिस्तान के अस्तित्व से 53 साल पहले 12 नवंबर 1893 में खींची गई थी।

डूरंड लाइन अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच 2,640 किमी लंबी सीमा है। ब्रिटिश इंडिया के सचिव सर मोर्टिमर डूरंड और अफगानिस्तान के अमीर अब्दुर रहमान खान के बीच समझौते के बाद इसे खींचा गया था। डूरंड रेखा रूस और ब्रिटिश साम्राज्यों के बीच 19वीं शताब्दी के ग्रेट गेम्स की एक विरासत के रूप में देखा जाता है। तब ब्रिटेन और रूस मध्य एशिया में प्रभाव बढ़ाने की जियोपॉलिटिकल लड़ाई लड़ रहे थे। अंग्रेजों ने इसे रूसी विस्तारवाद को रोकने के लिए एक बफर जोन के तौर पर इस्तेमाल किया था।

कनाडा के पीएम की मुस्लिमों और यहूदियों में कम हुई लोकप्रियता

-ट्रूडो के इजराइल-हमास युद्ध पर प्रवासियों तक बात ना पहुंचाने से हैं नाराज

ओटावा (एजेंसी)। कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो और उनकी लिबरल पार्टी की लोकप्रियता कनाडा के मुस्लिमों और यहूदियों में कम हुई है। इसकी वजह गाजा में इजरायल और हमास के बीच चल रहा युद्ध है। एक सर्वे में कहा गया है कि मुस्लिम और यहूदी मतदाता लिबरल्स से दूर हो रहे हैं, जबकि इन दोनों समुदायों की पहली पसंद ट्रूडो हुआ करते थे। इन समुदायों के बीच लोकप्रियता घटने का कारण जस्टिन ट्रूडो के इजराइल-हमास युद्ध पर प्रवासियों के बीच अपनी बात ना पहुंचाना है। कनाडा में अगले साल चुनाव होने हैं, ऐसे में पीएम ट्रूडो के लिए सत्ता में वापसी करना मुश्किल हो सकता है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक सर्वे में 42 यहूदी मतदाताओं के लिए कंजर्वेटिव और 33 फीसदी के बीच लिबरल पार्टी पहली पसंद है। ट्रूडो की पार्टी कनाडाई मुसलमानों के बीच एनडीपी से 41 के मुकाबले 31 फीसदी से पीछे है। कनाडा में 2015 में मुस्लिम मतदाताओं के समर्थन ने पीएम जस्टिन ट्रूडो को बहुमत वाली सरकार बनाने में मदद की थी लेकिन गाजा में इजरायल और हमास युद्ध और उससे पैदा मानवीय संकट ने राजनीतिक परिदृश्य बदल दिया है। मुसलमानों और यहूदियों के अलावा ट्रूडो की पार्टी हिन्दुओं और सिखों के समर्थन की कमी से जूझ रही है। विपक्षी नेता पियरे पोइलिवरे और कंजर्वेटिव पार्टी ईसाईयों, हिंदुओं और सिखों की पहली पसंद हैं।

लिबरल्स की राजनीति में प्रवासियों की बहुत अहमियत है। ऐसे में यह बहुत अच्छी स्थिति नहीं लगती है। यहूदी प्रवासी कह रहे हैं कि सरकार हमास की निंदा करने और कनाडा में यहूदी विरोधी भावना को रोकने में विफल रही हैं। दूसरी ओर मुस्लिम आबादी मान रही है कि ट्रूडो सरकार ने गाजा में इजरायली रक्षा बलों के हमलों की खुलकर आलोचना नहीं की है। दोनों समूहों में से कम से कम आधे लोगों का कहना है कि ट्रूडो के

बारे में उनकी राय हाल के हफ्तों में अच्छी नहीं है।

ट्रूडो के खिलाफ माहौल के बावजूद विपक्षी नेताओं को मुस्लिमों और यहूदियों के बीच ट्रूडो की लोकप्रियता में कमी का फायदा उठाना है। कनाडाई मुसलमानों की राय एनडीपी नेता जगमीत सिंह के बारे में भी अच्छी नहीं है। वहीं हाल के सप्ताहों में पोइलिव्रे के बारे में उनके विचार और अधिक नकारात्मक हो गए हैं। कनाडाई यहूदियों के बीच भी दोनों नेताओं का आकलन नकारात्मक।

जिनपिंग ने पुतिन को लगाया गले, चिढ़ गया अमेरिका....किसी एक को चुने ड्रैगन

बीजिंग (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 2 दिन के दौरे पर चीन में हैं। बीजिंग में राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने पुतिन का जोरदार स्वागत किया। इसके बाद दोनों नेताओं ने साथ में चाय पी। पुतिन की यात्रा का पहला दिन खत्म होने पर जिनपिंग ने उन्हें गले भी लगाया। इस दोस्ती से अमेरिका नाराज हो गया है। अमेरिका ने कहा है कि चीन अगर पश्चिमी देशों के साथ बेहतर रिश्ते बनाने की कोशिश कर रहा है, तब वह यूक्रेन जंग में रूस का समर्थन नहीं कर सकता है। चीन को रूस या यूरोप में से एक को चुनना होगा। अमेरिका के विदेश बढ़ावा दे रहा है। पटेल ने कहा, हमारे नजरिए से इस समस्या का हल बहुत ही आसान है। रूस यूक्रेन से पीछे हट जाए। वह रूसी कब्जे में मौजूद यूक्रेन के क्रीमिया और दूसरे इलाकों को आजाद कर दे। इससे शांतिपूर्ण तरह से मसला हल किया जा सकेगा, लेकिन रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने समय-समय पर यह बताया है कि वे शांति के लिए तैयार नहीं है।

दूसरी ओर चीन ने कहा है कि वह अपने मिलिट्री प्रोडक्ट्स के एक्सपोर्ट को पूरी जिम्मेदारी से संभालता है। अमेरिका को टारगेट कर चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि हमारे मुलाकात के बाद पुतिन ने कहा कि रूस और चीन भाई जैसे हैं। जिनपिंग ने सोवियत काल की धुन के साथ उनका स्वागत किया दोनों नेताओं ने कहा था कि रूस और चीन की दोस्ती दुनिया में चल रही वर्चस्व की लड़ाई के बीच स्थिरता लाने का काम करती है। अपने दौरे के दूसरे दिन शुक्रवार को पुतिन चीन के हार्बिन शहर पहुंचे। इसे चीन का लिटिल मॉस्को कहा जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि 1917-22 के दौरान जब रूस में गृह युद्ध चल रहा था, तब हजारों रूसी हार्बिन शहर रहने पहुंचे थे। तब मॉस्को से रूस के पश्चिम में मौजूद

मेट्रो बन रही लोगों की पसंद, एक महीने में 17 बार टूटा पैसेंजर जर्नी का रिकॉर्ड

नई दिल्ली। दिल्ली में लगातार बारिश से गुड़गांव में भारी जाम आए दिन लग रहा है और सड़कों की खस्ता हालत का असर अब मेट्रो की राइडरशिप पर पड़ रहा है। मेट्रो में इतनी भीड़ है कि पैसेंजर जर्नी का पिछला जो रेकॉर्ड बना था, वह एक महीने में 13 बार टूट चुका है। 13 फरवरी 2024 को मेट्रो में 71,09,938 पैसेंजर जर्नी का रिकॉर्ड बनाया था जबकि 12 अगस्त से 12 सितंबर के बीच 13 बार इससे ज्यादा लोगों ने मेट्रो में यात्रा की है। पिछले एक साल में बने पैसेंजर जर्नी के टॉप-20 रिकॉर्ड्स में 19 रिकॉर्ड्स इसी साल के हैं। डीएमआरसी के अधिकारियों ने बताया कि 9, 10, 11 और 12 सितंबर को चार दिन दिल्ली मेट्रो में 73 से 77 लाख पैसेंजर जर्नी का रिकॉर्ड बना है। इसके साथ ये चारों दिन पैसेंजर जर्नी के अब तक के टॉप-5 दिनों में शामिल हो गए हैं। इनके ऊपर केवल एक रिकॉर्ड है, जो 20 अगस्त को बना था। उस दिन मेट्रो में सबसे ज्यादा 77,49,682 पैसेंजर जर्नी रेकॉर्ड की गई थी। मेट्रो में बढ़ रही भीड़ को देखते हुए डीएमआरसी ने सभी मेट्रो लाइनों पर और ट्रेनें चलाने का फैसला लिया है। डीएमआरसी के प्रधान कार्यकारी निदेशक का कहना है कि मेट्रो में बढ़ती यात्रियों की भीड़ इस बात का प्रमाण है कि अभी भी सबसे सुरक्षित, भरोसेमंद, आरामदायक, एयर कंडीशंड और अनुशासित पब्लिक ट्रांसपोर्ट के रूप में दिल्ली मेट्रो ही दिल्ली-एनसीआर के लोगों की पहली पसंद बन गई है।

हरियाणा में अरबपति और करोड़पति लड़ रहे हैं, विधानसभा का चुनाव

नई दिल्ली। गरीबों की लड़ाई लड़ने के लिए अब विधानसभा का चुनाव अरबपति और करोड़पति बड़ी संख्या में लड़ रहे हैं। 6 से ज्यादा अरबपति इस चुनाव मैदान में है। वहीं करोड़पतियों की संख्या भी 3 दर्जन से ज्यादा है। हरियाणा विधानसभा के चुनाव में सबसे अमीर उम्मीदवार के रूप में कैप्टन अभिमन्यु की पहचान की गई है। उनके पास 417 करोड रुपए की संपत्ति है। वह भाजपा की टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। दूसरे नंबर पर सावित्री जिंदल हैं। यह निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव मैदान में उतरी हैं। इनके पास भी 270 करोड रुपए से अधिक की संपत्ति है। इसके पहले यह भाजपा में थी। तीसरे नंबर पर भाजपा उम्मीदवार शक्ति रानी शर्मा है। इनके पास 145 करोड रुपए की संपत्ति है। सबसे धनी उम्मीदवारों के रूप में चौथे नंबर पर गोपाल गोयल का नाम आता है। इनके पास 135 करोड रुपए से ज्यादा की संपत्ति है। यह एचएलपी की टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। पांचवें नंबर पर विपुल गोयल हैं। यह भी भाजपा के उम्मीदवार हैं। इनके पास 116 करोड रुपए की संपत्ति है। छठवें नंबर पर बलराज कुंडू आते हैं। जो हरियाणा जन सेवक पार्टी की ओर से चुनाव लड़ रहे हैं। इनके पास भी 108 करोड रुपए से ज्यादा की संपत्ति है। अर्थात यह सब अरबपति हैं। गरीबों की लड़ाई लड़ने के लिए यह सभी विधानसभा का चुनाव लड़ रहे हैं। इसके अलावा करोड़ों रुपए की संपत्ति के मालिकों की संख्या हरियाणा के चुनाव में सबसे ज्यादा है।

उत्तराखंड में भारी बारिश से कई जगह भूस्खलन, हाईवे अवरुद्ध, कई यात्री फंसे

चमोली। भारी बारिश के कारण बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर कई स्थानों पर भूस्खलन हुआ, जिससे लामबगड़, नंदप्रयाग, सोनाला और बैराज कुंज में सड़क अवरुद्ध हो गई। भूस्खलन के कारण सकोट और नंदप्रयाग के बीच वैकल्पिक मार्ग भी अवरुद्ध हो गया है। चमोली पुलिस ने कहा कि जिले में भारी बारिश के कारण बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर कई स्थानों पर भूस्खलन हुआ है, जिसके कारण सड़क अवरुद्ध हो गई। सुरक्षा की दृष्टि से चमोली पुलिस ने यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर रोक रखा है। इससे पहले पुलिस ने सोशल मीडिया पर कहा था कि बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग कमेड़ा (गौचर), नंदप्रयाग (चमोली) और छिनका (चमोली) में अवरुद्ध है। बाद में उन्होंने बताया कि छिनका में अवरुद्ध सड़क को यातायात के लिए खोल दिया गया है। चमोली पुलिस ने यह भी बताया कि जिले में कमेड़ा के पास अवरुद्ध बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग को यातायात के लिए खोल दिया गया है। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड के कई इलाकों में भारी बारिश के कारण एसडीआरएफ की टीमों और जिलाधिकारियों को हाई अलर्ट पर रहने का निर्देश दिया है। उन्होंने लोगों को अनावश्यक यात्रा से बचने की भी सलाह दी थी। मौसम विभाग ने उत्तराखंड के कई दक्षिणी जिलों के लिए रेड अलर्ट और अन्य भागों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। उत्तर-पश्चिम यूपी पर बना दबाव 12 घंटों के अंदर कम दबाव वाले क्षेत्र में कमजोर पड़ने की उम्मीद है। बरेली के पास केंद्रित मौसम प्रणाली दक्षिणी उत्तराखंड और यूपी के कुछ हिस्सों में बिखरे बादल और तीव्र संवहन का कारण बनेगी। उत्तरी उत्तराखंड, पूर्वी राजस्थान और उत्तर-पश्चिम मध्य प्रदेश में भी बारिश और तेज़ हवाए चलने का अनुमान है।

पुलिस की गाड़ी को साइड नहीं दी तो नशा तस्करी का केस दर्ज किया

चंडीगढ़। अगर पंजाब पुलिस की गाड़ी आपकी गाड़ी से साइड मांगे तो देर मत कीजिएगा। कहीं ऐसा ना हो कि आपके ऊपर नशा तस्करी का झूठा केस दर्ज हो जाए और आपको जेल में रहना पड़े। यह कोई फिल्मी कहानी नहीं, बल्कि एक सच्ची घटना है। पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट में पंजाब पुलिस का चेहरा एक बार फिर बेनकाब हुआ है। हाईकोर्ट ने पुलिस की तरफ से नशीले कैप्सूल रखने के आरोपी बनाए गए लवप्रीत सिंह को रेगुलर जमानत देते देते हुए कहा, पुलिस की हाई हैडनेस की हद है। इस तरह से निर्दोष लोगों को एनडीपीएस के मामले फंसा कर पुलिस समाज में भय का माहौल बना रही है और ये सरासर गलत है। कोर्ट ने पंजाब के डीजीपी को कोर्ट में एफिडेविट दाखिल करने को कहा गया है और साथ ही दोषी पुलिस अधिकारियों के खिलाफ एक्शन लेने के आदेश दिए। 20 सितंबर को अगली सुनवाई में कपूरथला के एसएसपी को हाईकोर्ट में पेश होने के आदेश दिए गए हैं। दरअसल, पंजाब के कपूरथला के सुल्तानपुर लोधी के लवप्रीत सिंह को पुलिस की गाड़ी को साइड नहीं दी। 22 जून 2024 का यह मामला है। लवप्रीत अपने खेत से कार में घर लौट रहा था और एक जगह तंग रास्ता था और पुलिस की गाड़ी पीछे थी। पुलिस वालों ने हॉर्न मारे और लेकिन कुछ मिनट देर से लवप्रीत ने रास्ता दे दिया। इस दौरान पुलिस पार्टी ने लवप्रीत की कार रोक ली और उसे थाने ले गए। दो दिन तक घरवालों को पता नहीं लगा कि वह कहां है। इसी बीच लवप्रीत पर नशे के 500 से ज्यादा कैप्सूल रखने के तहत एनडीपीएस का पर्चा दर्ज कर दिया गया। निचली अदालत से जमानत खारिज होने के बाद लवप्रीत के परिवार ने हाईकोर्ट का रुख किया, जहां लवप्रीत के वकील ने कोर्ट को बताया कि ये मामला सिर्फ ईगो का है और लवप्रीत को झूठा फंसाया गया है। जब कोर्ट में एफएसएल की रिपोर्ट पेश की गई तो बताया गया कि नशीले कैप्सूल नहीं, बल्कि पैरासीटामोल का सॉल्ट था। बचाव पक्ष के वकील के मुताबिक ये नशीले कैप्सूल की कहानी पुलिस ने खुद रची थी, जो की बेनकाब हो गई।

जूस में पेशाब मिलाकर पिलाता था दुकानदार,लोगों ने रंगे हाथों पकड़ा, फिर जमकर पीटा

गाजियाबाद। लोनी इलाके में इंद्रापुरी कॉलोनी में एक गंदी हरकत का मामला बताया जा रहा है। यहां शुक्रवार की शाम कुछ लोगों ने एक दुकान पर पेशाब मिलाकर जूस बेचने का आरोप लगाया। इसके बाद वहां मौजूद लोग आक्रोशित हो गए। उन्होंने कथित तौर पर दुकानदार की पिटाई भी की। इस बीच किसी ने इसी सूचना पुलिस को दे दी। मौके पर पहुंचकर पुलिस ने दुकानदारों को भीड़ से बचाया और उनसे पूछताछ की। पुलिस ने मौके पर तलाशी ली तो एक केन में एक लीटर मानव मूत्र बरामद किया गया। इस बारे में दुकानदार भी कुछ स्पष्ट जवाब नहीं दे पाए। घटना को लेकर अंकुर विहार के सहायक पुलिस आयुक्त भाष्कर वर्मा ने कहा कि जनता के द्वारा सूचना दी गई कि जूस विक्रेता द्वारा मानव मूत्र मिलाया जाता है। तत्काल मौके पर छानबीन की गई तो एक केन से एक लीटर मानव मूत्र प्राप्त हुआ। उन्होंने बताया कि दुकानदारों ने इस मामले में कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा कि मामले में पूछताछ की जा रही है। मामले की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने हंगामा कर रहे लोगों को शांत कराया। साथ ही, दुकानदार आमिर को गिरफ्तार कर लिया गया। वहां काम करने वाले एक नाबालिग को पुलिस ने अभिरक्षा में लिया है। एसीपी भास्कर वर्मा ने बताया कि दुकानदार से पूछताछ में कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। जूस की दुकान से एक लीटर की केन में यूरिन मिला है। केस दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी गई है। लोनी बॉर्डर क्षेत्र की इंदिरापुरी कॉलोनी में दुकानदार पर जूस में यूरिन मिलाकर बेचने का आरोप लगा है।

सीएम योगी ने फिर खोला नौकरियों का पिटारा... युवा हो जाएं तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। लखनऊ (ईएमएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लेखपाल, राजस्व निरीक्षक और नायब तहसीलदार के साथ-साथ लिपिकीय संवर्ग के सभी रिक्त पदों पर नियुक्ति करने के तत्काल आदेश दिए हैं। इसके अलावा, तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक जैसे पदों के लिए जहां पदोन्नति लंबित है, वहां तत्काल प्रक्रिया पूरी करने को कहा है। उन्होंने कहा है कि राजस्व विभाग सीधे तौर पर लोगों से जुड़ा हुआ है। आय, जाति और निवास प्रमाण पत्रों से लेकर पैमाइश, नामांकन, घरौनी, खतौनी, सर्वे, पट्टा सहित ढेरों महत्वपूर्ण प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण हो सके, इसके लिए न केवल विभाग के रिक्त पदों पर नई नियुक्ति की आवश्यकता है, बल्कि आवश्यकतानुसार नवीन पदों का सृजन करे। यही नहीं, उन्होंने राजस्व परिषद के अंतर्गत बन्दोबस्त आयुक्त (ग्रामीण) बन्दोबस्त आयुक्त (नगरीय) तथा निदेशक प्रशिक्षण का नवीन पद सृजित करने की भी जरूरत जाहिर की।

उच्चस्तरीय बैठक में राजस्व विभाग के कामकाज और उपलब्ध मानव संसाधन की समीक्षा कर मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्व विभाग और राजस्व परिषद में काम के बदलते स्वरूप और अधिकता को देखते हुए दक्ष युवाओं की तैनाती होनी चाहिए। नवीनतम तकनीकों को अपनाने के लिए तहसील, जिला, मंडल और राजस्व परिषद में आईटी में दक्ष लोगों की तैनाती करे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों के कार्यों में राजस्व विभाग के कार्मिकों को प्रायः फील्ड विजिट करना पड़ता है। इसके बाद यह उचित होगा कि लेखपालों और राजस्व निरीक्षकों को वाहन भत्ता दिया जाना चाहिए। इसी तरह नायब तहसीलदार की कार्यक्षमता में बढ़ोतरी के लिए उन्हें चार पहिया वाहन की उपलब्धता कराई जाए। साथ ही, जीपीएस से संबंधित कार्यों के बेहतर संपादन के लिए लेखपालों और राजस्व निरीक्षकों को नए टैबलेट भी उपलब्ध कराए जाएं।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि आम जन से जुड़े कार्यों को समयबद्धता के साथ मेरिट के आधार पर निस्तारित किया जाए, अनावश्यक कहीं भी कोई प्रकरण लंबित न रहे। राजस्व कार्मिकों के प्रशिक्षण पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने राजा टोडरमल सर्वेक्षण भूलेख प्रशिक्षण संस्थान, हरदोई में आधारभूत अवसंरचना को और बेहतर करने के निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद विभाग स्तर पर प्रस्ताव तैयार कर अग्रेतर कार्यवाही की जाएगी। बैठक में मुख्य सचिव, अध्यक्ष राजस्व परिषद, प्रमुख सचिव राजस्व सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति रही।

सरकार बनी तो मिथिलांचल विकास प्राधिकरण का गठन किया जाएगा : तेजस्वी यादव

दरभंगा। बिहार के दरभंगा में महागठबंधन की सरकार बनने पर दो सौ यूनिट मुफ्त बिजली देने की घोषणा के बाद ब विरोधी दल के नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने एक और बड़ा एलान कर दिया। उन्होंने कहा उनकी सरकार बनी तो मिथिलांचल विकास प्राधिकरण (मिथिलांचल डेवलपमेंट अथारिटी) का गठन किया जाएगा। जिसके बाद मिथिलांचल के विकास में कोई कोर कसर बाकी नहीं रह जाएगी। उन्होंने कहा कि हम लोग जो कहते हैं, वहीं करते हैं। मिथिलांचल में मछली, मखाना और पान है। यहां कई प्रकार की फूड प्रोसेसिंग यूनिट लगाई जा सकती है। हाल ही में कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम में दरभंगा पहुंचे तेजस्वी ने सर्किट हाउस में पत्रकारों से बात की। उन्होंने इस दौरान केंद्र की मोदी सरकार को आड़े हाथों लिया और कहा कि अरविंद केजरीवाल पर साजिश के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। भाजपा विपक्ष के नेताओं को फंसाने-डराने और जेल भेजने का काम करती है। सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल को जमानत दी, जिसका स्वागत करते हैं। कोर्ट का आब्जर्वेशन देखा जाए तो लगातार एजेंसियों को कड़े शब्दों में फटकार लगाई जा रही है। जिससे केंद्र सरकार की किरकिरी हुई। यदि कोर्ट की टिप्पणियों से साफ पता होता है सरकारी एजेंसियों ईडी व सीबीआइ को भाजपा जो लिस्ट मुहैया कराती है, वह उसी के आधार पर काम करती हैं। जो नेता विपक्षी पार्टी में रहते हैं, उनके खिलाफ एजेंसियां समन व चार्जशीट दाखिल करती हैं। फिर गिरफ्तार कर लेती हैं। अगले ही दिन वह व्यक्ति यदि भाजपा में शामिल हो जाता है, तो चार्जशीट से उसका नाम गायब हो जाता है। इस दौरान अब्दुलबारी सिद्दीकी, ललित यादव समेत दूसरे कई नेता उपस्थित रहे।

धरनास्थल पर ममता ने चिकित्सकों से काम पर लौटने का आग्रह किया, प्रदर्शनकारी बोले-समझौता नहीं करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी लगातार जारी गतिरोध के बीच अचानक जूनियर चिकित्सकों के धरनास्थल पर पहुंचीं और उन्हें उनकी मांगों पर गौर करने तथा दोषी पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया। साल्ट लेक में स्वास्थ्य भवन के बाहर प्रदर्शनकारी चिकित्सकों को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि वह उनके खिलाफ कोई कदम नहीं उठाएंगी क्योंकि वह लोकतांत्रिक आंदोलन को दबाने में विश्वास नहीं रखतीं। उन्होंने कहा, 'बंगाल उत्तर प्रदेश नहीं है।'

हालांकि, मुख्यमंत्री के जाने के बाद आंदोलनकारी चिकित्सकों ने कहा कि वे बातचीत होने तक अपनी मांगों को लेकर समझौता करने के लिए तैयार नहीं हैं। इससे यह संकेत मिलता है कि गतिरोध जल्द खत्म होने वाला नहीं है। बनर्जी पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार के साथ अचानक अपराह्न करीब एक बजे सेक्टर 5 स्थित धरनास्थल पर पहुंचीं। उन्होंने कहा कि चिकित्सक बारिश के बीच सड़क पर धरना दे रहे हैं, जिसकी वजह से उन्हें रातों को नींद नहीं आ रही है। बनर्जी ने कहा, ''मैं आपसे मुख्यमंत्री के तौर पर नहीं, बल्कि आपकी 'दीदी' के तौर पर मिलने आई हूं।''

मुख्यमंत्री ने कहा, ''मैं आपको आश्वासन देती हूं कि आपकी मांगों पर गौर करूंगी और अगर कोई दोषी पाया गया तो कार्रवाई करूंगी।'' उन्होंने धरने पर बैठे चिकित्सकों से काम पर लौटने का आग्रह किया। बनर्जी ने यह घोषणा भी की कि सभी सरकारी अस्पतालों की रोगी कल्याण समितियों को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया गया है।

उन्होंने कहा, ''संकट को सुलझाने का यह मेरा आखिरी प्रयास है।'' मंगलवार से ही चिकित्सक राज्य स्वास्थ्य विभाग के मुख्यालय स्वास्थ्य भवन के बाहर डेरा डाले हुए हैं। उनकी मांगों में सरकारी अस्पतालों में बेहतर सुरक्षा व्यवस्था कायम करना और आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में महिला चिकित्सक से बलात्कार और उसकी हत्या के मामले में शीर्ष अधिकारियों को हटाना शामिल है। जूनियर चिकित्सक एक महीने से ज़्यादा समय से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, जिससे राज्य की सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा प्रभावित हो रही है। सरकार ने दावा किया है कि विरोध प्रदर्शन के कारण कथित तौर पर इलाज न होने से 29 लोगों की मौत हो गई है।

उमर अब्दुल्ला का पीएम मोदी पर तंज... चुनाव के बाद पीडीपी में कोई कमी नहीं दिखेगी

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव को लेकर आयोजित रैली में प्रधानमंत्री मोदी के बयान पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष और गांदरबल विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जब भाजपा को इन परिवारों में से किसी की मदद की जरूरत थी तब हम बर्बादी के जिम्मेदार नहीं थे। 6 साल पहले भाजपा का पीडीपी के साथ जम्मू-कश्मीर में रिश्ता था। लेकिन चुनाव के दौरान भाजपा को खराबी नजर आ ही जाती है। अगर भाजपा की संख्या कम पड़ी और पीडीपी ने उन्हें फिर से मदद करने का फैसला लिया तब उन्हें पीडीपी में कोई कमी नहीं दिखेगी। अब्दुल्ला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस बारे में बात करनी चाहिए थी कि आतंकवादी हमले में लोग मारे गए हैं।

बता दें कि डोडा में एक रैली के दौरान पीएम मोदी ने मुफ्ती-अब्दुल्ला-गांधी परिवार पर निशाना साधकर कहा कि जम्मू कश्मीर का इस बार का विधानसभा चुनाव...तीन खानदानों और जम्मू-कश्मीर के नौजवानों के बीच में हो रहा है। एक खानदान... कांग्रेस का है.. एक खानदान... नेशनल कॉन्फ्रेंस का है...एकखानदान...पीडीपी का है... जम्मू-कश्मीर में इन तीन खानदानों ने मिलकर आप लोगों के साथ जो किया है... वहां किसी पाप से कम नहीं है।

पीएम मोदी पर हमलावार अब्दुल्ला ने कहा कि अनुच्छेद 370 को हटे 5 साल हो चुके हैं और हम आज भी मुठभेड़ों के बारे में सुनते हैं। बता दें कि जम्मू कश्मीर में पीएम मोदी का दौरा उस वक्त में हुआ है जब लगातार आतंकियों के साथ सुरक्षाबलों की मुठभेड़ लगातार जारी है। बारामूला में आतंकियों को ढेर किया गया है। किश्तवाड़ में मुठभेड़ शुरू होने के कुछ घंटों बाद, बारामूला में सेना और आतंकवादियों के बीच भारी गोलीबारी हुई। किश्तवाड़ मुठभेड़ में सेना के दो जवानों की मौत हो गई। वहीं बारामूला के तापर पाटन में आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में विशिष्ट खुफिया इनपुट के आधार पर भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से शुरू किया गया ऑपरेशन शनिवार को शुरू हुआ। मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया।

प्रदर्शनकारी डॉक्टरों ने राष्ट्रपति एवं पीएम मोदी को पत्र लिखकर दखल देने की मांग की

कोलकाता। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में हुए हत्या और रेप के मामले को लेकर डॉक्टर प्रदर्शन कर रहे हैं। जूनियर डॉक्टरों ने राष्ट्रपति और पीएम को पत्र लिखकर आरजी कर अस्पताल के मामले में दखल देने की गुहार लगाई है। डॉक्टरों ने चार पेज के पत्र में देश के प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति से न्याय की गुहार लगाई है। जूनियर डॉक्टरों ने चार पेज का पत्र लिखा है। इस पत्र को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा को भी भेजा गया है। इस पत्र में लिखा गया है कि आप देश का मुखिया हैं। ऐसे में यह मामला आपके सामने रख रहे हैं। हम अपने उस सहयोगी के लिए न्याय चाहते हैं जो एक बेहद घृणित अपराध की शिकार हो गई है। ऐसा होने के बाद हम हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विभाग के तहत बिना किसी डर और आशंका के जनता की सेवा कर सकेंगे। पत्र में डॉक्टरों ने लिखा है कि इस मुश्किल समय में आपका दखल हम सभी के लिए रोशनी की किरण की तरह से काम करेगा। आप ही हैं जो हमें हमें चारों ओर से घिरे अंधेरे से बाहर निकलने का रास्ता दिखाएंगे। आंदोलनकारी डॉक्टरों में शामिल अनिकेत महतो ने बताया कि पत्र का मसौदा इस महीने की शुरुआत में तैयार किया गया था और इसे गुरुवार रात भेजा गया।

चुनौतियों से घिरे हैं सीएम केजरीवाल, फिर भी दिल्ली में रफ्तार पकड़ेगा विकास

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई है। उनकी रिहाई से न केवल हरियाणा, जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनावों से पहले आम आदमी पार्टी को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि राजधानी में सरकार को भी जरूरी प्रोत्साहन मिलेगा, वल्कि नई दिल्ली के विकास से जुड़े कामों को भी गति मिलेगी। साथ ही वे अगले साल होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव में भी पार्टी में नया उत्साह भरने का काम करेंगे। आप ने एक बयान में कहा, अरविंद केजरीवाल दिल्ली के मुख्यमंत्री हैं, जो मंत्रिपरिषद के प्रमुख हैं और विभिन्न विभागों के मंत्रियों के जरिए शासन की देखरेख करते हैं। उन्हें अपने सभी मंत्रियों को निर्देश देने का पूरा अधिकार है, ताकि जनहित में काम हो सके। मुख्यमंत्री द्वारा केवल उन्हीं फाइलों पर हस्ताक्षर किए जाते हैं, जिन्हें एलजी के पास भेजा जाना होता है, जिसके लिए उन्हें सुप्रीम कोर्ट से इजाजत मिली हुई है। इसलिए, दिल्ली के लोगों का कोई भी काम नहीं रुकेगा।

कई अहम नीतिगत फैसले हैं, जिनमें महिला सम्मान निधि योजना- 18 साल से ज्यादा उम्र की सभी महिलाओं को 1,000 रुपये की वित्तीय सहायता देना। इसकी घोषणा इस साल दिल्ली के बजट में की गई थी। इसके अलावा दैनिक मजदूरों के लिए महंगाई भत्ता, दिल्ली स्टार्ट-अप नीति, दिल्ली बाजार पोर्टल, क्लाउड किचन नीति, फूड ट्रक नीति, लॉजिस्टिक्स योजना, दिल्ली इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम डिजाइन, विनिर्माण और नवीनीकरण (ईएसडीएमआर) नीति 2022-27 और औद्योगिक एवं आर्थिक विकास नीति 2023-33 तैयार हैं। इन्हें सीएम की अध्यक्षता वाली कैबिनेट की मंजूरी की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि प्रवर्तन निदेशालय मामले में जमानत देते समय उन पर जो शर्तें लगाई गई थीं वह यथावत रहेंगी।

एक बार जो कमिटमेंट कर दी, फिर खुद की भी नहीं सुनता, लाडली बहना योजना पर बोले महाराष्ट्र के सीएम

नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि मुख्यमंत्री माझी लड़की बहिन योजना योजना को 30 सितंबर तक बढ़ा दिया गया है और कहा कि इस योजना को कोई नहीं रोक सकता। मुख्यमंत्री माझी लड़की बहिन योजना अभियान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम शिंदे ने विपक्ष पर निशाना साधा और कहा कि वे चुनाव के बाद अपने वादे भूल गए। मेरी लाडली बहनों, यह उत्साह साबित करता है कि हमारी योजना सफल रही है, मुझे इस बात की खुशी है। लाडली बहनों के लिए हमारी योजना की समय सीमा 30 सितंबर तक बढ़ा दी गई है। जिनके खातों में पैसा नहीं आया है, उन्हें एक और मौका मिलेगा। इस योजना को कोई नहीं रोक सकता, लेकिन कुछ लोगों ने इस योजना में बाधा डालने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो सके। सीएम शिंदे ने कहा कि लोग चांदी के चम्मच के साथ रहते हैं, धन-दौलत से घिरे रहते हैं, उन्हें इस 1500 रुपये की कीमत समझ में नहीं आएगी। इसकी असली कीमत मेरी गरीब माताएं-बहनें जानती हैं। मैं भी एक किसान का बेटा हूं और मैंने कठिनाइयां देखी हैं। उन्होंने आगे कहा कि जब उनकी सरकार कोई कमिटमेंट करती है तो वे खुद की भी नहीं सुनते। महाराष्ट्र में महिलाओं के लिए महायुति सरकार की प्रमुख योजना 'मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना' के तहत फिलहाल प्रति माह 1,500 रुपये दिए जाते हैं। शिंदे ने कहा कि हमने लाडकी बहिन योजना शुरू की, जिसके तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 1,500 रुपये दिए जा रहे हैं। यदि आप हमारी ताकत बढ़ाते हैं, तो हम मासिक राशि 2,000 रुपये तक बढ़ा देंगे। यदि आप बड़ा जनादेश देते हैं, तो हम इसे बढ़ाकर 3,000 रुपये कर देंगे। हम इस राशि को बढ़ाने में संकोच नहीं करेंगे। शिंदे ने कहा कि ये लोग और इनके नेता चुनाव के दौरान कहते थे कि आपके खातों में पैसा आना शुरू हो जाएगा, लेकिन चुनाव खत्म होते ही ये अपने वादे भूल गए। ऐसा लगा जैसे कोई 'प्रिंटिंग मिस्टेक' हो गई हो. लेकिन हमने जो वादे किये, वो पूरे किये. जब हम कोई वादा करते हैं तो हम खुद की भी नहीं सुनते। सीएम शिंदे ने कहा, बालासाहेब भी कहते थे, 'या तो वादे मत करो, लेकिन अगर करते हो तो उन्हें किसी भी कीमत पर पूरा करो। महाराष्ट्र के सीएम ने कहा कि वे महिलाओं को करोड़पति बनते देखना चाहते हैं।

मौसम का बदलता मिजाज: मरुधरा में बादल बरस रहे और जहां गंगा है वहां बारिश ही नहीं

पटना (एजेंसी)। मरुस्थल कहे जाने वाले राजस्थान में इस बार बारिश ने बीते 49 बरसों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। प्रदेश में अब तक सामान्य से करीब 62 फीसदी ज्यादा बारिश हो चुकी है। प्रदेश का कोई भी जिला इस बार सूखा नहीं रहा। वहीं जिस बिहार से होकर गंगा नदी गुजरती है, वहां इस बार सामान्य से करीब 32 फीसदी कम बारिश हुई है। मौसम वैज्ञानिक एसके पटेल के अनुसार इस साल बिहार में सामान्य से 25 फीसदी बारिश की कमी बनी हुई है।

बिहार समेत अलग-अलग राज्यों में हाल के कुछ सालों में मौसम में बड़ा परिवर्तन देखने को मिला है। कुछ राज्यों में जहां काफी कम बारिश हो रही है, वहीं कुछ प्रदेशों में सामान्य से अधिक वर्षा हो जा रही है। कुछ सालों के आंकड़ों पर नजर डाले तो गर्मी का रिकॉर्ड भी टूट रहा है। इसके अलावा में ठंड भी सामान्य महीनों में न होकर कुछ दिनों में ही बहुत अधिक जो जाती है। देशभर में इस बदलते मौसम के बीच राजस्थान से भी हैरान करने वाली तस्वीर सामने आई है। गंगा नदी बिहार के कई जिलों से होकर गुजरती है। लेकिन, फिर भी इस बार बिहार में अब तक सामान्य से कम बारिश हुई है। बिहार में अब तक 451.7 मिलीमीटर वर्षा होनी चाहिए थी, लेकिन ये 31 प्रतिशत कम यानी 311.9 मिमी ही हुई। मौसम विभाग के अनुसार बिहार में अगस्त तक सामान्य बारिश 545.1 मिमी होनी थी। लेकिन, अब तक सिर्फ 373.2 मिमी बारिश हुई है। यह मानसून में अब तक के औसत बारिश की तुलना में 32 फीसदी कम है। यानी बिहार में बारिश औसत से करीब 172 मिमी कम हुई है। बता दें, मानसून सीजन में जून से सितम्बर के बीच बिहार में 992.2 मिमी बारिश को सामान्य माना जाता है। लेकिन, इस बार यह आंकड़ा कम है।

मरुधरा राजस्थान में इस बार अब तक 664 एमएम से ज्यादा बारिश हो चुकी है जो कि सामान्य से 61 प्रतिशत ज्यादा है। इससे पहले साल 1975 में मानसून सीजन में 665 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई थी। मौसम विभाग जयपुर केन्द्र के निदेशक राधेश्याम शमां ने बताया कि इस साल करीब 49 साल का बारिश का रिकॉर्ड टूटा है और बारिश का सीजन अभी भी जारी है। सामान्य से 61 प्रतिशत ज्यादा बारिश हो चुकी है। पूर्वी राजस्थान के अधिकतर जिलों में भारी बारिश के कारण बाढ़ के हालात बने हुए हैं। वायुमंडल में आद्रता की मात्रा 60 से 80 फीसदी तक है। इस कारण मौसम उमस भरी बनी हुई है। एक चक्रवातीय परिसंचरण समुन्द्र तल से 7.6 किमी उपर बंगाल की खाड़ी में बांग्लादेश के तटीय प्रदेश के आस पास बनी हुई है। यह धीरे धीरे आगे की ओर बढ़ रही है। इस वजह से बंगाल की खाड़ी के तटीय प्रदेशों में निम्न दवाब का क्षेत्र बनने की संभावना है। इसके प्रभाव से मौसम में बड़ा बदलाव होने की संभावना है। 16 सितंबर तक बिहार के कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। लोगों को सावधान रहने की सलाह दी गई है।